

Hich an University of India

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 427

नई दिल्ली, शनिवार, अस्तूबर 17, 1981 (आश्वित 25, 1903)

No 4] NEW DELHI, SATURDAY, OCTOBER 17, 1931 (ASVINA 25, 1903)

इस भांग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अतग संकलन के रूप में रखा जा सके (Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

थाम ॥।--खण्डा

[PART III—SECTION 1]

उच्च ग्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखावरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनाक 29 अगस्त 1981

सं. ए.-11016/1/76-प्रशा.-।।।—संघ लोक सेवा आयोग के संवर्ग में के. सं. से. के अनुभाग अधिकारी श्री आई. जे. शर्मा को राष्ट्रपति द्वारा 19-8-81 से 30-9-81 तक संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में इन्के अधिकारी के पद पर कार्य करने के लिए सहर्ष नियुक्त क्रिया जाता है।

2. कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग के का. जा. सं. 12/1/74 सी. एस. (1) दिनांक 11 विसम्बर, 1975 की शर्ती के अनुसार श्री आई. जे. शर्मा रू 75/- प्र. मा. की दर से विशेष वेतन प्राप्त करेंगे।

यः राः गंधी अवर सचित्र (प्रशाः) मंघ लोक सेवा आयोग

गृह मंत्रालय

कार्मिक एवं प्रशासनिक स्थार विभाग केन्द्रीय अन्बेष्ण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 23 सितम्बर 1981

सं. ए.-19035/3/180-प्रशासन-5--(दिनांक 13-7-81 से 29-8-81 तक) 48 दिन की अर्थित छुट्टी सभाष्त हो ब 1-286GI/81 (11745)

जाने पर श्री तिलक राज, कार्यालय अधीक्षक, जोन-।।, केन्द्रीय अन्वेचण स्वूरो द्वारा दिनाक 31-8-1981 के पूर्वाहन से कार्यभार महण कर लोने पर श्री टी. सूदर्शन राव जो 19-5-1980 से स्थानापन रूप से कार्य कर रहे थे, को दिनांक 31-8-81 के पूर्वाहन से अपराध सहायक के रूप मे परावर्तित किया जाता हैं।

िद्रिनांक 25 सितस्त्रर 1981

श्रुविध-पत्र

स. वी.-43/68-प्रशासन-5--श्री वी. एन. सहगल की उप-निद्शेषक/केन्द्रीय न्याय-वैधक विज्ञान प्रयोगशाला, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरों के रूप में निय्क्ति के बारे में दिनांक 5-9-81 की समसंख्यक अधिसूचना में दी गई तिथि "29-8-81" के स्थान पर "31-8-81" पढ़ा जाए।

की. ला. ग्रोवर प्रशासनिक अधिकारी (स्था.) कोन्द्रीय अन्वेषण ब्यरो

समन्वय निव शालय (पुलिस खेतार)

नर्इ दिल्ली-110001, दिनांक 22 सितम्बर 1981

सं ए.-12012/1/81-प्र---समन्वयं निद्योशालयं (पूलिस बेतार) केश्री आर पी. आर. चौधरी, वरिष्ठ पर्यवेक्षण) अधिकारी को इस निद्देशालय में अगले आदेशों तक अस्थायी अतिरिक्त सहायक निद्देशक के पद पर वेतनभान रु. 650/-30-740-35-810-द. रो.-35-880-40-1000-द. रो.-40-1200/-पर दिनांक 29 अगस्त, 1981 के अपराहन से पदोन्नित दी गयी है।

आर एस काले निद्येषक पुलिस दूर संचार

कार्यालय : निद्शेक लेखा परीक्षा, केन्द्रीय राजस्य नर्द दिल्ली-2, दिनांक 26 सितम्बर 1981

सं. प्रशासन-। /का. आ. सं. 237—इस कार्यालय के एक स्थायी अनुभाग अधिकारी और स्थानापन्न लेखा परीक्षा अधिकारी श्री पी. एन. मेहता-। वार्धक्य आयु प्राप्त करने के परिणाम-स्वरूप भारत सरकार की सेवा से 30-9-1981 अपराह्न से सेवा निवृत होंगे।

इनकी जन्म तिथि 19-9-1923 है।

दिनांक 28 सितम्बर 1981

सं प्रशा - । का अा 243—श्रीमान निद्देशक लेखा-परीक्षा (केन्द्रीय राजस्व) इस कार्यालय के निम्नलिखित स्थायी अनुभाग अधिकारी को स्थानापन्न लेखापरीक्षा अधिकारी के वेतनक्रम 840-1200 रु में 24-9-81 के पूर्वाह्न से अगले आदेश आने तक नियुक्त करते हैं:——

1. श्रीके. के. मल्हाता।

(ह.) अपठनीय संयक्त निक्शेक ले. प. (प्र.) कार्यालय महालेखाकार-द्वितीय, परिचम बंगाल,

स्थानीय लेखा परीक्षा विभाग

कलकत्ता-700001, दिनांक 13 अगस्त 1981

सं. कार्यालय आदेश संख्या एल. ए./प्रशा./57---महा-लेजाकार-द्वितीय, परिश्वम बंगाल ने तदर्थ तथा अनित्तम स्तर पर स्थानीय लेखा परिक्षा विभाग के निम्निलिखित अनुभाग अधिकारियों को पूर्णतया अस्थायी रूप से सहायक परिक्षक, स्थानीय लेखा, पिर्चम बंगाल, के स्थानापन्न पद पर जिस दिन से वे सचमूच इस कार्यालय में सहायक परिक्षक, स्थानीय लेखा परीक्षा विभाग में अपना कार्यभार संभालते हैं या अगले आदेश तक नियुक्त करने की कृपा की है:---

- 1. श्री सुविनय घोष
- 2. श्रीअनिक कमार सांफार्इ (अ.जा.)

यह स्पष्ट रूप से समभ लेनी चाहिए कि यह प्रोन्नित कलकत्ता उच्च न्यायालय के एक मूकदमें का जब तक विनिर्णय न हो तब तक पूर्ण अस्थायी रूप से हैं और यह भारतीय गणराज्य तथा व सूसरों के खिलाफ दायर किये गये 1979 के सी. आर. केस नं. 14818 (एन.) के अन्तिम फरैसले के अधीन होगी।

उल्लिखित सारी सवर्थ प्रोन्नितयां भारत के उच्चतम न्यायालय में 1973 के सिविल अपील नं. 1584 से 1588 (एन.) और 1979 के सिविल अपील सं. नं. 2104-05 (एन.) के अन्तिम आवोश के भी अधीन है।

वी. एन. दस्त चौधरी परीक्षक, स्थानीय लेखा, परिचम बंगाल

कार्यालय निवेशक लेखा परीक्षा

नई दिल्ली-110001, दिनांक 21 सितम्बर 1981

सं० 3345/ए०-प्रशा०-/13130/78-81---निदेशक, लेखा परीक्षा, रक्षा सेवाएं, निम्नलिखित प्रधीनस्य लेखा सेवा के स्थाई सदस्यों को, उनके सामने श्रंकित तिथि से लेखा परीक्षा प्रधिकारी के स्थानापन्न रूप में, श्रागामी शादेश तक, सहर्ष नियुवत करते हैं।

ऋ० सं० नाम	कार्यालय जहां नियुक्ति की गई है	नियुक्ति की तिथि
(सर्वश्री		
1. जीतेन्द्र मोहन	संयुक्त निदेशक लेखा परीक्षा,	14-8-81
	रक्षा सेवायें, पूर्वी कमान, पटना	
2. एम० मित्रा	उप निवेशक ले खा परीक्षा,	27-7-81
	श्रायुद्ध फै क्टरी, कलकत्ता।	
3. एल० एस० गनेशन]	संयुक्त निदेशक लेखा परीक्षा,	29-8-81
	भायु द्ध फै न्टरी, जबलपुर।	
4. रणजीत दत्ता 🏋	संयुक्त निदेशक लेखा परीक्षा,	20-8-81
	रक्षा सेवायें, मध्य कमान, मेरठ।	
5. प्यारा सिंह	संयुक्त निदेशक लेखा परीक्षा,	24-7-81
	रक्षा सेवार्ये,	

इन्दर पाल सिंह,

संयुक्त निदेशक, लेखा परीक्षा रक्षा सेवाएं

रक्षा मंत्रालय

·डी. जी. ओ. एफ. मुख्यालय सि<u>वि</u>ल सेवा

आर्डनेन्स फैक्टरी बोर्ड

कलकत्ता-700069, दिनांक 22 सितम्बर 1981

सं. 18/81/ए./ई.-।——बार्धक्य निवृद्ति आयु प्राप्त कर श्री सुशील चन्द्र राय, मौलिक एवं स्थायी सहायक/स्थानापन्न सहायक स्टाफ अफसर दिनांक 13-3-81 से 19 दिनों की अर्जित छुट्टी का उपभोग करने के बाद दिनांक 31-3-81 (अपराह्न) से सेवा निवृत हुए।

डी. पी. चक्रवर्ती ए.डी.जी.ओ.एफ./प्रशासन कृते महानिदोशक, आर्डनैन्स फौक्टरियां

भारतीय आर्डनेस फौक्टरिया सेवा कलकत्ता, विनाक 21 सितम्बर 1981

सं 39/81/जी — नार्धक्य निवृत्ति आयु (58 वर्ष) प्राप्त कर, श्री बी. एल. शर्मा, स्थानापन्न उप-प्रबन्धक/मौलिकं एवं स्थायी सहायक प्रबन्धक विनोक 31 जुलाई, 1981 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए।

दिनांक 22 सितम्बर 1981

सं 38/जी /81—बार्धकय निवृत्ति आयू (58 वर्ष) प्राप्त कर, श्री सी माधवन, अपर महानिद्देशक आर्डनैन्स फौक्टिरियां/सदस्य (मौलिक एवं स्थायी डी. डी. जी. ओ. एफ./महाप्रबन्धक/सेलेक्शन ग्रेड) दिनांक 30 जून, 1981 अपराह्न से सेवा निवृत्त हुए।

सं. 40—-बार्धक्य निवृत्तिः आय् (58 वर्ष) प्राप्त कर, श्री नृपेन्द्र कुमार नियोगी, स्थानापन्न सहायक प्रबन्धक/मौलिक एवं स्थायो फोरमेन दिनांक 31 जुलाई, 1981 (अपराहन सं) सेवा निवृत्त हुए।

वी. के. मेहता सहायक महानिद्शाक, आर्डनैन्स फौक्टरिया

वाणिज्य मंत्रालय

मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय
नई दिल्ली, दिनांक 22 सितम्बर 1981
आयात तथा निर्यास ध्यापार नियंत्रण

(स्थापना)

सं. 6/1367/81-प्रशा. (राज.)/5566—-राष्ट्रपित, केन्द्रीय सिवालय सेवा के अधिकारी, श्री ए. एन. राज-गोपालन, जो पहले इस्पात एवं सान मंत्रालय (इस्पात विभाग) में निद्याक थे, मुख्य नियंत्रक, आयात निर्यात के कार्यालय में भारत सरकार के संयुक्त सिचय के दर्जे में 9 सितम्बर, 1981 (दोपहर पूर्व) से अगला आदेश होने तक, अपर मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के रूप में नियंत्रक, करते हैं।

मणि नौरायणस्थामी मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यास

वस्त्र विभाग

वस्त्र आयुक्त का कार्यालय

बम्बई-20, दिनांक 17 सितम्बर 1981

सं सी एल बी आई /1/6-जी /81--सूती वस्त्र (नियंत्रण) आदेश, 1948 के खण्ड 34 में प्रवंत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और केन्द्रीय सरकार की पूर्व-स्वीकृति से मैं एतव इवारा वस्त्र आयुक्त की अधिसूचना सं सी. एल बी आई /11/6-जी /71 विनाक 13 जनवरी, 1972 में निम्न-लिखित अतिरिक्त संशोधन करता हु, अर्थात्:--

उक्त अधिस्थाना से संलग्न सारणी में क्रम सं 26 (एक) के सामने स्तंभ 2, 3, तथा 4 में विव्यमान प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टियों प्रतिस्थापित की जाएंगी, अर्थात् :---

> सुरेश कुमार अतिरिक्त वस्त्र आयुक्त

हथकरथा विकास आयुक्त कार्यालय

नई दिल्ली, विनाक 3 सितम्बर 1981

सं. ए -12025(1)/5/80-प्रशा -।। (ए)—-राष्ट्रपति, श्री जयवन्त संगप्पा मूनौली को 31 जुलाई 1981 के अपराहन से बुनकार सेवा केन्द्र, बम्बई में सहायक निद्शिक ग्रेड 1 (प्रोसे-सिंग) के पद पर नियुक्त करते हैं।

पी. शंकर अतिरिक्त विकास आयुक्त (हथकरषा)

उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग)

विकास आयुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, विनांक 23 सितम्बर 1981

सं. ए.-19018/487/80-प्रघा. (राज.)---राष्ट्रपतिजी, केन्द्रीय सिचवालय सेवा के ग्रेड-। अधिकारी एवं उद्योग मंत्रालय (जीद्योगिक विकास विभाग) संवर्ग (केडर) के अवर सिचव श्री रखुवंश बहाद्र को विनाक 28 फरवरी, 1981 से अगले आविशों तक, विकास आयुक्त (लघु उद्योग), नई विल्ली के कार्यालय में उप निवंदाक (प्रधासन) के पद पर नियुक्त करते हैं।

विनांक 25 सितम्बर 1981

सं. 12(625)/69-प्रशा. (राज) खण्ड-2--राष्ट्रपति जी, विकास आयुक्त (लघु उद्योग), नह दिल्ली के कार्यालय में सहायक निवेशक, ग्रेड-। (प्रचार) (हिन्दी) के पव पर तदर्थ आधार पर कार्यरत श्रीमती आर. छिन्बर को दिनांक 24 अगस्त, 1981 (पूर्वाह्न) से अगले आवेशों तक, उसी कार्यालय में सहायक निदेशक्त, ग्रेड-। (प्रचार) (अंग्रेजी) पद पर नियुक्त करते हैं।

सी. सी. राय उप निद्देशक (प्रशाः)

पूर्ति तथा निपटान महानिशालय

(प्रकासन अनुभाग-।)

नई दिल्ली, विनांक 26 सितम्बर 1981

सं. ५-1/1(1160)——महानिदशक पूर्ति तथा निपटान एत-द्द्वारा संघ लोक संधा आयोग द्वारा चुने जाने पर श्री बृजेन्द्र सिंह भीना को दिनांक 31-8-1981 के अपराह्न से पूर्ति तथा निपटान निदशक कलकत्ता के कार्यालय में सहायक निदशक (मृकदमा) (ग्रेड-।।) के रूप में पूर्णतः अस्थाई रूप मे अस्थाई रिक्ति के मबुद नियुक्त करते हो।

सं प्र 1/1(1181) महानिद्रशेक, पूर्ति तथा निफ्टान एतद्-द्वारा निद्रशेक पूर्ति तथा निफ्टान, कलकत्ता के कार्यालय में अधीक्षक श्री जे. पी. दास को दिनांक 5-9-81 के पूर्वाह्न से उसी कार्यालय में श्री बी. के. दाना के अवकाश पर जाने के कारण हुई रिक्ति में सहायक निद्रशेक (प्रशासन) ग्रेड-।) के पद पर पूर्णत: तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

> ्षसः एलः कपूर उप निवक्षिक (प्रशाः) **कृते महानिवक्षिक**, पूर्ति तथा निपटान

इस्पात और खान मंत्रालय

(खान विभाग)

भारतीय भवैज्ञानिक सर्वोक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक

1981

- मं. 5804 बीं/ए-19012(2-ए के सी)/81-19बी.--भारतीय भूचेज्ञानिक संबंधिण के वरिष्ठ तकनीकी सहायक (भूभौतिकी) श्री अधिष कुमार षष्ट्योपाध्याय को सहायक भूभौतिकीविद के रूप में भारतीय भूषेज्ञानिक सर्वेधिण में बेतन
 नियमानुसान 650-30-740-35-810-द रो.-35-88040-1000-द रो.-40-1200 रु. के वेतनमान में, स्थानापन्न क्षमता में आगामी आदोश होने तक 7-7-81 के पूर्वाह्न से
 पदोन्नित पर नियुक्त किया जा रहा है।

दिनांक 21 सितम्बर 1981

सं. 5853 बी/ए-19012 (आर्टिस्ट-पी बी एम)/81-19ए--भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वोक्षण के वरिष्ठ तकनीकी सहा-यक (डी.) श्री पृल्लिन बिहारी मिल्लिक को ऑर्टिस्ट के रूप में उसी विभाग में वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द. रो.-35-880-40-1000-द. रो.-40-1200 रु. के वेतनमान में, स्थानापन्न क्षमता में, आगामी आवेश होने तक 27 जुलाई, 1981 के पूर्वाह्न से नियुक्त किया जा रहा ही।

- सं. 5883बी/ए-32014 (1-सहायक भूवैज्ञानिक)/80-19 ए--भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वोक्षण के वरिष्ठ तकनीकी सहायक (भूविज्ञान) श्री सतीश चन्द्र श्रीवास्तव को सहायक भूवैज्ञानिक के रूप में उसी विभाग में वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-व. रो.-35-880-40-1000-व. रो.-40-1200 रु. के वेतनमान में, स्थानापन्न क्षमता में, आगाभी आदेश होने तक 29 जुलाई, 1981 के पूर्वाह्न से प्दोन्नित पर नियक्त किया जा रहा हो।
- सं. 5895बी/ए-19012 (1-आई जी)/80-19ए--कामारी इभा घोस को सहायक भूवैज्ञानिक के रूप मो भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण मो 650 रु. प्रतिमाह को प्रारंभिक घेतन पर 650-30-740-35-810-दं रो.-35-880-40-1000-दं रो.-40-1200 रु. के बेतनमान मो, स्थानापन्न धामता मो, 19 मई, 1981 के पूर्वाह्न सं नियुक्त किया जा रहा है।

वी. एस. कृष्णस्थामी महानिद्देशक

भारतीय लान ब्यूरो

नागपुर, दिनांक 22 सितम्बर 1981

सं. ए-19012(148)/81-स्थाः ए. — विभागीय पद्मोन्ति सिमिति की सिफारिश पर श्री ए. जी. मूलगृंद, स्थायी अधीक्षक की स्थानाण्न रूप में सहायक प्रशासनिक अधिकारी के पद पर भारतीय खान क्यूरों में 31-8-1981 के पूर्वाह्न में पदोन्नित की गई है।

दिनांक 25 मितम्बर 1981

मं. ए-19011(299)/81-स्था. ए. — राष्ट्रपति, श्री ए. एम. के. व्ही. एम. प्रकासाराव वर्ग। अधिकारी भारतीय सांष्ट्रिय-कीय सेवा तथा संयुक्त निद्देशक, केन्द्रीय सांस्थ्रिकीय संगठन, सांस्थ्रिकी विभाग, नई दिल्ली, को दिनांक 27 अगस्त, 1981 के पूर्वात्म्न से प्रतिनियुक्ति पर भारतीय सान ब्यूरी में मुख्य सनिज सांस्थ्यिकी के संवर्गबाह्य पद पर प्रारंभ में एक साल की अविध के लिये तदर्थ आधार पर सहर्ष नियुक्ति प्रदान करने हैं।

एस. वी. अली कार्यालय अध्यक्ष, भारतीय खान ब्यूरों

विज्ञापन और दश्य प्रचार निद्देशालय

नर्द दिल्ली, दिनांक 23 सितम्बर 1981

सं. ए-31014/1/80-स्था. — विज्ञापन और दृश्य प्रचार निविश्वक, श्री एसं. एल. सीम, स्थानापन्न सहायक उत्पाहन प्रबन्धक (वाह्य प्रचार) को 11 सितम्बर, 1981 से इसी पद पर स्थायी रूप से नियुक्त करते हैं।

> जनकराज लिखी उप निदोधक (प्रशासन) **कृते** विकापन और दृश्य प्रचार निदोशक

पत्र सचना कार्यालय

नई दिल्ली-1, दिनांक 8 सितम्बर 1981

सः ए -12026/3/81-स्थापना—प्रधान सूचना अधिकारी ने एतव्द्यारा सूचना और प्रधारण मंत्रालय के केन्द्रीय सचिवालय सेवा सवर्ग के सहायक श्री आर. एन. दत्ता, जो दूरदर्शन महानिदिशालय में कार्यरत थं, का पत्र सूचना कार्यालय के कालकत्ता कारालय में प्रशासनिक अधिकारी के रूप में दिनांक 22 अगम्त, 1981 के पूर्वाहन से अगले आदांश तक के लिए नियुक्त करते हैं।

म्दन मोहन कर्मा सहायक प्रधान सूचना अधिकारी कृते प्रधान सूचना अधिकारी

स्वास्थ्यः संया महानिदंशालय

नद्य विल्ली, दिनाक 23 सितम्बर 1981

मं. ए-12023/2/80-प्रशासन-।—स्वाम्थ्य सेवा महानिदे-शक ने कुमारी सी. डी. शर्मा को 1 सितम्बर, 1981 के पूर्वी-ह्न से आगामी आवेशो तक लेडी रीडिंग हैल्थ स्कूल दिल्ली में अधीक्षक के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है।

> शाम लाल क्ठियाला उप निवंशक प्रसाशन

ग्रामीण पुनर्निर्माण मंत्रालय विष्णन एवं निरीक्षण निदोशालय

फारीदाबाद, दिनाक 18 सितम्बर 1981

स ए -19025/45/81-प्र.त्.—सघ लोक सेवा आयोग की सस्तुतियों के अनुसार श्रीमती प्रेमवती चौहान को इस निवंशा-लय के अधीन नर्झ विल्ली में 29-8-81 (पूर्वाह्न) से अगले आदोह होने तक स्थानापन्न सहायक विषणन अधिकारी (वर्ग 1) के रूप मा नियुक्त किया गया है।

विनाक 1.9 सितम्बर 1981

- मं. ए. 19025/27/81-प्र.त.—संघ लोक सेवा आयोग की सस्तुतियों के अनुसार कुमारी विभा वाधावन को इस निवंशा-लय के अधीन नर्ष दिल्ली में 29-8-1981 (पूर्वाह्न) से अगले आवेश होने तक स्थानापन्न सहायक विपणन अधिकारी (वर्ग 1) के रूप में नियुक्त किया गया है।
- सं ए. 19025/44/81-प्र.त्.-।—संघ लोक सेवा आयोग की संस्तुतियों के अनुसार श्री रमेश ितवारी को इस निद्धालय के अधीन नागपुर में 1-9-1981 (पृष्ठीह्न) से अगले आदिश होने तक स्थानापन्न सहायक विपणन अधिकारी (धर्म 3) के रूप में नियुक्त किया गया है।
- सं ए. 19025/46/81-प्रतृ ——विभागीय पदोन्नति समिति (वर्ग स) की संस्तृतियों के अनुसार श्री आर. के वर्मा, वरिष्ठ निर्मक्षिक (वर्ग 3) को इस निद्धालय के अधीन नई दिल्ली में 29-8-1981 (पूर्वाह्न) से नियमित आधार पर अगले आदोश होने तक स्थानापन्न, महायक विपणन अधिकारी (वर्ग 3) के ख्य में नियुक्त किया गया है।

बी. एल. मनिहार निद्शिक प्रशासन कृते कृषि विषणन सलाहकार

परमाण कर्जा विभाग

विद्यत परियोजना इजीनियरी प्रभाग

बम्बर्ध-5, दिनांक 18 सितम्बर 1981

- स. पी पी ई डी/4 (357)/71-प्रशासन/13423—भाभा परमाण अनुसंधान केन्द्र के स्थाई उच्च श्रेणी लिपिक तथा इस प्रभाग के स्थानपन्न सहायक लेखा अधिकारी श्री बी. डी. टावें ने अपना तबादला काय तथा भंडार निवंशालय के काटा क्षेत्रीय लेखा यूनिट में हो जाने पर, 3 सितम्बर, 1981 के अपराहन में इस प्रभाग में अपने पद का कार्यभार छोड़ दिया।
- स पी पी ह डी/4 (785)/79-प्रशासन/13425---भाभा परमाण् अन्संभान केन्द्र के स्थाई उच्च श्रेणी लिपिक तथा इस विभाग के स्थानापन्न सहायक कार्मिक अधिकारी श्री के. शंकरनं क्ट्टी ने अपना तबादला संपदा प्रबन्ध निदेशालय, परमाण् ऊर्जा विभाग, बम्बई में हो जाने पर, 16 सितम्बर, 1981 के पुर्वाहन में इस प्रभाग में अपने पद का कार्यभार छोड़ विया।

बी वी थट्टे प्रशासनिक अधिकारी

नरौरा परमाण् विद्युत परियोजना

नैरोरा, दिनांक 23 सितम्बर 1981

सं. न प. वि प./प्रशा/26(1)/81/एस/11331— नरौरा परमाण् विद्युत परियोजना के मृष्य परियोजना अभियन्ता, श्री एस एस. कालरा, स्थानापन्न सब आफीसर को रु. 650-30-740-35-880-द. रो -40-960/- के वेतनसान में दिनांक 4 मई, 1981 से 6 जून, 1981 तक श्री हरबंस लाल स्टोशन अधिकारी की अवकाश अविध मो, तदर्थ आधार पर, स्थानापन्न रूप मो, नरौरा परमाण् विद्युत परियोजना में, स्टोशन अधिकारी, के पद पर नियक्त करते हैं।

> आर.को. बाली प्रशासन अधिकारी-।।।

(परमाण खनिज प्रभाग)

है दराबाद-500016, दिनांक 23 सितम्बर 1981

सं. प स.प.-2/3259/81-प्रशासन—श्री सत्य नारायण टाक व्वारा परमाणु ऊर्जा विभाग के परमाणु सनिज प्रभाग में वैज्ञानिक अधिकारी/एस बी. के अस्थायी पद से दिया गया त्यागपत्र परमाणु सनिज प्रभाग के निवेशक व्यारा 12-5-1981 के पूर्वाह्न से स्वीकार कर लिया गया है।

दिनांक 24 सितम्बर 1981

सं. प. ख. प्र.-2/3134/81-प्रशासन—-इस कार्यालय की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 5-9-81 के अधिक्रमण में श्री बी. के महापात्रा द्वारा परमाण उन्जी विभाग के परमाण खिनज प्रभाग में बैज्ञानिक अधिकारी/एस. बी. के अस्थायी पद

से दिया गया त्यागपत्र परमाणू खनिज प्रभाग के निद्देशक द्वारा 22-8-1981 के अपराह्न से स्वीकार कर लिया गया है।

> एम् एसः राव वरिष्ठ प्रशासन एवं लेखा अधिकारी

अंतरिक्ष विभाग भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन मृख्यालय

- ्र बंगलौर-560009, दिनांक 10 सितम्बर 1981
- सं. मुख्याः प्रशा /12.25— भारतीय अन्तरिक्ष अनुसंधान संगठन मे सहायक प्रशासन अधिकारियों के वेसनमान मे संशोधन

के परिणामस्वरूप, अन्तरिक्ष विभाग के इसरों मुख्यालय में भारतीय अन्तरिक्ष अनुसंधान संगठन के वैशानिक संचिव रु. 550-900 के वेतनमान में सहायक प्रशासन अधिकारी क्मारी के. इन्दिरा दोवी को रु. 650-30-740-35-880-द्र. रो.-40-960/- के वेतनमान में सहायक प्रशासन अधिकारी के पद पर दिनांक 1 अनवरी, 1980 से नियुक्त करते हैं।

एन. वी. जी. वारियर प्रशासन अधिकारी

महानिवेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 24 सितम्बर 1981

सं० ए० 33013/1/81—ई० सी०—नागर विमानन विभाग के वैमानिक संचार संगठन के निम्नलिखित श्रिधिकारियों ने उनके नाम के सामने दिये गये स्टशनों से निवर्तन श्रायु प्राप्त कर छेने के फलस्यरूप सरकारी सेवा से निवृत्त होने पर दिनांक 31—8—81 (श्रपराह्म) से श्रपने पद का कार्यभार त्यांग दिया :---

ऋ० सं०

नाम भ्रौर पदनाम

तैनाती का स्टेशन

सर्वश्री

- 1. जे० एल० सूरी, तकनीकी मधिकारी
- 2. एस० पी० सिंहा, सहायक संचार श्रधिकारी
- 3. भ्रार० के० गुन्ता, सहायक संचार भ्रधिकारी
- 4. के० एस० चोपड़ा, सहायक संचार श्रधिकारी

वै० सं० स्टेशन, सफदर जंग एयरपोर्ट, नई दिल्ली।
वै० सं० स्टेशन, सफदरअंग एयरपोर्ट, नई दिल्ली।
वै० सं० स्टेशन, सफदर जंग एयरपोर्ट, नई दिल्ली।
महानिदेशक नागर विमानन (मुख्यालय), नई दिल्ली!
प्रेम चन्द

सहायक निदेशक प्रशासन

विदश संचार सेवा

बम्बर्ड, दिनांक 19 सितम्बर 1981

सं. 1/43/81-स्था .— निविश संचार सेवा के महागिन्दोशक एतद्द्वारा मुख्य कार्यालय के परियात लेखाकार, श्री एम . जी . जोशी को 13 फरवरी, 1981 के पूर्वाह्न से और आगामी आदेशों तक उसी कार्यालय में तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से परियात लेखा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

दिनांक 23 सितम्बर 1981

सं. 1/216/81-स्था — मूख्य कार्यालय, वम्बई के उप परियात प्रबन्धक, श्री सम्पी हबर्ट निवर्तन की आयु के हो जाने पर 31 अगस्त, 1980 के अपराह्न से सेवा निवृत्त हो गए। एच. एच. मलहोशा उप निवेशक (प्रशा.)

बम्बर्द, विनांक 24 सितम्बर 1981

- सं. 1/34/81-स्था -- विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद्द्वारा नई दिल्ली शाखा के वरिष्ठ फौरमैन श्री आर. आय. मलीक को 12-6-1981 के पूर्वाह्न से आगामी आवेशों तक मझास शाखा में स्थानापन्न रूप से मुख्य यांत्रिक नियुक्त करते हैं।
- सं. 1/28/81-स्था. विदोध संचार सेवा के महानिदोधक एतक्क्वारा कलकत्ता भाषा के तकनीकी सहायक श्री बी. के.

मण्डल को 4-5-81 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशो तक उसी शाला में स्थानापन्न कूष्य से सहायक अभियंता नियुक्त करते हैं।

> पी. के. जी. नायर निद्देशक (प्रशा.) कृते महानिद्देशक

समाहर्ता केन्द्रीय उत्पाद शुल्क

नागपूर, दिनांक 19 सितम्बर 1981

सं 10/81— इस समाहर्ता क्षेत्र के केन्द्रीय उत्पाद श्र्ल्क प्रभाग, चन्द्रपूर (वर्तमान नागपुर से कार्यान्वित) के प्रभागीय अधिकारी श्री क्ही वाय देशकर ने सेवा निवृत्ति की आयु प्राप्त करने पर दिनांक 31 अगस्त, 1981 के अपराह्न से सेवा निवृत्त हो गये हैं।

हस्ताक्षर/-के. संकरारामन कलेक्टर

निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा निर्देशालय सीमा एवं केन्द्रीय उत्पादन श्लक नर्द्र दिल्ली, दिनांक 24 सितम्बर 1981

सं. 12/81--श्री ए. के. डोराश्री, ने जो पहले केन्द्रीय अत्पाद शुल्क एवं सीमा शुल्क बोर्ड, नई दिल्ली मे वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी के पद पर कार्य कर रहे थे, राजस्व विभाग के दिनाक 31-7-1981 के आदोश स 138/81 (फा स ए 12034/28/80-ई सी /एस ओ (पी) द्वारा अपीलीय न्यायाधिकरण, मीमा श्लंक व केन्द्रीय उत्पादन श्लंक एव स्वर्ण नियन्त्रण की दिल्ली स्थित न्यायपीठ में स्थानान्तरण हाने पर दिनांक 1-9-81 (पूर्वाह्न) की, [निरीक्षण एव लेखा परीक्षा निदेशालय सीमा एवं केन्द्रीय उत्पादन श्लंक, नई दिल्ली में किनष्ठ विभागीय प्रतिनिधि ग्रुप 'क' के पद का कार्यभार सभाल लिया।

सं. 13/81— श्री ए के चटर्जी ने, जो पहले केन्द्रोय उत्पाद शुल्क एव सीमा श्ल्क बोर्ड, नर्दे दिल्ली में विरिष्ठ तकनीकी अधिकारी के पद पर कार्य कर रहे थे, राजस्व विभाग के दिनांक 6-8-1981 के आवश म 147/81 (फा स ए - 22012/78/81-प्रशा -11) व्वारा अपीलीय न्यायाधिकरण, सीमा शुल्क व केन्द्रीय उत्पादन शुल्क एव स्वर्ण नियत्रण की दिल्ली स्थित न्यायपीठ में स्थानान्तरण होने पर दिनाक 1-9-81 (पूर्वाह्न) को, [निरीक्षण एव लेखा परीक्षा निवशालय, सीमा एव केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, नर्द्र दिल्ली में किनिष्ठ] विभागीय प्रतिनिधि, ग्रुप ''क'' के पद का कार्यभार सम्भाल निया।

सं 14/81—-श्री जे एम जैन ने, जो पहले केन्द्रीय उत्पादन श्रूंक एवम् सीमा श्रूंक बोर्ड मे वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी के पद पर कार्यरत थे, राजस्य विभाग के दिनाक 6-8-1981 के आदोश स 147/81 (फा स क-22012/78/81-प्रशा.-।) द्वारा अपीलीय न्यायाधिकरण, सीमा श्रूंक एवम् केन्द्रीय उत्पादन श्रूंक और स्वर्ण नियत्रण, की विल्ली स्थित न्यायपीठ में स्थानान्तरण होने पर, दिनांक 1-9-81 (पूर्वाहन) को, [निरीक्षण एव लेखा परीक्षा निद्येशालय, सीमा श्रूंक एव केन्द्रीय उत्पादन श्रूंक, नई दिल्ली में] किनष्ठ विभागीय प्रतिनिधि ग्रुष ''क' के पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

एसः बी सरकार निरीक्षण निदोशक

केन्द्रीय जल आयोग

नई विल्ली-22, दिनांक 21 सितम्बर 81

सं. ए -19012/1(6)/81-स्था -एक—अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग निम्निलिखित विष्ठि व्यावसायिक सहायको (हाइड्रो-भंट) को रु 650-30-740-35-810-द रो 35-880 40-1000-द रो -40-1200 के वेतनमान में, तदर्थ आधार पर, स्थानापन्न क्षमता में, अतिरिक्त सहायक निवंशक (हाइड्रो-भंट) के ग्रेड में, उनके सामने दी गई तारील से 6 महीने की अविधि के लिए या पदों के नियमित आधार पर भरे जाने तक, जो भी पहले हो, नियुक्त करते हैं ——

- (1) श्री एफ सी सिगला--7-8-81 (पूर्वाहन)
- (2) श्री ए के अग्रवाल--11-8-81 (पूर्वाह्न)

के एल भण्डूला अवरसिषक

नई दिल्ली-110022, दिनाक 22 सितम्बर 1981

स ए -19012/413/73-प्रशा पाच—विभागीय पदो-नित समिति (वर्ग-स) को सिफारिश पर अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग श्री एस एम अली, पर्यवेक्षक की पदोन्ति पर उनको रु 650-30-740 - 35-810-द रो -35 - 880 - 40 -1000- द रो -40-1200 के वेतनमान में अतिरिक्त सहा-यक निदाशक/सहायक हजीनियर के ग्रेड में 26 जून, 1981 की पूर्वीहन से अगले आदेश होने तक स्थानापन्न क्षमता में निय-मित आधार पर नियुक्त करते हैं।

2 श्री एस एम अली उपर्याक्त तारीस से दो वर्ष की अविध के लिए अतिरिक्त सहायक निदाशक/सहायक इंजीनियर के ग्रेड मे परीवीक्षा पर रहेंगे।

ए भट्टाचार्य अवर सचिव कोन्द्रीय जल आयोग

नौवहन और परिवहन मत्रालय नौवहन महानिदोशालय

बम्बई-400001, विनाक 22 सितम्बर 81

म 6 (।।) सी आर ए/81—-नौधहन महानिद्धाक, बम्बई श्री के के बस, अधीक्षक, निद्धाक नाविक नियोजन कार्यालय, कलकत्ता को तारीख 3-8-1981 पूर्वाहन से अगले आदोश तक सहायक निद्धाक, नाविक नियोजन कार्यालय, कलकत्ता के रूप में नियुक्त करते हैं।

भा कृ प्रवार नौवहन उपमहानिद्येशक नृते नौवहन महानिद्येशक

विधि, न्याय एव कम्पनी कार्य मंत्रालय (कम्पनी कार्य विभाग) कम्पनी ला बोर्ड कम्पनियो के रिजस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मेसर्स साउथ गुजरात टेन्डल बुदर्स शिपिण डोवलपमेन्ट कम्पनी प्रार्श्वटे लिमिटोड के विषय में।

अहमदाबाद्, दिनाक 26 अगस्त 81

सं /560/1694— कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उप-धारा (5) के अनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि, मेसर्स साउथ गुजरात टेन्डल ब्रुवर्स-शिपिंग डेवलप-मेन्ट कम्पनी प्राईविट लिसिटेड का नाम आज रिजस्टर से काट दिया गया है और उदत कम्पनी विघटित हो गयी है।

कम्पनी अधिनियम, 156 और मेसर्स आनंद पोसेर्स एन्ड स्क्रीन प्रीन्दर्स प्राईवेट लिमिटोड के विषय में।

अहमदाबाद, दिनाक 26 अगस्त 81

म /560/1721—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उप-धारा (3) के अनुसरण में एसव्व्वारा यह सूचना दो जाती है कि, इस तारीख में तीन मास के अवसान पर में सर्व आनव प्रोमेर्स एन्ड स्कीन प्रीन्टर्स प्राइवेट लिमिटोड का नाम इसके प्रतिकृल कारण दर्शित न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विधटित कर दी जाएगी।

कष्मनी अधिनियम, 1956 और मेसर्स गुजरात आफसेट वर्कास प्राइविट लिमिटोड के विषय में।

अहमदाबाद, दिरांक 26 अगस्त 1981

सं./560/2420—कम्पनी अधिनयम, 1956 की धारा 560 की उप-धारा (5) के अनुसरण में एतद्व्वारा सूचना दी जाती है कि, मेसर्म गुजरात ओफसेट वर्कस प्राइंघेट लिमिटेड का नाम आज रिजस्टर से काट विया गया है और उक्त कम्पनी क्षिपित हो गयी है।

वी. वार्ड. राणे सहायकः प्रमंडल पंजीयक, गुजरातः राज्य, अहमदाबाद

कस्पनी अधिनियम 1956-पी गणेशमल प्रा**र्ड**वेट लिमिटेड के विषय में।

हैदराबाद, दिनांक 24 सितम्बर 1981

सं. 689 (560)——कम्मनी अधिनियम कीधारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस सारीस से तीन माह के अवसान पर पी गणेशमल प्राईविट लिमिटेड का नाम इस के प्रतिकृत कारण दर्शित न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 टी.जी.एल. स्पीनिंग एन्ड वीविंग मिल्स लिमिटोड के विषय में।

हैयराबाव, दिनांक 24 सितम्बर 1981

ैसं.. 1126 (569)——कम्पनी अधिनियम की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतब्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन माह के अवसान पर टी. जी. एल. स्पीनिंग एन्ड वीविंग मिल्स लिमिटेंड का नाम इस के प्रतिकृत कारण दिश्ति न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएंगा और उक्त कम्पनी विषटित कर दी जाएंगी।

कम्पनी अधिनियम 1956-आशा इनवैस्टमेंट कम्पनी प्राइबिट लिमिटोड के विषय में।

हैदराबाद, दिनांक 24 सिसम्बर 1981

सं 1258 (560)——कम्पनी अधिनियम की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन माह के अवसान पर आशा इनवैस्टमेंट कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम इस के प्रतिकृत कारण दर्शित न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विषटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम 1956-राबको बोर्डिस प्राइविट निमिटोड के विषय में।

हैवराक्षाव, दिनांक 24 सितम्बर 1981

सं. 1583 (560)—-कम्पनी अधिरियम की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसार में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है

कि इस सारीस से तीन माह के अवसान पर राजको बोर्ड स प्राई-वेट लिमिटेंड का नाम इस के प्रतिकृत कारण दर्शित न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया आएगा और उक्त कम्पनी विघ-टित कर दी जाएगी।

हम्पनी अधिनियम 1956 जय किसान काटन मिल्स प्राइदेट लिमिटोड के विषय में।

ह, बराबाद, दिनांक 24 सितम्बर 1981

सं. 1845(560)—कम्पनी अधिनियम की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसार में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख सं तीन माह के अवसान पर जय किसान काटन मिल्स प्राईविट लिमिटेड का नाम इस के प्रतिकृत कारण दर्शित न किया गया तो रिजस्टर में काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विचटित कर दी जाएगी।

वि. एस. राजू, कम्पनियों का रजिस्ट्रार आन्ध्रप्रदोश, हौदराबाद

कम्पनी अधिनयम, 1356 और स्स्टिम कनस्लर्टेटस प्राइवेट लिमिटोड के विषय में।

नर्इ दिल्ली, दिनांक 26 सितम्बर 1981

सं. 6848—क स्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उप भारा (3) के अनुसरण में एतद द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारील में तीन मास के अवसान पर सिस्टम क नस्लट ट्रेस प्राईचेट लिमिट डे का नाम इसके प्रतिकृत कारण विर्णित न किया गया तो रिजस्टर से काट विया जायेगा और उक्त कस्पनी विषटित कर दी जायेगी।

जी. बी. सक्सेना सहायक कम्पनी रजिस्ट्रार, विल्ली एवं हरियाणा

आयकर आयुक्त का कार्यालय : परिचम बंगाल-1

कलकत्ता, दिनांक 19 अगस्त 1981

आदोश' संख्या-361

सं. नं. 2ई/28/75-76---शीमती आशालता वास (अ. जा.), आयकर निरीक्षक को, कार्यभार ग्रहण की तारीस सं अगले आवेश होने तक, रु. 650-30-740-35-810-द रो.-35-810-40-1000-द रो.-40-1200/- के घेतनमान में आयकर अधिकारी वर्ग-सं (क्लास-।।) में स्थानायन्त रूप में प्योन्ति किया जाता है।

नियुक्ति बिलक ल अस्थायी और अन्त.कालीन आधार पर की गई है और उन्हें उस स्थान पर तने रहने अथवा अन्य उन्निति की तुलना में विरिष्ठता का दावा करने का अधिकार प्रवान नहीं करता। नियुक्ति को किमी भी समय लत्म किया जा सकता है। यदि साली जगहों की समीक्षा करने के बार यह पाया गया कि पदोन्निति के लिये रसी गयी नियुक्तियां साली उगहों से अधिक है अथवा उनके प्रतिस्थापना के लिये प्रत्यक्ष नियोजित व्यक्ति सुलभ होने पर उन्हें प्रावर्तन किया जा सकता है। उन्हें प्रिचम बंगाल के किमी भी जगह किमी भी समय स्थानान्तरित किया जा सकता है।

11. आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 124 (1963 का 43) व्वारा प्रदत्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए में निद्येश देता हु कि श्रीमती आशालता वास, आयकर अधिकारी, वर्ग-स (क्लास-11) के रूप में नियुक्त होने पर, आयकर अधिकारी के सभी कर्तव्यों का पालन एमें व्यक्तियों या व्यक्तियों के वर्गी या एसी आय या आय के वर्गी या एमें क्षेत्रों पर करोंगे जैसा उन्हें समय-समय पर विनिर्विष्ट किया जायेगा।

।।।. आयकर अधिकारी (वर्ग-स) (क्लास-।।) की पदा-न्नित पर श्रीमती आधालता दास को, श्री गुरुपव पंडित-स्थानान- तरित की अगह पर, आ. अ. के. सू. व्यू.-2 कलकत्ता के रूप में तैनात किया जाता है।

111क. इस कार्यालय के आदेश संख्या-320/एफ. नं. 2ई/5/81-82 तारील 7-8-1981 के कम संख्या 81 की रदद किया जाता है जो श्री यू. एस. साहा को उनके अपने काम के अतिरिक्त आ. अ. के. सू. ब्यू.-2, कलकत्ता के रूप में तैनाती के जारे में थी।

के. जी नायर आयकर आयुक्त, परिचम बंगाल-1 कलकत्ता प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

अग्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की रा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 23 सितम्बर 1981

निर्दोश सं. आर्ह. एे. सी. (अर्जन)---अतः म्भे, विजय माथ्र,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पद्मात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख़ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

और जिसकी मं. भूमि है तथा जो जादरनकलान में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन्सची में और पूर्ण के रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ग्वालियर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 9-1-1981

को पूर्वोक्त सम्परित के उपित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से, एसे द्रियमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण में हाई किसी आय की बाबन, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तर्क के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क्ष) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह³ भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनूसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- मङलिया परमार्थ कोष, बिरला नगर व्वारा श्री बी. डी. डालिमया स्प्त एम. एल. डालिमया। (अन्तरक)
- 2. मोरर इन्क्लेव कोआपरोटिव हाउसिंग सोसायटी, मर्या., 5-बी उषा, कालोनी लक्ष्कर, ग्वालियर (अंन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कर सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस-सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन को अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवांकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- अव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि परिवर्तित रकबा—–308926 वर्ग फीट जो ग्राम जादरनाकलान (गीले का मन्दीर) ग्वालियर में स्थित है।

> विजय माथुर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रॉज, भोपाल

ता्रीस : 23-9-1981

प्ररूप भाई॰ टी॰ एत॰ एस॰----

म्मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ(1) के मधीन सूचना मारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण) अर्जन रॉज, भोपाल

भोपाल, दिनाक 23 सितम्बर 1981

निवर्षां स आर्षः ए सी. (अर्जन) -- अत मुक्ते, विजय माथ्र,

प्रायंकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्जात् 'उक्त प्रधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ख के अयो राजम प्रधिकारी की यह विश्वात करने का कारण है कि स्यावर सम्मत्ति जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- रुपये से प्रधिक है

और जिसकी स जमीन है तथा जो कस्या द वास में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय देवास में रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 30-1-1981

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए झन्तरित की गई है भीर मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि अधापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिक्रत से अधिक है और भन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के क्षीच ऐस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य सं उका अन्तरण लिखिन में वास्तविक रूप से कथिन नहीं किया गया है।—

- (क) प्रस्तरण से हुई किसो आय की बाबत, उक्त श्रीधन नियम के अधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व में कमी करने या उनसे बचने में सुविधा के लिए; धीर/या
 - (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आयु-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रियाने में सुविधा के लिए।

भतः भव, उक्त भन्निनियम की धारा 269-ग के भनुसरण में; में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के भन्नीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् !--- श्री बसीधर पिता हनुमान क्मार, 30-शान्तीप्रा, देवास।

(अन्तरक)

2. त्रिभूति कोल्ड स्टोरेज प्रा. लि., 36-कन्चन बाग, इन्दौर।

(अन्सरिती)

कों यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उन्त सम्यत्ति के प्रजंत के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की. तारीख से 5 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीख से 30 दिन की धविधि, जो भी धविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पव्यक्षितरणः ----इसने प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उकत भिध-रिनम के अक्साय 20-क ने परिमाधित हैं, वही अर्थ होता, तो उप ग्रवसान में दिया गया है ।

अनुसूची

जमीन कस्वा व वास की 3.555 है कटर।

विजय माथ्र सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रजे, भोपाल

तारीख 23-9-1981 मोहर:

प्ररूप मार्च. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 को 43) की भारा 269-भ(1) के सधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, भोपाल

भोपाल, विनांक 19 सितम्बर 1981

निदोश सं. आर्ड. ए. सी. (अर्जन)——अतः स्फे, विजय माधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पृश्वात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/रा. से अधिक है

और जिसकी सं 14 एकड़ है, तथा जो बाहप्र, ब्रह्मनप्र में स्थित है (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ब्रह्मनप्र में, भारतीय रिजस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 9-1-1981

को पूर्वीक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुन्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का अन्तरह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नितिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त जिथानियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिपान में सुविधा के लिए;

अतः अब, अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निसिस व्यक्तियों, अर्थात्:—

(i) श्री रवनाथ पुत्र शंकर माली, नि. रामजीप्रा, स. रावरे, जिला जलगांव, महाराष्ट्र।

(बन्तरक)

(2) श्री श्रावण वल्द मोतीराम महाजन, नि. बाघोड, त. रावर, जिला जलगांव, महाराष्ट्र, (1) श्री रामदास वर्ष्य सोनजी महाजन, निवासी बंमाडा, स. बूरहानपूर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करों 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरों के पाम सिंचित में किए जा सकेंगे।

स्थव्यक्तिरण:-इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन 14 एकड़, ग्राम शाहप्र में क्ञां और वृक्षों के साथ।

विजय माथूर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, भोपाल

तारीब : 19-9-1981

मोहरः

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर बायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 23 सितम्बर 1981

निदंश स. आर्ह. ए. सी. (এজন)——अत. मुफो, विजय माथ्र,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पति, जिस्का उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी स म प्लाह में . 94 पर है, तथा जो श्रीनगर कालोनी, इन्दौर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908

का 16) के अधीन, दिनांक 6-1-1981

को पूर्वोक्त संपर्तित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल को पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्ष्म कि निम्निलिखत उव्यक्तिय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की वाबत , उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी कुरने या उससे बुक्तें में सुविधा के लिए; बुद्धिया
- (क) एसी किसी आय या किसी अनु या अन्य कारितयाँ को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था जिपाने में सुविधा के तिए।

कतः अव, उक्त अपिनियम की धारा 269-ग को, बनुसरण में, में, उक्त अपिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन निम्नलि<u>ष्</u>ति व्यक्तियों व्यक्तिः—

- (1) श्री गगा प्रसाद प्त्र लल्लू प्रसाद ठाक्र्, नि. 94 श्रीनगर कालोनी, इन्दौर, (सजराना)।
 - (अन्सरक)
- (2) (1) श्री हकीम टीकाराम प्त्र हरपत सिंह, (2) श्रीमती अवन्तीबार्ड पत्ति हकीम टीकाराम, (3) श्री दिलीप सिंह प्त्र टीकाराम, नि . 55 बांडा सराफा, इन्दौर।

(बन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपरित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुई।।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्र--

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तार्रींच से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वींक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्तियु व्याराष्ट्र
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित्बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे यथापरि-भाषित हैं, वहीं अर्थु होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

मकान प्लाट नं . 94, श्रीनगर कालोनी, इन्दारे।

विजय माथ्र सक्षम प्राधिकारी स**हायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)** अर्जन र**ं**ज, भोपाल

तारीख : 23-9-1981

प्रसप आई० टी० एन० एस०--

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

भार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 19 सितम्बर 1981

निदोश सं. आर्दः ए. मी. (अर्जन)——अतः म्भो, विजय माथर,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विरवास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाबार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं भूमि है, तथा जो जैनावाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजन्द्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, ब्रह्मनपूर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस 21-1-1981

को पूर्वोक्त सपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यभान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुभे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिक्कल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया, गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रिमिनयम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या प्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

म्रतः भ्रम, उक्त भ्रधिनियम की भारा 269-च के अनुसरण मे, में, उक्त भ्रधिनियम की घारा 269-च की उपघारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री रतीलाल बल्द गोरधन दास, ग्जराती मोड, नि. कारज बाजार, ब्रहानपुर। (अन्सरक)
- (2) (1) श्री गोपाल वल्ब ब्धा प्रजापित, (2) श्री मंगल वल्द चिन्धू, नि. जैनावाद, ब्रहानप्र।

का यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा स्कोंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

and T

भूमि ग्राम जैनावाद, क्युआं व खड़ी फसल तः ब्रहानपूर में स्थित है। रकबा 5.95 एकड।

> विजय माथ्र सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, भोपाल

तारीख · 19-9-1981 **मोहर**ः प्रारूप ग्राई० टी० एन० एस०----

आयक्रर ममिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयक र आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 19 सितम्बर 1981

निदर्शि सं. आई. ए. सी./अर्जन/भोपाल/80-81--असः मुभ्ने, विजय माथ्र,

प्रायंकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम, कहा गया है), की धारा .269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं. भूमि है, तथा जो अमागिर्द, बूरहानप्र में स्थित है (और इससे उपावष्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ब्रुग्हानप्र में रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 20-1-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विषयात करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में बास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बार्वत उक्त प्रधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; भ्रौर/या
 - (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य भास्तियों की, जिन्ह भारतीय आयकर श्रिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधनियम, या धन्कर भ्रिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मुनिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण मो, को उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उप्धारा (1) को अधीन निम्निसिखत् व्यक्तियों, जुर्थात् :---

(1) श्री मदनगोपाल पूरसोत्सम दास निवासी प्रतापप्रा, बूरहानपुर, (2) श्री मदनगोपाल पावर आफ एटर्नी श्रीमती मृन्नीबाई एवं 16 अन्य।

(अन्तरक)

(2) श्री रामदास पिता श्री जीवराम चौधरो म . न . 276 राजपुरा, बुरहानपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रों क्त सम्मस्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की भवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्हीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत अधि-नियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं. वही श्रषं होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गण है।

अनुसूची

भूमि 14.43 एकड़ की जो कि विवाल तथा तार से घरी हुई है और अमागिर्द, ब्रह्मनप्र मे स्थित है।

विजय माध्र सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, भोपाल

तारीख: 19-9-1981

प्ररूप अरही, दी, एन्. एस्.,-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयक र आयक्क (निरोक्षण) अर्जन रोज, भोपाल

भोपाल, विनांक 21 मितम्बर 1981

निदों सा आई. ए. सी. (अर्जन)——अतः म्फो, विजय माथर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मस्य

25,000 र. से अधिक हैं
और जिसकी सं. भूमि हैं, तथा जो रतलाम में म्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, रतलाम में रिजस्ट्रीकरण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 24-1-81 को पूर्वोक्त संपर्तित के उपित बाजार मूल्य से कम के व्यवमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उपित बाजार मूल्य, उसके व्ययमान प्रतिफल सें, एसे व्ययमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिवात अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरम से हुइ किसी नाय की बाबत, उक्त बाधीनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बार/या
- (ख) ऐसी किसी आय या. किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त विधिनयम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त विधिनयम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नुलिश्चित व्यक्तियाँ मुर्यात्:— (1) श्री प्रभाकर पुत्र सांडेराव हरदेकर, स्टेशन रोड, रतलाम।

(अन्तरक)

(2) ग्रीन पार्का कोआपरोटिय हाउमिंग मोमायटी लि. इन्दार, शाखा रतलाम।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपित्त के अर्जेन के लिए कार्यवाहियां कृदता हुई।।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींत से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित व्वाराः
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकरो।

स्पव्यक्तिरुण: -- इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हौ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

साता नं. 27 सर्वों नं. 216 की भूमि जो रतलाम में स्थित ही।

> विजय माथ्र सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, भोपाल

तारीख : 21-9-1981

प्ररूप आई.टी.एन.एस.------

थायकर ग्रीविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के ग्राधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण)

अर्जन रीज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 21 सिसम्बर 1981

निवर्षेश सं. आर्द. ए. सी. (अर्जन)——अतः म्भे, विजय माथ्र,

सायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से प्रधिक है

शीर जिसकी सं. भूमि हैं, तथा जो रतलाम में स्थित हैं (और इससे उपांबव्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, रतलाम में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 24-1-81 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान प्रतिष्ठल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित खाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिष्ठल से, ऐसे वृष्यमान प्रतिष्ठल का पण्डह प्रतिशत अधिक है भीर अन्तरित (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिष्ठल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक क्या से कथिन नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त अधि-क्षियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के वाबित्व में अभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (का) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भन्य भाक्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर भिष्ठित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिष्ठित्यम, या धन-कर भिष्ठित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः ग्रब, उक्त भविनियम, की धारा 269-ग के भनुसरण में, मैं, उक्त भविनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अभीन निम्नतिकित व्यक्तियों, मुर्थात् E—— 3—286GI/81

- (1) श्रीमती निलनीबाई पहिन संखारामणी लोखंडी, स्टोशन रोड, र्तलाम। (अन्तरक)
- (2) ग्रीन पार्क को . आपरोटिय हाउसिंग सोसायटी, इन्दौर, शाला रसलाम। (अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के झर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रार्जन के सम्बन्ध में कोई भी धारतेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील के 30 विन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की दारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य क्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्केंगे।

स्पच्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो सक्त श्राप्तिनयम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रयं होगा जो उस शब्दाय में बिया गया है।

वन्स्की

भूमि सर्वे नं 216, खु नं 27 जो रतलाम में स्थित है। रक्षा 1.990 होक्टर।

विजय माथूर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, भोपाल

तारीच : 21-9-1981

महेर:

प्ररूप भार्ड.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1.961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयक र आयुक्त (निरीक्षण)

वर्जन रंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 21 सितम्बर 1981

निर्देश सं. आर्ड. प्. सी. (अर्जन)—-अतः स्फे, विजय माथूर, आयंकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000 ∕रुत. से अभिक **ह**ै और जिसकी सं. भूमि ही, तथा जो रतलाम में स्थित ही (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, रतलाम में रजिस्ट्रीकरण अधि-<mark>नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारोख 28-1-81</mark> को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मुल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयकी बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्ही भारतीय आय-कर जिथिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना जाहिए भा, कियाने में सविधाके लिए:

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के न्थीन निम्निमिक्त व्यक्तियाँ अथित् :--

- (1) श्री मध्करराव खेडेराव, स्टोशन राडि, रसलाम।
- (2) ग्रीन पार्क को-आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी, मर्या., इन्दौर, शाखा रतलाम।

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वों कल सम्पृत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर प्वॉक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा,
- (स) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवक्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यव्यक्तिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया 🕫 ।

वन्स्ची

भूमि रकवा 15.920 होक्टर, सर्वे नं. 216, ख. नं. 27, जो रतलाम में स्थित है।

> विजय माथ्र सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, भोपाल

तारीख: 21-9-1981

श्रुक्य बाद^{*}.टी.एन्.एस्.------

आयकर अधिमियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

हर्ता च्राकार

कार्याक्य् सहायक वायक र वायुक्त (निरीक्ष्य)

वर्जन रंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 21 सितम्बर 1981

निर्वोष सं. आर्षः, ए. सी. (अर्जन)——अतः मूक्ते, घिजय सथरः

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत बधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उच्चित बाजार सूख्य 25,000 रु. से विश्वक हैं

और जिसकी सं. भीम है, तथा जो रतलाम मं स्थित है (और इससे उपाबव्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, रतलाम में रिजस्ट्रीकरण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, विनाक 24-1-81 को पूर्वोक्त संपर्तित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है जार मुक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-विक रूप से करियत महीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरन से हुई किसी बाब की बाबता अब्बा अधिनियम के अधीन कर वेने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाग या किसी बन या जन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 हैं (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया प्या था या किया जाना खाहिए वा जियाने में सुरित्या के स्पित्

मतः स्व, उक्त विविधिम की भारा 269-म को, वनुसरण में, में, उक्त विभिन्नम की भारा 269-म की उपभारा (1) के सुधीन निस्नुजिहिन्तु व्यक्तियों सुधीन्:—— (1) श्री रोवाशंकर सम्पतलाल शर्मा, स्टोशन रोड, रतलाम।

(अन्तरक)

(2) ग्रीन पार्क को-आपरोटिय सोसायटी मर्या., इन्दौर, भाषा रतलाम।

(अम्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपर्तित के वृर्धन के लिए कार्यवाहियों करता हुई।

उक्त सम्पृतित के वर्षन के बुम्बन्य में कोई भी भारतेप्र ---

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सें
 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 स्वता की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी
 अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे किन्
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन के भीतर अक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विवित में किए जा सकनी।

स्पब्दीकरण:—इसमें प्रयुक्त सब्दों और पवाँ का, जो उक्तु अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया म्या हैं।

अनुसूची

भूमि सर्वो नं. 216, ख. नं. 27, रकवा 1.990 होक्टर जो रतलाम में स्थित है।

> विजय माथुर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयुक्त आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रंज, भोपाल

ता**रीब**: 21-9-1981

प्ररूप बाई० टी० एन० एस०---

कामकर क्षितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के विधीन सूचना

मारत सरकार

कार्याल्य, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, भोपाल

भौपाल, दिनांक 21 सितम्बर 1981

निवर्षेत्र सं. आर्द्रः ए. सी. (अर्जन)—⊸अतः मुभ्ते, विजय

माथुर,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'छक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 259-ख के ग्रधीन सम्मा प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका छचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं. भूमि है, तथा जो रतलाम में स्थित है (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, रतलाम में रिजस्ट्रीकरण मधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 24-1-81 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रति-फल के ज़िए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि सवापूर्वोक्त सम्पत्ति का एजित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिक्रम से ऐसे दृश्यमान प्रतिक्रम का पन्त्रह प्रतिशत मिन्न है भीर अन्तर्क (धन्तरकों) और अन्तरिती (धन्तर्कियों) के बीच ऐसे अन्तर्य (धन्तरकों) और अन्तरिती (धन्तर्कियों) के बीच ऐसे अन्तर्य पन्तरकों अपेर पन्तरिती (धन्तर्कियों) के बीच ऐसे अन्तर्य पन्तरका के लिए तय पामा गया प्रतिक्रल, निम्नलिकिय उद्देश्य से उक्त अन्तरण निक्षित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत एक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उत्तसे बजने में मुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भ्रम्य ग्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय भायकर मिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर मिधिन्यम, 1957 (1957 का 27) में प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिनाने में सुविधा के सिए;

भतः, भव, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रमुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के प्रभीन, निम्नसिक्त व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री कृष्णक मार हरस्वरूप जीहरी, स्टंशन रोड, स्तलाम।
- (अन्तरक)
 (2) ग्रीन पार्क को-आपुरोटिव हाउसिंग सोसायटी, इन्दौर, शासा रतलाम।

(अन्स**िरती**)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उस्त सम्पत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
 की तामील से 30 दिन की धवधि, जो भी धविश
 बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों
 में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में
 हितबद्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, मधीहस्ताक्षरी
 के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उनत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो अस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

भूमि सर्वो नं 216, खं नं 27, रकवा 1.770 होक्टर जो रतलाम में स्थित है।

> विजय माध्र सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (नि<u>र</u>क्षिण) अर्जन र^रज, भोपाल

ता्रीब : 21-9-1981

म्पेहरु 🦠 🕝

प्रकप प्राई० टी० एन० एस०--

व्याथकर ग्रीविनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-व (1) के ग्रावीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्णन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 21 सितम्बर 1981

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी० (ग्रर्जन)—ग्रतः मुझे विजय माथुर

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/-रा. से अधिक हैं।

श्रीर जिसकी सं० भूमि तथा जो रतलाम में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण के रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय रतलाम में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 27-1-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिशत प्रधिक है भौर अन्तरिक (अन्तरिकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरिण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित करें ये उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्रविक रूप से किया वहीं किया वया है :—

- (क) अन्तरूप से हुई किसी नाय की वावत उक्त विध-नियम के नधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने मा उस्से वक्ते में स्विधा के लिए; शेष्ट/वा
- (क) ऐसी किसी आर्य या किसी धन् या अन्य आस्सियों को, प्रिज्ह भारतीय जायकर जिभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- अर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जला चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :—— 1. शितलचन्द कन्हैयालाल स्टेशन रोड रतलाम

(अन्सरक)

 ग्रीन पार्क को-भ्रापरेटिय हाउसिंग सोसायटी इंदौर, शाखा रतलाम ।

(अन्तरिती)

को यह सुचना आरी करके पूर्वीकत सम्पत्ति के भ्रजेंन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पव्हीकरण:-इसमें प्रयुक्त कव्यों और पवों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अवसर्ची

भूमि रक्षा 15.920 हैक्टेयर सर्वे नं० 216, खं० नं० 27 ।

> विजय माथुर, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल ।

तारीख: 21-9-1981

मोहर 🛭

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के मुधीन सूचना

भारत सरकार

काय जिय, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, विनांक 21 सितम्बर 1981

निर्देश सं प्राई०ए०सी० (धर्णन)— ग्रतः मुझे विजय माथुर गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० भूमि तथा जो रतलाम में स्थित है (और इससे . उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रतलाम में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 27-1-1981

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार बूल्य से कम के देश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उजित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसं दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्षल किल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथा नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के बधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे क्वन में सुनिधा के लिये; जीर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपधारा (१) के अभीन निम्निलिचित व्यक्तियाँ व्यक्तिः— 1. श्रीमति केशरबाई सूरजमल रतलाम

(अन्तरक)

2. ग्रीन पार्क कोभ्रापरेदिव हाउसिंग सोसायटी मय**ि इंदौ**र शास्ता रतसाम ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में इत्र- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदो का, जो उक्त वृधिनियम, के मध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा जो उस मध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

भूमि रकबा 15.920 हैक्टेयर सर्वे नं० 216, ख० नं० 27, जो रतलाम में स्थित है।

> विजय मायुर सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज भोपाल,

तारीख : 21-9-1981

प्रकृप आहे. टी. एन. एस.----

भायकर प्रशितियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-भ (1) के भ्राधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, विनांक 21 सितम्बर 1981

्र निर्देश सं० ग्राई० ए० सी० ग्रर्जन भोपाल—ग्रातः मुझे, विजय माथुर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर समात्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,090/- रुपये से प्रधिक है भौर जिसकी सं० भूमि है, तथा जो रतलाम में स्थित है (भौर इससे उपायद अनुसूची में और पूर्ण के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय रतलाम में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राघीन 27-1-1981 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य स कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझी यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का छांचत बाजार मूल्य, उसके धुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिसत प्रधिक है धीर अस्तरक (अस्तरकों) भौर भ्रस्तरिती (अस्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य मे उनत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है।—

- (क) ध्रस्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उपत भ्रधिक नियम के अधीन कर देने के भ्रस्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रीर/या
- (ब) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भाय-कर श्रिष्ठितियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भश्चितियम, या धन-कर श्रिष्ठित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया बया वा या किया जाना चाहिए वा छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः सब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के ध्रनुसरण में, मैं, उक्त ध्रिवियम की घारा 269-भ की उपधारा (1) के के अभीन, विक्विश्वित व्यक्तियों, वृथित्ः— श्री गोपालराव विनक्षर राव, बड्वेलकर न्यू रोड, रतलाम ।

(अन्तर्क)

 ग्रीन पार्क कोम्रोपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी ॄलि० इंदौर शाखा रतलाम ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

छक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति धारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवब किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्यथ्बीकरण :---इसमें प्रयुक्त गब्दों और पदों का, जो उक्त ग्रिव-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही ग्रंथ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्यी

खाता नं० 27 सर्वे नं० 216 की भूमि 1.990 हैक्टर जो रतलाम में स्थित है।

> विजय मायुर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, भोपाल

ता**रीच** : 21-9-1981

मोहर ः

प्रकप बाई• ही• एन० एत•-----

आमक्द समित्रम; 1961 (1961का 43) भारा की 269-व (1) के सभीत सूचना

पारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रजन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 19 सितम्बर 1,981

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/80-81---ग्रतः मुझे, विजय माथुर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 48) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृश्य 25,000/-रु॰ से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० भूमि है तथा जो लाल बाग बुरहानपुर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबक भ्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, बुरहान-पुर मे रजिस्ट्रीरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 2-1-1981

को पूर्वोक्त सम्पति के छिबत बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्धरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि बवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उवित बाजार मूस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रधिशत से अधिक है और अन्तरक (यन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिकों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तय पाया थया प्रतिफल, से निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी खाय की बाबत, उक्त प्रश्चितियम के अधीन कर देने के ग्रन्तरक के वायिक्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बीर/या
- (क) ऐसी किसी भाग या किसी धन या मन्य प्रस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना थाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः जब उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, में, अक्त अधिनियम की घारा 269-च की उपचारा (1) के अधीव निक्निजित व्यक्तियों, अर्थात् !----

- श्री सदानंद बाल चन्द पटेल इतवारा बुरहानपुर । (अन्तरक)
- 2 श्री पटेल कोग्रापरेटिय हाउर्सिंग सोसायटी लिमिटेड बुरहान
 पुर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी आयोप :--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
 45 विन की घर्वांध या तस्तम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 विन की घर्वांध, जो भी
 धर्वांध बाव में समाप्त होती हो, के मीतर पूर्वोंकत
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीज से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितवड किसी यस्य व्यक्ति हारा, घडोइस्तानरी के पास लिजित में किए जा सर्कों।

स्पद्धीकरण ।—इसमें प्रकृषत शब्दी बीर पर्दो का; जो सकत धिवनियम के प्रकाय 20क में परिचाधित हैं; वही सर्व होना, जो उस सन्याय में विमा गमा है।

ननुसूची

भूमि जो कि 4 एकड़ है, भीर लाल बाग बुरहामपुर में स्थित है।

> विजय माथुर सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, भोपाल

सा**रीख**: 19-9-1981

योद्धर:

प्रकृप आई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) कं अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनाक 19 सितम्बर 1981

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल-ग्रतः मुझे, विजय माथुर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सपत्ति, जिसका उपित बाजार मृल्य 25,(00/ रु ग अधिक **ह**ै

श्रौर जिसकी स० भूमि है तथा जो ग्राम बिरोदा, बुरहानपुर मे स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची मे ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिसीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, बुर-हानपुर मे रजिट्टीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रघीन 7-1-1981

को प्योंक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है अगैर मुक्ते यह विदेशास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फास निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए, और/गा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों का, जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधाके लिए,

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण मों में उक्त अधिनियम की धारा 260-ध की उपधार (1) के अधीन निम्ननिस्ति, व्यक्तियों अर्थात --

4 -286GI/81

- श्री रामिकशन पिता खेम चन्द (2) श्रीमित जमना बाई पति श्री रामकिशन निवासी महाजन पथ ब्रहानपुर । (अन्तरक)
- 2 (1) श्री प्रहलाद पिता श्री केणव (2) श्री णाताराम पिता केशव, निवासी बिरोवा, बुरहानपुर ।

(अन्सरिती)

कां यह स्वना पारी करके प्योक्ति सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन की अविभिया सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चनाकी क्षामिल से 30 दिन को अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाकतु व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस स्वना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास् लिखित में किए जा सकोगे।

स्पक्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनसची

भूमि जो कि 3.108 हैक्टर की है, जिसमें कुश्रां मोटर-पम्प भीर पेड सम्मिलित है जो कि गांव बिरोदा, बुरहानपुर मैं स्थित है।

> विजय मायुर, सक्षम प्राध्यकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, भोपाल

तारीख: 19-9-1981

मोहर 🕄

्प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत मरकार

कार्यालय, सहायक आधकर आयक्त (निरीक्षण) ऋर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 23 सितम्बर 1981

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी० (ग्रर्जन)—ग्रतः मुझे, विजय माथुर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-ख के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रु. स अधिक है

स्रीर जिसकी सं० प्लाट व मकान है, तथा जो कटनी में स्थित है स्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता स्रिधकारी के कार्यालय कटनी में रिजस्ट्रीकरण स्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रिधीन 1-1-1981 को पूर्वों कत संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य सं उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जिल्लाम के अभान कर उने के अं रिक क दायित्व में कमी करने या उसमें वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

 (1) मेघराज वल्द चिमनदास (2) शोभराजमल वल्द मेघराजमल (3) रामचन्द्र वल्द मेघराजमल (4) प्रभुदास डा० मेघराजमल (5) धन्नालाल वल्द समनदास (6) बीधामल पुत्र धन्नालाल (7) अर्जुनदास वल्द धन्नालाल विनोबा वार्ड कटनी

(अन्तरक)

 मै० दयाल भ्रोरियन्ट मेल स्पीड ट्रान्सपोर्ट सर्विस म्युनिसि-पल श्राफिस के सामने कटनी ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पर्वोचित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खरें 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीलर पूर्वों कत ज्यों कता में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टोकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिया गया है।

अनुसूची

मकान जो प्लाट ख० नं० 21/1 पर स्थित है स्रौर प्लाट ख० नं० 20 क रकबा 570495 वर्ग गज व मकान 12025 वर्ग गज

विजय माथुर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, भोपाल

तारीख: 23-9-1981

मोहर 🖫

प्ररूप आहूर.टी.एन.एस.-----

धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष(1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल,दिनांक 23 सितम्बर 1981

निर्देश सं० ग्राई० ऐ० सी० (ग्रर्जन)---ग्रत: मुझे, विजय

माथुर प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख ह ख्राीन मञ्जम प्राधिकारो हा, यह त्रिश्वास कर ह का कारण है कि स्थावर सम्पात, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रूपए से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० मकान है, तथा जो कसारीडीह में स्थिट है (ग्रौर इसमे उपाबद्ध ग्रनुपुची मे ग्रौर पूर्ण वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दुर्ग मे रजिस्ट्री-करण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 7-1-1981

को पूर्वोवत सपत्ति कं उ चिंत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल क लिए अन्तरित का गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण काक प्रयापूर्वोक्त सम्माद्ध का उनित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रांतफल स, एस दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रहु प्रतिगत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अनारितियों) ह बाब ऐन अन्तरण के जिए तम पाया गनः प्रतिक । विम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित म वास्तविह छा न हथि। नः नगा रेग रेग

- ् b) ग्रन्तरक में हुई किसो भाष को **बाबत, उक्त अधि-**नियम क अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व मे कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, श्रीर/८१।
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसा धन या अन्य ग्रास्तियो को जिन्हें भारतीय ग्राय-कर ग्रधिनियम 1922 ै(1922 का 11) या उक्त ग्रधिनियम, या ্বল-कर मधिनियम, 1957 (1957 का 27) ्क प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया भया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने न स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में में, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

- 1. श्री काले फाउन्डेशन ट्रस्ट द्वारा श्री विलास पुत्र ग्रानन्द पुरुषोत्तम काले, नागपुर।
- (ग्रन्तरक) 2. (1) श्री लक्ष्मनभाई वल्द दयाभाई पटेल (2) श्रीमित सवाताबेन पत्नि लक्ष्मन भाई (3) मुकेश कुमार वल्द मन्तुभाई पटेल श्रीमति शान्तिबेन पत्नि मन्भाई पटेल दुर्ग ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पुर्वोक्त सम्पति के धार्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख न 45 दिन की ग्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद मे समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पार. लिखित न किए जा सकेंगे।

स्यव्ही करण:-इसमें प्रयुक्त शब्दो और पदो का, जो उक्त अधि-नियम के ग्रध्याय 20-क मे परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उन श्रध्याय मे दिया गया है।

अनुसूची

मकान जो प्लाट न० 2 ख० नं० 958 एंव 959 पर, कसारोडीह दुर्ग में स्थित है। रकबा 4087.6 वर्ग मीटर।

> विजय माथुर, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 23-9-1981

मोहर .

प्ररूप बाई. ट्री. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रैज, नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 9 सितम्बर 1981

निर्देश सं० संदर्भ 3 नि० स म्रा० म्रा०/एक्वीजीशन 1/एस०- म्रार०-3/1-81/318/2124—चूंकि मैं, म्रार० बी० एल० म्रम्रनाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. सं जीधक है

स्रीर जिसकी संख्या 2707/16, ब्लौक 'पी' है एवं जी नई वाला करोल बाग, मे स्थित है (जिसका स्रधिक विस्तृत विवरण संलग्न स्रनुसूची में दिया गया है को पंजीकरण स्रधिनियम 1908 (1908 का 16वां) के स्रधीन पंजीकरण स्रधिनायम के नई दिल्ली स्थित कार्यालय मे दिनांक जनवरी, 1981 को पूर्वाक्त संगीत के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्रत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलाखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बंचने में सृविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

श्री निर्मल चन्दर भटनागर सुपुत्र श्री रामचन्दर भटनागर,
 2707 बैंक स्ट्रीट करोल बाग, नई दिल्ली

(ग्रन्तरक)

2. मैं ० एस० एल० एसोसिएट्स प्रा० लि० निर्देशक श्री सन्त-लाल नागपाल सुपुत्र स्वर्गीय श्री रमीया राम नागपाल, 32/60, पंजाबीबाग, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूवांकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मणित्त में हिस- बद्ध किसी जन्य क्यांकेत द्वारा अकाह ताक्षरों के पास किस्सित में किए जा सकरी।

स्पष्टीकरणः—इसमे प्रयुवत शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क म परिभाषित हैं, वहों अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

2707/16, प्लाट नं० 14/2, श्रौर 15/1, ब्लाक 'पी' नई वाला योजना बैंक स्ट्रीट, करोल बाग, नई दिल्ली।

आर० बी० एल० ग्रग्नवाल, सक्षम प्राधिकारी सहांयक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 1,नई दिल्ली

दिनांक: 9-9-1981

मोहरः

प्ररूप आईं. टी. एन. एस्.-----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयक्तर आय्क्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेज 1 नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 9 सितम्बर 1.981

निर्देश सं० संदभँ 3 सं० नि० स० ग्रा० ग्रा०/एक्वीजीशन 1/ एस०-ग्रार०-3/1-81/326/2146---चूकि मैं, ग्रार०बी०एल० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापर र पान, जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000 र राज्ये अधिक है

श्रौर जिसकी संख्या ए-9/27, है एव जो बसंत बिहार, में स्थित है (जिसका श्रधिक विस्तृत विवरण संलग्न श्रनुसूची में दिया गया है को पजीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16वा) के श्रधीन पंजीकरण श्रधिकारी के नई दिल्ली स्थित कार्यालय

में दिनांक जनवरी 1981

को पूर्णेक्त सणित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त- विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण स हर्इ किसा आय ते निक्र, रा अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन ११ अन्य यास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धृत-कर अधिनियम, या धृत-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सृषिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

- 1. श्री एस० एस० जगीया सुपुत्त स्वर्गीय डा० तुलसी-दास जागीया, ए-92, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली (ग्रन्तरक)
- 2. श्रीमित चन्द्र कला गौर पत्नी श्री जय प्रकाश गौर, बलजीत कुटर, बुलन्दशहर, (यूपी)। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पृत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की तीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मो हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विस्तित मो किए जा सकोंगे।

स्यष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० ए-9/27, बसंत बिहार, नई दिल्ली-57, क्षेत्रफल 1216, वर्गगज।

> श्रार० वी॰ ए ल० श्रग्नवाल सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 1, नई दिल्ली

दिनांक: 9 सितम्बर 1981

प्ररूप आई० टी॰ एन० एस॰---

अभयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

काथ्रिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रोंज नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 9 सितम्बर 1981

निर्देश सं० संदर्भ सं० 3 नि० स० ग्रा० ग्रा०/एक्वाजिशन _1/एस० ग्रार०-3/1-81/393/2157—चूिक मै, ग्रार० बी० एल० ग्रग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- इस अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपित्त जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- ए. सं अधिक है

श्रौर जिसकी संख्या एस-155, है एवं जो ग्रेंटर कैलाश-2, में स्थित है (जिसका ग्रधिक विस्तृत विवरण संलग्न श्रनु- सूची में दिया गया है को गंजोकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16वां) के श्रधीन पंजीकरण श्रधिकारी के नई दिल्लो स्थित कार्यानय में दिनाक जनवरी, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सपत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत स अधिक है आर अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक स्प से किथत बहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयू की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के बिए; और/या
- (अ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नृही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छियाने में स्विधा के लिए;

कत. शब, उक्त निधीनयम, की धारा 269-ग के अनुसरण को, मी, सकत निधीनयम की धारा 269-थ की उपधारा (1) को निधीन निकालिखत व्यक्तियों, निधीत:——

- 1. श्रीमित कमलेश रोनी, जे-62, राजोरी गार्डन, नई दिल्ली (ग्रन्तरक)
- 2. स्वर्गीय कर्नल जे० एस० गुलरीया, डी-360, डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिने की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णांक्त व्यक्तिए से विस्ति जीति न्यारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपित्त में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरो।

स्वष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

क्रम सं

प्रो० नं० एस-155, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली एरीया 299 वर्ग गज।

> श्रार० बी० एल० श्रग्नवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्णन रेंज 1, नई दिस्ली

दिनांक: 9 सितम्बर 1981

प्रका आई० टो॰ एन॰ ग्न॰----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

> भारत सरकार कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, नई दिल्ला-110002

नई दिल्ली दिनांक 9 सितम्बर 1981-110002

निर्देश सं० संदर्भ 3 नि० स० ग्रा० ग्रा०/एक्वीजीशन 1/ एस० ग्रार०-3/147/1-81/2080—चूिक मैं ग्रार० बी० एल० ग्रग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्धास करने का कारण है कि स्थावर नम्मित, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी संख्या ई-129 है एवं जो ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली में स्थित है (जिसका ग्रधिक विस्तृत विवरण संलग्न श्रनुसूची मे दिया गया है) को पंजीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 16वां) के श्रधीन पंजीकरण श्रधिकारी के नई दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक जनवरी, 1981

को पूर्वोक्त मम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिकल के जिए ग्रन्तरित की गई हैं और मुझे यह विश्ताम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्थ, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, एसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल निम्मलिखित उद्दार से उन्त अन्तरण कि निम्ति में दानि निश् इन्प से किथत नहीं किया गया है.--

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम को अधीन कर दोने को अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां कों, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

श्री जगजीत राज विज ग्रौर श्रीमित प्रोमीला विज, पत्नी,
 श्री जे० ग्रार० विज, ग्रार-229, ग्रेटर कैलाश-1,
 नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमित रामो तलवार पत्नी श्री ग्रारं० एन० तलवार, ई-129, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपित्त के अर्जन के लिए कार्य-वाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाखेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सन्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील मे 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्केंगे।

स्पटिकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त ग्रिक्षिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रो॰ नं॰ ई-129, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली ।

स्रार० बी० एल० स्रग्नवाल सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेज-I, नई दिल्ली

दिनांक: 9-9-1981

माहर.

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधितियम, 1961 (1961 का 43) की छारा 269-च (1) के मधीत सुचना

भारत मरकार

कार्यालय, सहायक धायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-I, नई दिल्ली नई दिल्ली-9 सितम्बर 1981

निर्वेण सं० संदर्भ 3 नि० स० श्रा० श्रा०/एक्वीजीशन 1/एस० श्रार०-3/1-81/100/2071—चूंकि मैं, श्रार० बी० एल० श्रग्रवाल,

आयकर अप्रिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके रच्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की छारा 269-ख के अधील सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति विश्वा उत्तित बाजार मृहण 25,000/-क• से अधिक है

भीर जिसकी सं आर-2 है एवं जो नई दिल्ली साउथ एक्सटेंशन-2 में स्थित है, (जिसका श्रिधिक विस्तृत विवरण संलग्न श्रनुसूची में दिया गया है) को पंजीकरण श्रिधितियम, 1908 (1908 का 16वा) के अधीन पंजीकरण श्रिधकारी के नई दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक जनवरी 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृष्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है धीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृष्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पनाह प्रिधात से प्रविक है भीर प्रस्तरक (प्रश्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिक चहुश्य से उचित प्रस्तरण लिखित में वास्तविक कप से कवित नहीं किया गया है कर

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय को बाबत उक्त किन नियम के अधान कर वेने के बन्तरक के दासिस्व में कमी करने या उपने बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (ख) एमी किसी आय या किमी धन या अभ्य आस्तियों की, जिल्हें भारतीय प्रायकर पश्चितियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनानं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किना गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में संविधा के लिए;

श्तः शयः, उक्तः अधिनियमं की धारा 269-ण के, अनुसरण में, में, उक्तः अधिनियमं की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीण निम्नितितु स्पित्यों संभृति ह—— श्री प्रेम चन्द सुपुत्र श्री जीया लाल, सी-40, एन०डी० एस० ई०-1, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमित शकुन्तला चावला पत्नी स्वर्गीय श्री जे० के० चावला, दीना एंण्ड कं०, एल-28, कनांट प्लेस, नई दिल्ली। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपद में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में ने किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवढ़ किसी अन्य अपक्ति द्वारा, अद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकींगे ।

स्पन्ती करण: --- इसमें प्रयुक्त शक्यों और पनों का, जो उक्त अधि-ानयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अन्याय में विया गया है।

अनुसुची

मकान नं ० श्रार-2, एन ०डी ० एस ०ई०-2, नई दिल्ली क्षेत्र 250 वर्गगज ।

श्चार० बी० एल० श्रग्नवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्राजैत रेंज-[, नई दिल्ली

दिनांक : 9-9-1981

मोहर 🖫

प्राक्य पाई॰ टी॰ एन॰ एस॰---

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व(1) के मधीन पूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 9 सितम्बर 1981

निर्वेग सं० संदर्भ 3 नि० स० श्रा०श्रा० एकवीजिशन 1/ एस० श्रार०-3/1-81/211/1087—चूकि मैं, श्रार० बी० एल० श्रग्रवाल,

आयकर पिधिनिक्स, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उन्त मिधिनियम' कहा पया है), की धारा 269-ख के पिधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका छिचत बाजार मूस्य 25,000/-क्पए से सिधिक है

श्रीर जिसकी सं० ए-341 है एवं जो डीफेंस कालोनी में स्थित है, (जिसका ग्रिधिक विस्तृत विवरण संलग्न ग्रनुसूची में दिया गया है) को पंजीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16वां) के ग्रधीन पंजीकरण ग्रीधिकारी के नई विल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक जनवरी, 1981

को र्वॉक्त सन्यक्ति के उसित बाजार मृत्य से काम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति को उसित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकत का बन्द्रह प्रतिकत्त से अधिक है और मन्तरक (सन्दर्कों) और सन्तरितों, (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत निम्नलिखित उद्देश्य से उस्त अन्तरण लिखाल में वास्तिक कर में कियत नहीं जिया गया है:——

- (क) भ्रम्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त भ्रमितियम के भ्रमीन कर दैने के भ्रम्तरक के वावित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अम्य **शास्तियों** को, जिम्हें भारतीय श्रायकर श्रीधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रीधिनयम, या धन-कर श्रीधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा श्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उनतः प्रधिनियम की धारा 269-म के मनुसरण में, में, उनतः प्रक्षिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- 1. मैं०बेनी लिं० रिजि०, 117, बी०टी० रोड, कलकत्ता-5। (अन्तरक)
- 2. मैं वी एम (सिंह एण्ड सन्स, ए-341, डीफेंस कालोनी, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्प्रति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की प्रविध मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचनां की तामीब से 30 विन की अविध, जो भी भविभ बाद में सवास्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के रावपत में प्रकाशन की तारी कसे 45 दिन के मीतर उनत क्यांकर सम्पत्ति में दितबढ़ किसी मन्त्र. ज्यक्ति द्वारा प्रश्लोदक्ता की पास लिखित में किए जा सकेंद्रे।

स्पव्यक्तिरगः --इसमें प्रवृक्त सन्दों और पदों का, जो छक्त व्यक्तियम के अध्याय 20-क में परिभावित है, वही अर्थ होगा, जो छस बज्जाय में विया गया है।

प्रनसूची

2-1/2, मंजिली मकान, ए-341, डीफेंस कालोनी, नई दिल्ली-24 ।

म्रार० बी० एल० म्रम्नवाल सक्षम प्राप्तिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

दिनांक: 9-9-1981

मोहर:

5-286GI/81

प्रारूप आर्ह. टी. एन. एस. ---

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) को सधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक र आयुक्त (निर्नाक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 9 सितम्बर 1981

निर्देश सं० संदर्भ 3 नि० स० म्रा०/एक्वीजीशन 1/ एस० मार०-3/1-81/262/2139—मत: मुझे मार० बी० एस० मग्रवाल,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसम

ग्रौर जिसकी संख्या प्लाट नं 30, ब्लाक 'एन' है एवं जो जी के बे बे से स्थित हैं, (जिसका ग्रीधिक विस्तृत विवरण संलग्न श्रनुसूची में दिया गया है) को पंजीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16वां) के श्रिधीन पंजीकरण श्रिधिकारी के नई दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक जनवरी 1981

को पूर्शोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उच्चेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कि अत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर वेने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वक्षन में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अवं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में. मं, अक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपधास (1) के अभीन निम्नलिकित व्यक्तियों, जर्थात्:--- 1. श्री घरम पाल सिंह सुपुत्र स्वर्भीय श्री किशन चन्द सरीन, श्रीर श्रीमित विना सरीन, पत्नी श्री घरम पाश सिंह, दुबाई (युनाइटेंड श्ररब रिपब्लिक श्रोफ इनिमरोटीय) द्वारा श्रटर्नी श्री मोहन लाल नैयर सुपुत्र डा० बेंली राम, 16-सुभाष मार्ग, दिल्ली ।

(अन्तरक)

2. श्रीमिति निलम बजाज पत्नी श्री धनील कुमार बजाज धौर श्रीमिनील कुमार बजाज सुपुत श्री मदन लाल बजाज, एन-135, भेटर कैलाग-1, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रकेषत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं कसे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकर्ण।

स्पर्वाकरणः -- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पर्दों का, जो 'उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

प्लाट मं० 30, ब्लाक नं० एम, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली।

श्रार० बी० एल० श्रम्भवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज-I, नई दिल्ली

विनांक: 9-9-1981

प्रकप धाईं ही एग एस---

भाषकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयक्त आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 9 सितम्बर 1981

निर्देश सं० संवर्भ 3 नि० स० म्रा० मा०/एक्बोजीशन 1/ एस० मार० 3/1-81/155/2079—म्प्रतः मृक्षे मार० बी० एन० मज्ञवाल

भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उकत भ्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/~ रुपये से भ्रधिक है

घौर जिसकी संख्या ई-210 है एवं जोग्नेटर कैलाश-2 में स्थित है (जिसका ग्रीधिक विस्तृत विवरण संलग्न श्रनुसूची में दिया गया है, को पंजीकरण ग्रीधिनियम 1908 (1908 का 16वां) के ग्रीधीन पंजीकरण ग्रीधिकारी के नई दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक जनवरी, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यभान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है धौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत प्रधिक है धौर प्रन्तरिक (प्रन्तरिकों) धौर धन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में बास्तिक कप से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) बन्दरण से हुइ किसी बाय की बाब्द , डक्ट ब्रिभिनियम के ब्योन कर दोने के बन्दरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा का लिए; और√या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्य अस्तियों को, पिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया क्या था या किया जाना जाहिए था अधिनार्थ में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, दिस्तृतिषत व्यक्तियों, वृष्टिश-= 1. श्रीमिति शान्ति कवल पत्नी श्री प्रेम नाथ कवल श्रौर श्री हीरा लाल कवल सुपुत्र श्री प्रेम नाथ कवल, के-31, हौज खास, नई दिल्ली-16।

(अन्तरक)

 श्रीमित इन्द्रजीतकौर पत्नी श्री एस० श्रमरजीत सिंह जोहर, सी-139, डीफेंस कालोनी, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को य**ह सूचना जारी करके पूर्वोक्त स**म्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां क<u>रता ह</u>ूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्य, व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वाराः
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित इ⁴, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिसा गया हैं।

वपुसूची

वैकेन्ट प्लाट नं • ई-210, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली, 250 वर्गगज ।

भार० बी० एल० भ्रमयाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रमुन रेंज-I, नई विल्ली

विनांक: 9-9-1981

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज नई दिल्ली

नई दिल्ली विनांक 9 सितम्बर 1981

निर्देश सं० संदर्भ 3 नि० स० ग्रा०/एक्बीजीशन 1/ एस० ग्रार० $\sim 3/1-81/346/2150$ — पूकि मैं ग्रार० बी० एस० ग्रायवाल,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, - की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उिष्त बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या एस-18 है एवं जो ग्रीटर कैलाग-2, में स्थित है, (जिसका श्रधिक विस्तृत विवरण संलग्न श्रनुसूची में दिया गया है को पंजीकरण श्रधिनियम 1908 (1908का का 16वां) के श्रधीन पंजीकरण श्रधिकारी के नई दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक जनवरी, 1981

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गृह है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पामा ग्या प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की भावत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिये; और/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

कतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, डक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्नसिवत व्यक्तियों, अर्थात् :--

- बालकुष्न भसीन, ग्रविनाश कुमार भासीन, विजय कुमार भासीन, 1/7785, गोरख पार्क, बाबरपुररोड, शाहदरा-32 (बन्तरक)
- 2. श्री गुरबिन्वर सिंह खुराना, ई-118, पुर्वी कैलाश, नई दिल्ली-65।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्स व्यक्तियों में से किसी ब्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के मास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त. अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनसची

प्लाट नं० एस-148, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली क्षेत्रफल 306 वर्ग गज।

> म्रार० बी० एल० श्रग्नवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रुजैंन रेंज-1, नई दिल्ली

दिनांक 9-9-1981 मोहर : प्ररूप आई० ठी० एन० एस०----

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के घ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेज, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 9 सितम्बर 1981

निर्देश स० सदर्भ 3 नि० स आ०आ०/एक्वीजीशन 1/ एम० आर०-3/1-81/332/2147—चृकि मैं प्रार० बी० एल० अग्रवाल आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 289-ख के मधीन धनन श्राधिकारी हो, पह विश्वाप करने का कारण है कि स्थापर सम्पत्ति, जिनका उचिन बाजार मृत्य 25,000/- २० वे मधिक है

भीर जिसकी संख्या ई-250, है एव जो ग्रेटर कैलाश-2, में स्थित है, (जिसका प्रधिक विस्तृत विवरण सलग्न श्रनुसूची में दिया गया है) को पंजीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16वा) के प्रधीन पंजीकरण प्रधिकारी नई दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनाक जनवरी 1981

को पूर्वोनत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को यह है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोनत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का परहह प्रतिशत से अधिक है भीर अस्तरक (अन्तरकों) भीर अस्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नसिक्षित उद्देश्य से उच्त अन्तरण निक्षित में बास्तिक का परहरू

- (क) सन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के प्रक्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य धारितयों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना चाहिए बा, छिपाने में सुविधा के लिए।

ध्रत: ध्रव, उन्त अधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्त अधिनियम की घारा 269-घ की उपधारां (1) के अभीन, निम्नलिकित व्यक्तिकों, अर्थात् :---

- श्रीमित गीता देवी पत्नी श्री जी० एन० पान्डे, 27, हैन्डीफोलीयन, ड्राइव, स्मेस्टी स्वानसी, यू०के० (जन्तरक)
- श्रीमित शान्ति देवी मल्होला पत्नी श्री एच० श्रार० मलहोता, श्री एच० श्रार० मलहोता राजेश कुमार मलहोता, सुपुत्र श्री एच० श्रार० मलहोता, टी-52/6, रेलवेय कालोनी, सब्जीमडी, दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह मूबना जारी करके पूर्वोक्त सम्मति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूनता के राजाज में प्रकाशन की तारीख, से 45 दिन की प्रविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की घवलि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इन सूत्र राज रखा में प्रकाशन की तारीज से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी मन्य भ्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकोंगे।

हनक्टी हरण ---दपर्ने प्रमुक्त गर्क्से पौर पदों का, जो उक्त प्रधितियम, के श्रध्याय 20-क में परिसाधित हैं, यही अर्वे होगा जो उन शब्दाय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

सिंगल स्टोरी मकान नं० 8 प्लाट ग्रौर भूमि क्षेत्रफल 250 वर्गगज, स्थापित ई-250 ग्रेटर कैलाग्न-2 नई दिल्ली

> न्नार० बी० एल० ऋग्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, नई दिल्ली

दिनाक 9 सितम्बर 1981 **मोहर**ा प्रकप धाई॰ टी॰ एन॰ व्रव॰----आयकर मित्रिनियम 1961 (1961 का 43) की बारा

269-व (1) के प्रधीन सुबना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण)

्रश्रजीन रेंज नई दिल्ली नई दिल्ली दिनांक 19 सितम्बर 1981

निर्देश सं० संदर्भ 3 नि० स० म्रा० मा०/एक्वीजीशन 1/ एस० म्रार०-3/1-81/115/2072—चूंकि मैं म्रार० बी० एल० म्राप्रवाल

बायकरं पिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिने इसमें इसके परवात् 'त्रकत प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन समप्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/- इपए से प्रधिक है

ग्रीर जिसकी सं० डी-59, है एवं जो डीफेंस कालोनी, में स्थित है, (जिसका ग्रीधक विस्तृत विवरण संलग्न ग्रनसूची में दिया गया है) को पंजीकरण ग्रीधनियम 1908 (1908 का 16वां) के ग्राधीन पंजीकरण ग्रीधकारी के नई दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक जनवरी 1981

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से मित्र है और धन्तरक (प्रन्तरकों) और धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिबित छद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आद की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। और/यां
- (ध) ऐसी किसी आय या किसी धन या क्रम्य कास्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर ब्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ब्रिधिनियम, या धनकर ब्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अम्तरिती ब्रारा अकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए चा, छिपाने में सुविधा के लिए।

अता, सब, एक्त भिधिनियम की बारा 269-ग के भनुसरण में, में, एक्त भिधिनियम की घारा 269-थ की उपधारा (1) के भन्नीन निश्नलिखित अ्यक्तियों, अर्थात् :-- 1ूएयर कमोडोर एन० पी० नैयर सुपुत्र डी० पी० नैयर 265, सेक्टर 11-ए चन्डीगढ़ ।

(अन्तरक)

 महाजन उलेनस प्रा० लि महाजन हाउस, साउथ एक्सटेंशन, भाग-2, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के निए कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त सम्मत्ति के घर्षन के सम्बन्ध में कोई भी घार्क्षपः ---

- (क) इस सुचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 वित की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति धावा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीज से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी भन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्षित में किये जा सकेंगे।

स्वक्टी हरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि -नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं श्रर्य होगा, जो उस प्रक्रवाय में दिया गया है।

जन्स्ची

प्रो॰ नं॰ डी-59, डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली क्षेत्रफल 342 वर्ग गज

> श्रार० बी० एल **बग्नवाल ह्यम् ग्रा<u>ि</u>भकारी** सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रजन रेंज-I, नई विल्ली

दिनांक 19 सितम्बर 1981 **नोह्**ड∎ प्ररूप आइं.टी.एन एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) को अधीन सूचना

नारत सरकार

कार्बाह्म, सहायक नायकर बायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, नई दिल्ली

मई दिल्ली, विनांक 19 सितम्बर 1981

निर्देश सं० संदर्भ 3 नि स आ० ा० आर्थ्यिःीशन 1/एस० आर० 1/ एस० आर०⊶3/1~81/2766—चूकि मैं आर० की एल० अग्रवाल

. जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परेचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक हैं

श्रीर जिमकी संख्या ए-117, है एवं जो श्रोखला इंडस्ट्रीयल एरोया, फे सं 2, में स्थित है, (जिमका श्रिषक विस्तृत विव रण संलग्न अनुसूची में दिया गया है, को पंजीकरण श्रीध-नियम 1908 (1908 का 16वां) के श्रधीन पंजीकरण श्रीध-कारी के नई विल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक जनवरी 1981 को पूर्वों कत सम्मतित के उचित बाजार मृत्य से कम के दूर्यमान श्रीकृतन में तिए जन्तरित को गई है और मूक्के यह विश्वास स्थान में का कार्य है कि स्थाप्वोंकत संपत्ति का जियत बाजार बुख्य, उड़के देखनान श्रीकृत से रेप दूर्य प्रतिक का पन्तरित का प्रतिक का पन्तरित का पन्तरिक का पन्तरित का पन्तरित का पन्तरिक का पन्तरित का पन्तरित का पन्तरित का पन्तरित का पन्तरिक का पन्तरित का पन्तरित का पन्तरिक का पन्तरित विकास के विषय के विषय पन्तरित (जन्तरितों) से बीच देवे बन्तरिक के किए इस पाया गया प्रतिक्त का पन्तरित का

- (क) जन्तरण के हुई किसी जाव की वावत, उक्त वीधीनवय के जधीन कर दोने के बन्तरक के वाकित्य में कभी कुछने वा उसके क्याने में सुविधा के खिए; जारू/वा
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्त्र आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गवा था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विभा के लिए;

बधः अव, उच्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उच्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन निम्नीलीखन व्यक्तियों अधीतः--

- 1. मै॰ गैम इन्टरब्राइजेल, 1725 राम गला लक्षमी विलिखग, लान्दना चौक, नई दिल्ला। (ब्रन्तरक)
- 2. मैं बारीदा इंडस्ट्रीयल गैम प्रा० थि० 3'0-नेना जी सुभाष मार्ग, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वों क्ल सम्मृत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त तम्पृत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस यूचना के राज्यन में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी बचीप बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त कार्यकारों में वे किसी व्यक्ति वृंगाराः
- (च] इस स्थान के रायपंत्र के प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा बधोहस्ताक्षरी के पाव विकित में किए वा सकोंने।

स्पट्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त जीभनियम, के जभ्याय 20-क में परिभाषितं हैं, वहीं कर्भ होगा जो उस अभ्याय में दिया भूमा हैं।

अनुस्ची

प्रो• नं० ए-117, घ्रोखला इंडस्ट्रीयल एरीया, फेस-2, नई दिल्ली ।

> श्रार्० बी०एल० श्रग्नवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजेंन रेंज-I, नई दिल्लो

र्दिनोक 19-9-1981 मीं**डर**ः प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंजः नई दिल्लो

नई दिल्ली दिनांक 15 मितम्बर 1981

निर्देश सं ० नि० स० मा० मा० गा० एककी जिल्ला 1 / एस० मार० 3/1-81/2140—चूं कि मैं मार० प्रा० एत० म्रग्नवाल मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/रु. से अधिक है

श्रीर जिमकी संख्या 111-एल-11, है एवं जो लाजपत नगर, नई दिल्लों में स्थित हैं,(जिसका श्रिधक विस्तृत विवरण संलग्न श्रनुसूची में दिया गया है को पंजीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16वां) के श्रधीन पंजीकरण श्रिधकारी के दिल्लो स्थित कार्यालय में दिनांक जनवरी, 1981

को वृत्योंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रिटिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति संपत्ति का उनित बाजार मूज्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के वृत्तूह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकृत निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण सिखित में वास्तिवक कप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी जाय की बाबत, उक्त जिमिनियम के जभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के सिए; जार/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारः प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विथा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भी, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिकित व्यक्तियों अधित १--

- श्रा चयिकणिन दास, वेत प्रकाण, कैलाण, कुमारा, चचल कुमारा धरमकार दास, रिविश्वनाण दास, प्रकाण कुमारा, इन्दोरा वास, परभा दास, संतीष कुमारा, सुपुत्त/सुपुता श्रा नारानान दास, एफ-173, लक्षमा, नगर, दिल्ल - 62 (श्रन्तरक)
- श्री कृष्ण लाल, सुपुत्र राम तिकाया, 111-एल-।।, लाजपत नगर, नई दिल्ली ।

(ग्रन्त(रतः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्ल सम्पन्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व वे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वक्दीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में प्रिभाविद्य हु⁸, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है [ह]

अनुसूची

प्रो० नं० ।।।-एल-।।, लाजपत नगर, नई दिल्ला।

श्रार० बं¦० एल० श्रग्नवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-ॉ, नई दिल्लो

विनाध 15-9-1981

मोहर 🖫

प्रकृष आई. ही. एन. एस. धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, नई दिल्ल;

नई दिल्ली, दिनांक 15 मितम्बर 1981

निर्देश सं० 3 नि० स० मा० मा०/एक्कीजिशन 1/ एस० मार०-3/1~81/2164---चूंकि में, मार० बी० एल० मग्रवास

सायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्षात् 'उक्त मिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- द० से मिनिक है

धौर जिसकी संख्या ई-585, है एवं जो ग्रेटर कैलाग-II, में स्थित है, (जिमका श्रधिक विस्तृत विवरण मंत्रका श्रमुक्ती में दिया गया है) को पंजीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16वां) के श्रधीन पंजीकरण श्रधिकारी के नई दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक जनवरी 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पम्त्रह प्रतिशत से अधिक है, भौर प्रम्तरक (प्रम्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रविफल, निम्नलिखित छहेश्य से उक्त अन्तरण खिखित में बास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, खक्त खिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या खसके बचने में सुविधा के लिए; धीर/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या श्रम्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर श्रीधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रिधनियम, या धनकर ग्रीधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं यन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था खियाने में सुविधा के लिए;

अतः, अव, उक्त प्रक्षिनियम की घारा 269-म के अनुतरण में, में, उक्त प्रक्षिनियम की चारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः —-6—286GI/81

- 1. श्री ए० एच० मैनन सुपुत, 7-ए/5, डबस्यू० ई०ए० करोल बाग, नई दिस्ती ।
 - (ग्रन्तरक)
- 2. मोहनो त्रिल्डर्स प्रा० नि०, 36, स्यू राजिन्दर, नगर नई दिल्ला ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धार्लेप:— (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की धर्वाध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धर्वाध, जो भी धर्वाध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा:

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से . 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा भघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

ह्पड्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्धों भीर पर्वो का, जो उक्त श्रिधिनियम, के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही भयें होगा, जो उस प्रध्याय में विया गया है।

अनुसूची

प्रो नं० ई 585, ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली

श्रार**े बो० एल० श्रप्नवाल,** सक्षम प्राधिकारौ सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

दिनांक 15-9-1981

प्र**क्ष भाई**-टी-**ए**न-एस----

शायकर ब्रिशियम; 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के घंघीन सूचना

पारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 सितम्बर 1981

निर्देश सं० 3नि० स० आ० आ०/एक्ट जिला 1/एस० आर०-3/1-81/405/2162—चूंकि में आर० बी० एल० अप्रवाल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् जक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्तम प्राधिकारों को वह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका खिलत बाजार पूच्य 25,000/- ७० से प्रधिक हैं और जिसकी संख्या एस-313, है एवं जो ग्रैटर कैलाश-II, में स्थित है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया है) को पंजीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16वां) के अधीन पंजाकरण अधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक जनवरी 1981 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के अचित बाजार मूख्य से कम के दृश्यमान

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के छिनित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रकारित की गई है भीर मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यणपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिकल के पन्तह प्रतिकत से प्रक्षिक है- भीर प्रमारक
(प्रमारकों) भीर धानारिती (प्रमारितयों) के चिष्येस
समारण के लिए तय पामा वया प्रतिकल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उन्त प्रमारण सिखित में वास्तविक कम से कविस
नहीं किया वया है।——

- (क) अस्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर वेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या प्रसंखे वक्ते में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या वन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय वायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त विधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ वस्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए चा, छिपाने में सुविका के निए;

अत्। अथ, उक्त प्रविनियम् की धारा 269-व के प्रवृक्षकण में, मैं, शक्त प्रविनियम की धारा 269-व की उपवारः (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- श्रोमित मावित्री जोहरी पर्नी प्रो० एम० एस० जोहरी 3-रामबाम कुन्ज, कटोरा रोड, भ्रारा, बिहार (भ्रन्तरक)
- मै० पुसंप केन्सट्रकणन कं० बेचने वार्ला श्रीमित चन्दर कान्ता पत्नी श्री श्रिणोक कुमार कैथ, ई-317, पूर्वी कैलाण, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंकत सम्पत्ति के बर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाबोप :---

- (क) इस मूचता के राज्यत में प्रकाबत की तारोख के 45 दिन की प्रविध या तस्त्रंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीबा से 45 दिन के भीतर उक्त स्वांबर सम्मति में दितबढ़ किसी मन्य भ्यक्ति द्वारा, भन्नोहस्ताशरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त प्रिधिनियम' के शब्दाम 20-क में परिचाबित हैं, बही अर्च होगा जो उस पश्चाय में दिया गया है।

अनुसूची

खालो प्लाट नं० एम-313, क्षेत्रफल -300 वर्ग गज, ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली ।

> श्चार० बो० एल० श्चग्रधाल, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्चर्णन रेंज-I, नई दिल्ली

दिनांक 15 सितम्बर 1981 मोहर ध प्रकृत बाई • टी • एन • एस •-

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 19 सितम्बर 1981

निर्देश सं० 3 नि० स० ग्रा० ग्रा०/एक्वोजोणन 1/एस० ग्रार०-3/1~81/2769—चूं कि मैं ग्रार० बी० एन० ग्रग्रवाल ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्न ग्रिधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति जिसका उचिन बाजार मूल्य 25,000/- ६० म ग्राधिक है

भीर जिसको संख्या कृषि भूमि है एवं जो ग्राम छतर पुर, मेहरोलो, में स्थित है (जिसका प्रधिक विस्तृत विवरण सलग्न अनुसूची में दिया गया है) को पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16वां) के अधीन पजीकरण अधिनियम को नई दिल्लो स्थित कार्यालय में दिनांक जनवरी, 1981 को पूर्वोक्त सम्पत्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिणन से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-फन निम्निखा उद्देश्य में उक्त प्रन्तरण लिखिन में वास्तविक इम से कथित नहीं किया गया है।—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त मधि-नियम के प्रधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बता में भुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐस्रो किसी प्राय या किसी धन या धन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ध्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या क्रिया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

पतः अब, जन्म पश्चिनियप, की पारा 269-ग के सनुमरण में मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् ६—— 1. नाहर थियेटर्स प्रा० लि० 9 कर्जन रोड, नई दिल्ली मेनेजिंग डाइरेक्टर श्री डो॰ ग्रार० नाहर

(भ्रग्तरक)

2. मैंनु इंटरनेणनल, 3ए/3, भ्रासफ भ्रली रोड, नई बिल्ली हिस्सेटार श्री महेंदर कुमार

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के भ्रजंन के लिए कार्यवाहियां मुक्त करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:-

- (क) इन नुचना के राजात में प्रकाणन को ताराख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवत व्यक्तियों मं से किसो व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इप यूचना के राजरत में प्रकाशन की तारी ख से 45 जिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्योहस्ताक्षरी के नास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पडटीकरण: -इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रिशिनयम, के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वही शर्ष होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

बन्स्वी

ऋषि भूमि क्षेत्र 21 बोघे श्रौर 15 बिस्बे, खमरा न० 1517/1(1-7), 1517/2(1-9), 1597(4-3), 1590(4-16), 1592(4-16), 1504(4-14), श्राम छत्तर पुर, मेहरोलो, नई दिल्लो।

> भार० बी० एस० भग्नवास सक्षम प्राधिकारी स्हायक सामकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-I, नई दिल्सो

विनांक: 19 सितम्बर 1981

मोहर ∄⊸

प्रकप बाई॰ टी॰ एन॰ एस॰----

आयकरं ग्राविनियम, 1961 (1961 का 43) की सारा 269-व (1) के अवीन सूचना

मारंत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 19 सितम्बर 1981

निर्देश सं० संदर्भ 3 नि० स० ग्रा०ग्रा०/एककीजीशन 1/ एस० ग्रार०-3/1-81/2148——चूंकि मैं, ग्रार० की० एल० ग्रायवाल

शायकर ग्रीधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के ग्रधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका धित बाजार मून्य 25,000/- क्यमे से ग्रीधिक है, ग्रीर जिसकी संख्या 2706/16, ब्लोक 'पी', है एवं जो बैक स्ट्रीट, करोल बाग, में स्थित है, (जिसका ग्रीधिन विस्तृत विवरण संलग्न ग्रनुस्ची में दिया गया है) को पंजीकरण ग्रीधिनियम 1908 (1908 का 16वां) के श्रधीन पंजीकरण ग्रीधिकारी के नई दिल्ली स्थित धार्यालय में दिनांक जनवरी, 1981

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से क्षम के दृश्यमान.
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पंचाह प्रतिशत से अधिक है और प्रन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (प्रन्तरितयों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में बाक्तविक रूप से क्षित
वहीं किया गया है:—

- (क) सन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत घक्त स्रिधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिय; और/मा
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आहितयों को, जिन्हें भारतीय भायकर धिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त धिधनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में सुविधा के निए;

जत: खब, उन्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण जो, मी, उन्त अधिनियम की थारा 269-ण की उपधारा (1.) को अधीन निम्नुलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

- श्री रमिण चन्द्र भटनागर सुपृत श्री राम चन्द्र भटनागर,
 2706, बैंक स्ट्रीट करील बाग, नई दिल्ली।
 (श्रन्तरक)
- 2. मैं० एस० एल० एसोसिएटस प्रा० लि० मैनेजींग डाईरैक्टर श्री सन्त लाल नागपाल सुपुत्र श्री रानीया राम नागपाल, 32/60, पंजाबी बाग, नई दिल्ली।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उन्त सम्पति के धर्जन के सम्बन्ध में चोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की घवधि,
 जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
 पूर्वोंकत क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
 - (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर सम्पत्ति में हितबद किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा अधोइस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः समर्मे प्रयुक्त गड्दों और पदी का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रो॰ न'॰ 2708/16 (लाप्ट न'॰ 15/2, ग्रीर 16/1 ब्लीक 'पी' नई वाला स्कीम) बैंक स्ट्रीट, करोलबाग, नर्ष दिस्ली ।

> भार० बी० एस०भ्रप्रवाल, सक्षम प्रा<u>थिकारी</u> सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज I, नई दिल्ली

विनांक 19-9-1981 मोहरः प्ररूप आईं० टी० एन० एस० ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को भारा 269-ज (1) के अभीन सुज्ता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्णन रेंज, नई विल्ली

मई दिल्ली, दिनांक 19 सितम्बर 181

निर्देश सं० संवर्भ 3 नि० स० घा० घा०/एक्नीजीशन 1/ एस० घार०-3/1-81/2135---चूंकि मैं, घार० बी० एल० घग्रवाल

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/ रा॰ से अधिक है

भौर जिसकी संख्या 19/13, है एवं जो उबल्यू० ई० ए० करोल बाग, में स्थित है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न भनुसूची में दिया गया है) को पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी नई दिल्ली स्थित कार्यालय में विनांक जनवरी, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य के कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने उसके रहयमान प्रतिफल से एेसे रहयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उद्देश अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किश्तु नहीं किया गया है:

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयु की वावतु, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वजने में सुविधा का सिए; आर/या
- (च) एसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधृतिः— 1. श्री जसवन्त गोपाल सुरी सुपुत्र श्री परमानन्द सुरी। श्रीर श्रीमिति मधु घाई पत्नी स्वर्गीय करनल राज कुमार घई, 18/13, डब्ल्यू० ई० ए०, करोल बाग, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

2. श्री एस० जोगिन्दर सिंह गांधी सुपुत्र श्री गनेश सिंह 27,बी/8, नई रोहतक रोड, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथों क्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पर्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हिन-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस् अध्याय में विया गया है।

भृगुलुकी

प्रो० नं० 18/13, इब्स्यू० ई० ए० करोल बाग, नई विल्ली म्यूनिसिपल नं० 10002-22, $2\frac{1}{2}$ मंजीली मकान ।

भार० बी० एस० भग्नवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

विनांक 19-9-1981 मोहर ॥

प्ररूप भाई • टी • एन ॰ एस •----

भागकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा -269-घ (1) के भीषीत सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायकं प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

घर्जन रेंज, नई दिल्ली

नई दिल्ली, विनांक 19 सितम्बर 1981

निर्देश सं० संदर्भ 3 नि० स० भ्रा० भ्रा०/एक्वीजीशन 1/ एस० भ्रार०-3/1-81/2138—-चूंकि मैं श्रार० बी० एल० भ्रम्बाल

आयक्तर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूरुष 25,000/- रुपए से प्रधिक है भीर जिसकी सं० सी-9, है एवं जो जंगपुरा एक्सटेंशन, नई दिस्ली, में स्थित है, (जिसका ग्रधिक विस्तृत विवरण संलक्ष्म ग्रमुसूची में दिया गया है) को पंजीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16वां) के ग्रधीन पंजीकरण ग्रधिकारी के नई दिस्ली स्थित कार्यालय में दिनांक जनवरी, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्त कायालय म विनाक जनवरा, 1981
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
पृथ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह
विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके पृथ्यमान प्रतिफल से ऐसे
पृथ्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उसत अन्तरण लिखित में वास्तिक कप से किशत
नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण मे हुई किसी भाग की बाबत उक्त मधि-नियम के अधीन कर देने के भन्तरक के बायित्व में कमी करने या अससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या भग्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत प्रधिनियम, या धन-कर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः प्रव, उक्त प्रश्चिनियम की बारा 269-ग के प्रनु-सरण में, में, उक्त प्रश्चिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अवित !---- श्री एन० के० मल्होब्रा, के० एल० मलहोत्रा, श्रीमित सरला सेठी, श्रीर श्रीमित प्रणा बोहरा, एण्ड श्रदर्स, डा-259, जनक प्री, नई दिल्ली।

(अन्सरक)

2. श्री योग राज भौर श्रीमित किरन, 47 मस्जिद रोड, जंगपुरा, नई दिल्लो ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोचन सम्पत्ति के प्रर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अजैन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपक्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अवधिया तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (वं) इस पूचना हे राजपत्र में प्रकाशन की तारी वासे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भन्य स्थित द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वक्तीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर वर्तों का, जो उस्त अधि-नियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं. वहीं असे होगा जो उन अध्याय में दिया गरा है।

वन्सूची

प्रो॰ नं॰ सी-9, जंगपुरा एक्सटेंशम, नई दिल्ली।

म्रार० बी० एल० श्रग्नवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक सायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

विनक 19 सितम्बर 1981 मोहर : प्ररूप आर्ड्: टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 19 सितम्बर 1981

निर्देश सं० 3 नि० स० धा० घा०/एक्वीजीशन 1/ एस० घार०-3/1-81/437/2163—चूकि मैं, धार० बी० एल० प्रग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25 000/ रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी संख्या 37-एच, है एवं जो बनाट प्लेस, नई विल्ली मे स्थित है, (जिसका ग्रधिक विस्तृत विवरण संलग्न ग्रन्सूची मे दिया गया है) को पंजीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16वा) के ग्रधीन पंजीकरण ग्रधिकारी के नई दिल्ली स्थित कार्यालय में विनांक जनवरी, 1981

को पृषेक्ति संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के इद्यंभान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिक्त उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिकित में भास्तिक कुए से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त आर्धिनियम की धारा 269-ण के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनिमय की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अभीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:— श्रीमित गुरीन्द्र प्रकाश स्नेहन, 13, साउथ, पटेल नगर, नई बिल्ली ।

(अंतरक)

2. मैं मुलतानी प्रीपर्टी एण्ड इनवेस्टमेन्ट कं प्रा० लिं रिजि ग्रीफिस 36 एच०, बनाट प्लेस, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कर सम्पृतित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित को वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति ग्
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कसे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्यक्तिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पयों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनुसूची

36-एच/5-8, 36-एच, 66-68, 102-103, 77, 37 और 37/1, ब्लौक 'एच' कनाट प्लेस, नई दिल्ली, बनाया हम्रा प्लाट नं० 3-ए, ब्लौक 'एच' कनाट प्लेस, नई दिल्ली।

झार० **बी०** एस० श्रप्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

विनाक 19-9-1981

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण) भ्राजैन रेंज, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 7 सितम्बर 1981

निर्वेश सं० 3 नि० स० आ० आ०/एक्वीजीशन-2/एस० आर०-2/181/4162—वृंकि मैं, विमल विशिष्ट, आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूस्य 25,000/रूपए से प्रधिक है

भौर जिसकी संख्या कृषि भूमि है एवं जो ग्राम हीलम्बी कालन, मे स्थित है, (जिसका ग्रिधिक विस्तृत विवरण संलग्न ग्रनुसूची मे दिया गया है) को पंजीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन पंजीकरण ग्रिधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक जनवरी, 198 1

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बोजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्मह प्रतिगत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उचत अन्तरण जिल्लिया पाया में वास्तिक रूप में कथित नहीं किया मया है :—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, जनत श्रिवियम के श्रिक्षण कर देने के श्रन्तरक के वायस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी घन या ग्रम्थ ग्रास्तियों, को, जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया भया था या किया जाना चाहिए था, ख्रिपानै में सुविधा के लिए;

मतः ग्रंब, उक्तअधिनियम की धारा 269-ग के मनुसरण अं' में उक्त मिनियम की धारा 269-घ की उपधारा(1) के अभीत निस्त्रिखित व्यक्तियों, मयीत्ं--- श्री नाफी सिंह सुपुत्र दत्ताराम, ग्राम भौर पो० सीर पुर दिल्ली ।

(अंतरक)

 श्री हरनाम सिंह ग्रौर दूसरे, सुपुत्र श्री थाकुर सिंह ग्राम होलम्बी कालन, विल्ली।

(अंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के प्रजंन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप-

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी
 श्रवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

साब्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों धीर पर्दी का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो छत अध्याय में दिया पया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 9 बीचे घौर 16 बिश्वे, खसरा नं० 42, ग्राम होलम्बी कालन,दिल्ली।

> विमल विशिष्ट, सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

दिनांक 7-9-1981 मो**हर** े प्ररूप आई . टी . एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत संरकार

कार्यालय, सहायक आयकर अध्यक्त (निगीक्षण) ग्रर्जन रेंज, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 14 सितम्बर 1981

संदर्भ 3 नि० स० ग्रा० ग्रा०/एक्वीजीशन 2/एस० ग्रार० 1/1-81/7299,--चूकि मै, विमल विशष्ट,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित्र बाजार ब्ल्य $25,0^9$ / रा. में अधिक है

ग्रौर जिसकी संख्या 3088, है एवं जो मोहला सदसन, दिल्ली में स्थित है, (जिसका ग्रिधिक विस्तृत विवरण संलग्न ग्रनुसूची में दिया गया है जो पंजीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16वां) के ग्रिधीन पंजीकरण ग्रिधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक जनवरी, 1981

को पूर्वोक्ट सपित के उचित वाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिक्षल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिक्षल से, एसे दश्यमान प्रतिक्षल का बन्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्षल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण स हर्ज्या कर्ना आयाती जायता, जानत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात :——
7—286GI/81

(1) श्री राजेश्वर नाथ, सी-44, साउथ एक्सटेनशन भाग-2, नई दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्री मुरलीधर चौधरी, एच० यु० एफ० द्वारा कर्त्ता, एण्ड ग्रादर्स, मैं० जीवन राम बछरज एण्ड कं०, पो० डिबरू गढ़ ग्रासाम,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन को अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो , के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास किसी किए जा सकोगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 3088, मोहला दासन, दिल्ली

विमल वाशिष्ट मक्षम प्राधिकारी निरीक्षीय सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त ग्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनांक 14-9-1981

प्रस्प आई. टी. एन्. एस.—— ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व(1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, नई दिल्ली-110002 नई दिल्ली, दिनांक 14 सितम्बर 1981

संदर्भ 2 नि० स० ग्रा० ग्रा०/एक्वीजीशन 2/एस० ग्रार० 2/1-81/7301,——पूकि मैं, मिल विशिष्ट

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रतिनियम' कहा गया है), की धारा 269-थ के अधीन सक्षम प्रधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क्पये से अधिक है ग्रीर जिसकी संख्या 3088, है एवं जो मोहला दसन, दिल्ली में स्थित है, (सिजका ग्रधिक विस्तृत विवरण संलग्न ग्रनुसूची में दिया गया है जो पंजीकरण ग्रधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक 1981

की पूर्वीक्त सम्पत्ति के ज्वित बाजार भूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफस के लिए अन्तरित की वर्ष है और मुखे यह विश्वास करने का कारण है कि यवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफस से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तर्फ (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तर्फ के निए तय पाया गया प्रति-फ कि निम्निशिबित उद्देश्य से उस्त अन्तर्म सिबित में बास्तिक कर से सिंग नहीं किया गया है।——

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त धिक नियम के भवीन कर देने के भन्तरक के वागिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आम या किसी धन या अन्य धास्तियों की, जिन्हें भारतीय भायकर धिर्धानयम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं धन्दरिती द्वारा प्रकट नहीं किया यथा या किया जामा चाहिए या, फिपाने में सुविधा के कृष्टिए;

- (1) श्री रमेण्वर नाथ, ए-21, निती बाग, नई दिल्ली (अन्तरक)
- (2) श्री मुरलीधर चौधरी, एच० यु० एफ० झारा कर्ता (एण्ड श्रदर्स, मै० जीवन राम बछराज एण्ड कं० पो० जीवरूगढ़ (श्रासाम)

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के धर्जन के छिए कार्यवाहियां करना हं।

उपन सम्मत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी पाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजरत में राजाशन की नारीच से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी अथिक्तियों पर सूचना की तामीज से 30 दिन को श्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी क्यकित धारा;
 - (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकोंगे।

स्पब्हीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर नदीं हा, जा उक्त प्रक्षिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रयं होगा जो उन श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

3088, मोहला दासन, दिल्ली

विमल विशिष्ट मक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरिक्षण) श्रर्जन रेंज-2, नई दिस्ली

जतः, अब, उन्त अधिनियम की धारा 269-य के अनुनरण में, में, पनत अधिनियम की धारा 263-थ की उपधारा (1) के अधीन किम्मलिखिन व्यक्तियों, प्रयोत्र ----

दिनांकः 18-9-1981 मोहर: प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च(1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक घायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, नई दिल्ली-110002 नई दिल्ली, दिनांक 14 सितम्बर 1981

संवर्भ 3 नि० स० ग्रा० ग्रा०/एक्वीजीशन 2/एस० ग्रार० 1/81/7300,—चूकि मैं विमल विशिष्ट

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अभीत सजप प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- कार्य में अधिक है

भौर जिसकी संख्या 3088, दिनांक है एवं जो मोहला दासन, दिल्ली में स्थित है, (मिजका ग्रिधिक विस्तृत विवरण सलग्न श्रनुसूची में दिया गया है को पजीकरण श्रिधितयम. 1908 (1908 का 16वा) के ग्रधीन पंजीकरण श्रिधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक जनवरी, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूख्य से कम के दृश्यमान प्रशिक्त के लिए मन्तरित की गई है मौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त •सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पण्डह प्रतिशत मधिक है मौर मन्तरक (भग्तरकों) भौर मन्तरिती (भग्तरितयों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त मन्तरण लिखिन में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरणा हुई िक्सी आय की बाबन उक्त सिध-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने ग उसो बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाष पा किसी धन या प्रन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भाषहर श्रिधितियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधितियम, या भनकर श्रिधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती, द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त प्रविनियम की धारा 269-ग के प्रमुसरण में, में, उक्त प्रविनियम को धारा की 269-म की उपचारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अपित्:—

- (1) श्री गापी नाथ, 15/4577, दरीया गंज, दिल्ली (अन्तरक)
- (2) श्री मुरलीघर चौधरी, (एस० यु० एफ०) द्वारा कर्त्ता एण्ड ग्रदर्स, मैं जीवन राम बछराज, एण्ड कं० डिबरू गढ़ (श्रासाम)

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्न सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचता के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचता की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी धवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबद्ध किसी, अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे:

स्पद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त प्रिधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भर्ष होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनलची

3988, मोहल दासन, दिल्ली

विमल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

विनाक 18-9-1981 मोहर् प्ररूप आहु^६ टी.एन एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
प्रार्जन रेज, नई दिल्ली-110002,
नई दिल्ली, दिनाक 14 सितम्बर 1981

सदर्भ 3 नि० स० ग्रा० ग्रा०/एक्वीजीणन 2/एस० ग्रा॰० 1/1-81/—चुकि में विमेल विशिष्ट

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम क्रहा गया है'), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/ रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सख्य 5088, है एव जो मोहल दासन, दिल्ली में स्थित हैं, (जिसका ग्राधिक विस्तृत विवरण संलग्न ग्रानुसूची में दिया गया है) को पंजीकरण ग्राधिनियम, 1908 (1908 का 16वा) के ग्राधीन पंजीकरण ग्राधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनाक जनवरी, 1981

को पूर्वेक्ति सपित के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपित का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्दोष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्य में अभी करने या उससे बचने में सूर्विधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिसित व्यक्तियों अधीतः--

- (1) श्री ग्रोकार नाथ, 15/4571, दरीया गंज, नई दिल्ली
- (अन्तरक)
 (2) श्री मुरलीघर चौधरी, द्वारा कर्ता एण्ड ग्रदर्स,
 मै० जीवन राज बछराज एण्ड कं० पो० डिबस्ट
 गढ़ (श्रासाम)

(अन्तरिती)

को गह सुचना जारी करके पृवाँक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पर्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स सं 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में में फिन्मी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्डीकरण.--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिया गया हैं।

नन्त्रची

मक न० 3088, मोहल दासन, दिल्ली

विमल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-], नई दिल्ली

विनांक 18-10-1981 मोहर:

(अन्तरक)

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, नई दिल्ली-110002 नई दिल्ली, दिनांक 14 सितम्बर 1981

संदर्भ सं० 3 नि० स० ग्रा० ग्रा०/एस्वीजीशन 2/एस० ग्रार०-1/1-81/7353.— चूंकि मै, बिमल विशिष्ट आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सभम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य -25,000/- रह में अधिक हैं

ग्रौर जिसकी संख्या 14/3489 है एवं जो श्रायंपुरा. सब्जी मंडी, में स्थित हैं, (जिसका ग्रिधिक विस्तृत विवरण संलग्न ग्रनुसूची मे दिया गया है को पंजीकरण ग्रिधिनयम 1908 (1908 का 16वां) के श्रधीन पंजीकरण ग्रिधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक जनवरी, 1981

का पूर्वोक्ट सपित के उचित वाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित वाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एमे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिकं हो और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 या 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपान में संविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त आधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थीत् ।:—-

- (2) श्रीमती सोहन देवी पत्नी दीवान चन्द, 14/ 3469 श्रार्यपुरा सब्जी मंडी, दिल्ली
- (2) श्री राज दुलारी मुपुत्र ग्रोम प्रकाश जैन एण्ड रविबन्दर कुमार जैन, 4552 डिपुटी गंज, सदर बजार, दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पन्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिस द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सको गं।

स्पष्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पथों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसुची

प्रो॰ नं॰ 14/3489 ग्रार्थेपुरा, सब्जी मंडी, दिल्ली

विमल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्तं (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज-2,नई दिल्ली

दिनांक: 14 -9-1981

मोहरः

प्ररूप आईं० टी० एन० एस-•--

श्रायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के ग्राधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, नई दिल्ली-110001, नई दिल्ली, दिनांक 14 मितम्बर 1981

संवर्भ मं० 3 नि० म० ग्रा० प्रा०/एक्कीजीशन 2/ एस० प्रार०-2 1-81/4151,—चूंकि मैं मिलल विशिष्ट, ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमे इसके पश्चात् 'उसन ग्रीधिनियम' कहा गया है), की श्वारा 269-ख के ग्रीचन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित ग्राजार मूल्य 25,000/-इपए से श्रीक है

श्रीर जिसकी संख्या प्लाट-134 ई, है एवं जो ग्राम शकुर पुर दिल्ली में स्थित है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न श्रनुसूची में दिया गया है को पंजीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16वां) के श्रधीन पंजीकरण ग्रधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक जनवरी, 1981

के दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक जनवरी, 1981 को पूर्वोबत सम्पन्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अम्तरित की गई है और मुझे यह बिश्वास करने का कारण है कि ययापूर्वोक्त सम्पन्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अम्तरिक (अम्तरकों) और अन्तरिती (अम्तरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखिन में शस्त्रिक का में कथिन नहीं किया गया है:---

- (क) अस्तरण से हुई किसी आय की बाबत छक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व में कमी करने पा उससे बचने में मुक्तिश्चा के लिए; आर/या
 - (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें चारतीय प्राय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खियांसे में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के **मनुसरण** में, में, उक्त अधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,निम्नजिखित व्यक्तियमें, अर्थात:---

- (1) श्री सत्य पाल खना सुपुत्र सोहन लाल खना बी-167 फेस-1, श्रमोक विहार, दिल्ली
 - (अन्तरक)
- (2) श्री मोहन लाल सुपुत्र छाटा राम मकान नं अ 3058, मोहिन्द्रा पार्क बिल्ली

(अन्सरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के मर्जन लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के घर्वन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षी :--

- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिया पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूत्रना के राजपत में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितबद फिसी भन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताअरी के पाम लिखित में किए जा सकींगे।

स्वरुवीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों घीर पदों का, जो छक्त धिक्षियम के घड्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही घर्ष होगा जो उस घड्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 134-ई०, ग्राम शकुर पुंर, दिल्ली

विमल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

दिनांक 18-9-1981 भोहर: प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्थाना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

म्मर्जन रेंज, नई दिल्ली-110002 नई दिल्ली, दिनांक 7 सितम्बर 1981

संदर्भ सं० 3 नि० स० म्ना० म्ना०/एक्वीजीशन 2/एस म्नार०-1/1-91/7332,—चंिक मैं विमल विशष्ट

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संक्रा सोप नं० 1742, है एवं मेहर परवार कुचा डखनी राय में स्थित है, (जिसका ग्रिधिक विस्तृत विवरण संगणन ग्रनूसूची में दिया गया है को पंजीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16वां) के ग्रिधीन पंजीकरण ग्रिधिकारी के दिल्ली हिथत कार्यालय में दिनांक जनवरी

को पूर्वेक्ति संपित्त के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स संपित्त को उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी अरने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आर/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री वखत राम सुपुत्र नथू राम, एण्ड ग्रदर्स, मकान न० 1739, कटरा मेहर परवार कूचा लखनी रामय, दरीया गंज. नई दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कमला देवी, पत्नी, जगन नाथ 3004, कूचा नील कन्ठ दरीया गज, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथां कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विचा गया है।

वन्स्ची

सोप नं० 1742, कटरा मेहर परवार कूचा **डख**नी राय, दरीया गंज, नई दिल्ली ।

विमल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आण्कर आयुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेज, नई दिल्ली

ं दिनांकः 7-9-1981 मोहरः प्रहर ग्राई० टो० एन० एस० ----

भ्रायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज, नई दिल्ली-110002 नई दिल्ली, दिनांक 7 मितम्बर 1981

संदर्भ सं० 3 नि० स० म्रा० म्रा०/एक्बीजीमन 2/एम० **श्रार**०-1/1-81/7345—चुंकि मैं, विमल विशिष्ट भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके परचात् 'उन्त अधिनियम' कडा गया है), की धारा 269-ख के मधीन सअस प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाबर पंपत्ति जिपका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु० से श्रक्षिक है \mathbf{x} ौर जिसकी संख्या 7/133, है एवं जो रमेश नगर, नई दिल्ली मे स्थित है, (जिसका ग्रधिक विस्तृत विवरण मंलग्न श्रनुसूची में दिया गया है) को पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16वां) के प्रधीन पंजीकरण प्रधिकारी के नई दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक जनवरी, 1981 को पूर्वीकत संपत्ति के उचित बाजार मृख्य में कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अनारित की गई है और मुझे यह विश्वाप करने का कारण है कि यथापूर्वीका संगत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिणत से प्रधिक है और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) और प्रन्तरिती (प्रान्तरितियों) के बीच ऐने प्रत्तरण के लिए तब पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण निखित में वास्तविक रूप से किष्वत नहीं किया गया है:----

- (क) पन्तरण ते हुई किसी आप की बाबत उक्त अधि-तियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उसने बचने में मुविधा के लिए; और/ण
- (ध) ऐसी किसो श्राय या किसी धन या प्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) का उक्त अधिनियम या धन-कर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त ग्राधिनियम, की धारा 269-ए के ग्रनुसरण में, में, एका श्रधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के कभीन, निम्नौसिखित व्यक्तियों, अर्थातु:--- (1) श्रीमती तिकन बाई पत्नी करम चन्द 7/133, रमेश नगर, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री विमल भटनागर पत्नी एम० पी० भटनागर. 7/133, रमेश नगर, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की नाराख से
 45 दिन की ग्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी
 ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकन
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख़ से 45 दिन के मीतर उक्तं स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पान सिखित में किए जा सकेंगे भ

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो 'उक्त श्रिधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रर्य होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

मकान नं० 7/133, रमेश नगर, नई दिल्ली।

विमल विशष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज-II, नई विल्ली

दिनांक: 7-9-1981

प्रकप माई• टी• एन• एसं•---

आयकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 थ(1) के सभीम सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर धायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, नई दिल्ली-110002

नई विल्ली, दिनांक 14 सितम्बर 1981

संदर्भ 3 नि० स० ग्रा० ग्रा०/एक्वीजीशन 2/एस० ग्रार० 1/1-81/7291—चूिक में, विमल विशिष्ट, श्रायकर प्रधितियम, 1961 (1961का 43) (जिसे इसमें

कायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इन के पश्चान् 'डेकन प्रधितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विकास करने का कारण है कि स्थावर सन्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूल्य 25,000/• ४० से अधिक है

श्रौर जिसकी संख्या म्युनिसीपल नं० 2006, 2007 है एवं जो कुचा चेलन खारी बावली, में स्थित हैं, (जिसका श्रधिक विस्तृत विवरण संलग्न श्रनुसूची में दिया गया है) को पंजीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16 वां) के श्रधीन पंजीकरण श्रधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक जनवरी 1981

का पृथांकत संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल्य से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तिक्रितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से क्रियत नहीं किया गया है:—

- (क्) प्रस्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रक्षि-नियम के प्रधीत कर देते के प्रस्तरक के बायिस्व में कमी करते या उससे बचते में सुविधा के सिए; गीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी भन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त भिष्टियम, या धन-कर श्रीधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए।

गतः मदः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में , में , उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निषिषित व्यक्तियाँ, युष्ति ■—
8—286GI/81

(1) श्री बृज किशव श्रग्नवाल मुपुत्र भूरे मल, 2023 खारी बावली दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्री राधा किशन सुपुत्र वुर्गा प्रसाद श्रौर दूसरे, 265, गली पलास, तेलीवारा, दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी चरके पूर्वोक्त सम्बक्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी घाक्षेप ।---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारी वा से 45 दिन की घनिव या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की घनिष्ठ, वो भी धनिव घाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में बे किसी व्यक्ति ढारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्त में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी: ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, घधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

साध्दीकरण:---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होवा, जो उस अध्याय में विवा गया है।

अनुसूची

म्युनिसीपल सं० 2006 ग्रौर 2007, कुचा चेलन, खारी बावली, दिल्ली ।

> विमल वशिष्ट, सुक्षम प्रा<u>पिकारौ</u> सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-^{II}, नई दिल्ली

विनांक : 14-9-1981

मोहरू 🖫

(अन्तरक)

प्ररूप बाई ुटी एन एस ;----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कौं धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

जारत बरकार

कार्यात्य, सहायक भायकर आयुक्त (निरक्षिण)

श्रर्जन रेंज, नई दिल्ली-110002 नई दिल्ली, दिनांक 7 सितम्बर 1981

संदर्भ 3 नि० स० म्ना० म्ना०/एक्वीजीशन 2/एस० म्नार०1/1-81/7310—चूंकि मै विमल विशिष्ट

नायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिस्का उन्वित बाजार मूल्य 25,000 रः. से अधिक हैं

स्रौर जिसकी संख्या मकान नं० 1947, है एवं जो किनारी बाजार, दिल्ली में स्थित है, (जिसका ग्रधिक विस्तृत विवरण संलग्न ग्रनुसूची में दिया गया है) को पंजीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16वां) के ग्रधीन पंजीकरण ग्रधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक जनवरी, 1981 को इतने प्रकट प्रतिफल (ग्रपारेंट कन्सीडरेशन) पर हस्तान्तरित कर दी गई है जो पूर्वों कत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एमें दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अंतरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के जिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात:—

- (1) श्री जगदीश सहाय, वरीन्दर सहाय, किरपाल सहाय, मुपुत्र वजीर सहाय, कटरा खुसलराई, किनारी बजार, दिल्ली ।
- (2) श्रीमती मुन्नी देवी महेश्वरी, एण्ड ग्रदर्स, बिजय कुमार महेश्वरी, सुपुत्र रामगोपाल महेश्वरी, 1947. कटरा खुसलराई, किनारी वाजार, दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के िलए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्तु सुम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई शी बाक्षेप्छ--

- (क) इस सूचना के हाज्यत्त्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित् द्वारा
- '(क)' इस सूचना के ट्रावपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थान्य संपत्ति में हित्बद्ध किसी अन्य व्यक्तित द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकर्ण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 1947, कटरा खुसलराई, किनारी बाजार, दिल्ली ।

विमल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II नई दिल्ली

दिनांक: 7-9-1981

प्ररूप बाह्र .टी .एन् .एस .-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्ष्ण) स्रर्जन रेंज-II, नई पिल्ली-110002

नई दिल्ली, दिनांक 7 सितम्बर 1981

हंदर्भ 3 सि० नि० स० ग्रा० ग्रा०/एक्वीजीशन 2/ एस० ग्रार०-1/ 1-81/7329—चूिक में, विमल विशिष्ट श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- हुठ. से अधिक है

श्रीर जिसकी 4226 है एवं जो जोगीवारा, में स्थित हैं (जिसका श्रधिक विस्तृत विवरण संलग्न श्रनुसूची में दिया गया है) को पंजीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16 वां) के श्रधीन पंजीकरण श्रधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय में विमांक जनवरी, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के एश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके एश्यमान प्रतिफल से, एसे एश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयु की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) मैं ० दुर्गादास संजय कुमार, नं० 5864, जोगीवारा, नई सङ्क, विल्ली

(अन्तरक)

(2) श्रीमती राम प्यारी पत्नी एल० नानक चन्य एण्ड श्रदर्स 4226, छाटा गोसाइं मखन लाल, नई संडक, विल्ली

(मृन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ६-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में त्रकाक्षण की तारीब से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्ष्री के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्युख्डीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मगुसूची

प्रो॰ नं॰ 4226, छाटा गोसाई मखन लाल, जोगीवारा, दिल्ली, ।

> विमल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयुक्त कायुक्त (निरीक्षण) प्राप्तन रेंज-II, नई विल्ली

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन निम्नुलिखित व्यक्तियों, अधृति :—

दिनांक: 7-9-1981

प्ररूप पाई• टी• एन• एस०-

जायकर जिथितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रार्जेन रेंज, नई विल्ली-110002 मई दिल्ली, विनाक 7 सितम्बर 1981

'संबर्भ 3 नि० स० आ० आ०/एक्बीजीशन 2/एस/
प्रार० 1/1-81 7343—चूिक मैं, विमल विशिष्ट
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा प्रया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम् प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका छवित बाजार मून्य
25000/- र॰ से अधिक है
प्रीर जिसकी सं० पो० नं० 1560, है एवं जो गली कोटाना,
सुद्भवालन, जामामस्जीद, में स्थित हैं, (जिसका अधिक विस्तृत
विवरण संलग्न प्रतूस्ची में दिया गया है) को पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16 वां) के अधीन पंजीकरण
अधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक जनवरी
1981
को पर्वोक्त सम्पत्ति के जिसत बाजार मृह्य से कम के दृश्यमान

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उण्वत बाजार मूह्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूह्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रद्व प्रतिशत अधिक है और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से किशत नहीं किया गया है !——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अक्तरक के दायित्व में कभी करने या उपछ बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी जन या घम्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय धायकर धिंधनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर धिंधनियम, या धन-कर धिंधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ण अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः धवः, उक्त व्यक्षिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) हरबाई सुपुत्री राम रक्षपाल ग्रीर पत्नी, श्रर्जन दास, ए-2/24, सफदरजंग, नई, दिल्ली ।

(अन्तरक)

(.2) मीरजा इसफाक बेग, सुपुत्र उल्दुला, (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इन सुचना के राजपत्न में प्रकाणन की नारी आर से 45 दिन की भविद्य या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचनः की तामी को 30 दिन की भविद्य, जी भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी क्यनित द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजप्रत में प्रकाशन का तारीख से
 45 दिन के भीतर उन्त स्थानर सम्पत्ति में हितबढ़ं
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरों के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धेकरण:--इसमें प्रयुक्त गढ़ों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, बंही अबं होगा, मो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रो॰ नं॰ 1560, गली कोटाना, सुइवालान, जामा मसजिद, विल्ली ।

> विमल विभाष्ट **सक्षम** प्राधिकाररी सहायक आयकर आयु<mark>क्त (निरीक्षण)</mark> श्रर्जन रेंज-II, **नई** दिल्ली

दिनांक : 7-9-1981

प्ररूप धाई॰ टी॰ एव॰एस॰----

न्नायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-थ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार .

कार्यातव सहाबक आमकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज, नई विल्ली-110002

नई दिल्ली, विनांक 7 सितम्बर 1981

संदर्भ 3 नि॰ एस॰ ग्रा॰ श्रा॰/एक्कीजीशन 2/एस॰ श्रार॰ 1/1-81/7283—चुकि मैं, विमल विशिष्ट,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इतके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर मन्द्रति जिमका उचित बाजार मूह्य 25,000/- वर्ग से प्रधिक हैं

ग्रीर जिसकी सख्या म्युनिसीपल न० 4633, है एव जो ग्रंसारी रोड, दरीया गंज, दिल्ली में स्थित हैं। (जिसका ग्राधिक विस्तृत विवरण संलग्न श्रनुसूची में विया गया है) को पंजीकरण ग्राधिनियम 1908 (1908 का 16वां) के ग्राधीन पंजीकरण ग्राधिकारी के विल्ली स्थित कार्यालय में विवांक जनवरी 1981

को पूर्विका संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान अनैसक के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके क्रयमान प्रतिफल के, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरच से हुई खिसी ग्राय की बाबत, इक्ट ग्रीव-नियम के अधीन कर देने के खक्तरक के वायित्व में कमी करने वा उससे बचने में दुविश्वा के खिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भ्रम्य भ्रास्तिकों को जिन्हें भारतीय भाय-कर भ्रविनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त अधिनियम, या धन-कर भ्रविनियम, 1957 (1957 का 27) के भ्रमोजनार्थ भन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, जिपाने में सुविका के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की छपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

(1) मैं ० एस० चन्च, एण्ड कं ० सि० राम नगर, नई दिल्ली द्वारा डाइरेक्टर श्री राजेन्द्र कुमार गुप्ता ।

(अन्तरक)

(2) श्री धन राज भरोड़ा सुपुत्र भगराज भरोड़ा 2/ 65, पंजाबी, बाग, दिल्ली ।

(मन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजीन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सन्बन्ध में कोई भी बाबोप:--

- (क) इस सूचना के राज्यक में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविष्ठ, जो भी प्रविध बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति होता;
- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की वारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबड़ किसी धन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के पास मिकित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण !--इसमें प्रयुक्त शब्दों घीर पदों का, जो उक्त ग्राध-नियम, के अध्याय 20क में परिचाचित है, बही अधंहोगा, जो उस अध्याय में विमा .समा है।

नगत्त्री

म्युनिसीपल नं० 4633, क्षेत्रफल 833, वर्ग फिट, ग्रंसारी रोड, वरीया गंज, दिल्ली।

> विमख विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (विरीक्षण) भर्जन रेंज-II, नई विल्ली

दिनांक: 7-9-1981

प्ररूप आई. टी. एम.. एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-Iा, नई दिल्ली-110002
नई दिल्ली, दिनांक 7 सितम्बर 1981

संदर्भ 3 नि० सं० आ० आ०/एक्वीजीमन 2/एस० आर०-1/1/81/7284— चूंकि में, विमल विभिन्ट, आयफर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है और जिसकी संख्या मकाम नं० 958, वार्ड नं०,

एवं जो० कुचा चेलन, गली राजन, दरीया गंज, में स्थित हैं (जिसका श्रिधिक विस्तृत विवरण वंलग्न अनुसूची में विया गथा है) को पंजीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16वां) के श्रिधीन पंजीकरण श्रिधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक जनवरी, 1981

को पूर्विक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विवित्त में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, जक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों क्ये, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, कियाने में सविधा के लिए;

(1) श्री द्वारका नाथ सुपुत्र सीता राम, 1958, कुचा चेलन, दरीया गंज, दिल्ली

(अम्तरक)

(2) श्री मोहमद सङ्यद, सुपुत्र मोहमद इश्राहिम 1958, कुचा भेलन दरीया गंज, विल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पृवाँक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा सधोहस्ताक्षरी के पास सिंहित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में प्रिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

न्तृस्ची

मकान नं० 1958 वार्ड नं०-XI, कुचा चेलन, गली राजन, दरीया गंज, विल्ली

> विमल ं विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) स्रर्णन रेंप्र-II, नई दिल्ली

अत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिश्वत व्यक्तियों, अधीत :--

दिनांक : 7-9-1981

मोहर 🕄

> कार्यालय सहायक आयक र आयुक्तं (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली-110002

नई दल्ली, दिनांक 7 सितम्बर 1981

संदर्भ 3 नि० स० ग्रा० ग्रा०/एक्वीजीशन 2/एस० ग्रार०-1/1-81/7293—चूंकि मैं, विमल विशिष्ट, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित धाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं ग्रीर जिसकी सं० एस० एस० बी० एच-3/12 है एवं जो मोडल टाउन, में स्थित हैं, (जिसका ग्रिधक विस्तृत विवरण संलग्न ग्रमुसूंची में दिया गया है) को पंजीकरण ग्रिध नियम 1908 (1908 का 16वां) के ग्रधीन पंजीकरण ग्रिध कारी के दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक जनवरी, 1981

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार भूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या
- (ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;
- अत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थीत् :---

- (1) श्री प्रेम नाथ ग्रोवर, श्रीमती चन्दर वती, ग्रौर राम पीयारी, एच-3 /12, मोडल टाउन दिल्ली, (अन्तरक)
- (2) श्री श्रोम प्रकाश भासीन, तिलक राज, जगदीश लाल भासीन, सी-1/3-डी/III. मोडल टाउन, दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर्के पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपित्त में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हीं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

एस॰ एस॰ वी॰ नं॰ एच॰-3/12, मोडल टाउन, दिल्ली ।

विमल विशिष्ट, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जुन रेंज-II, नई दिल्ली

दिनांक: 7-9-1981

प्रकप आहाँ. टी. एन. एस.------

भायकर अनुभिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुभना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, नई विल्ली-110002, नई विल्ली, दिनांक 7 सितम्बर 1981

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- क से अधिक है

ग्रौर जिसकी संख्या जी० की० क्याटर नं० 12/6 (डी० एस०), है एवं जो रामेश नगर, में स्थित हैं, (जिसका भ्रधिक विस्तृत विरण संलग्न श्रमुसूची में दिया गया है) को पंजीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16वां) के श्रधीन पंजीकरण श्रधिकारी के नई दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक जनवरी 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल ,के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पम्यह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक क्य से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तुरण से हुई किसी जाव की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आज या किसी धन या अस्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सूर्विधा के लिए;

कत. अस, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, म्र्ं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--- (1) श्रीमती सुन्दरी बाई सुपुत्नी बावर दास, 12/6, रामेण नगर, नई विल्ली

(हस्तांतरणकर्ता)

(2)° श्री प्रकाश चन्द मुपुत्र मौती राम, 6/28, पुरानी राजिन्दर नगर नई दिल्ली

(इस्सांतरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथांकत सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप:--

- (क) इस सूचना के द्राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बढ्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्पण्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त सन्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

वन्सूची

जी० बी० क्वाटर नं० 12/6, (बी० एस०) रामेश नगर नई दिल्ली

विमल विशष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनांक: 7-9-1981

सील:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकः आयुक्त (निरीक्षण) प्रजन रेज-2, नई दिल्ली-110002 मई दिल्ली, दिनांक 14 सितम्बर 1981

सदर्भ स० 3 नि० स० आ० आ०/एक्वीजीशन 2/एस० आर०-1/1/81/7317,—चूकि मै विमल विशिष्ट आयकर अधिनियम, 1961 (1961 पा 43) (जिस इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपीत्त जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या प्लाट नं० 3, है एव जो अशोका पार्क एक्स० बसई दारापुर, में स्थित है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया है को पजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16 वा) के अधीन पजीकरण अधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनाक जनवरी 1981

करें पूर्वों कत सपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एोमे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नितिस्ति उद्देश्य से उक्त अन्तरण निक्ति में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दाने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए, और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया स्राप्त के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 9—286GI/81

- (1) श्री हरफूल सिंह सुपुत्र बचन मिह, 2/128, हरीजन बस्ती, नई रोहतक रोड, दिल्ली ।
 - (हस्तांतरणकर्ता)
 - (2) विद्याबती सस्थान, 29-ग्रलोक पार्क, एक्सटेनशन, बसई दारापुर, दिल्ली।

(हस्तांतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति संपति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप .--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में फिए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

प्लाट नं० 3, ग्रशोका पार्क एक्सटेशन, बसई दारापुर, दिल्ली ।

विमल विश्वष्ट सक्षम प्राधिकारी निरीक्षीय सहायक श्रायकर श्रायुक्त ग्रजैंन रेज-2, नई दिल्ली

दिनांक 14-9-1981 मोहर :

प्ररूप आई. टी. एतृ. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, नई दिल्ही-110002

नई दिल्ली, दिनांक 7 सितम्बर 1981 संदर्भ सं० 3 नि० स० श्रा० श्रा०/एक्वीजीशन 2/ एस० श्रार०1/ 1-81/7327—चूंकि, मैं विमल विशिष्ट,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या 494 श्रीर 495, है एवं जो श्रन्दरून लाल कटरा, खारीबावली, में स्थित हैं, (जिसका श्रधिक विस्तृत विवरण संलग्न श्रनुसूची में दिया गया है को पंजीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16 वां) के श्रधीन पंजीकरण श्रधिकारी के दिल्ली हिथद कार्यालय में दिनांक जनवरी,

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पर्तित का उचित बाजार मूल्य उसके धश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरित्वा) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उचित अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरण से हुई किसी झाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए था छिपाने भें मिविधा के लिए;

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---- (1) श्री धर्जुन दास श्रौर दुसरे सुपुत्र शंकर दास, 4578 महाबीर बजार, क्लौथ मार्केट, फतेहपुरी, विल्ली

(हस्तांतरणकर्ता)

(2) श्री कमल कुमार सुपुत्न राम कुमार, 2240 **हिंगबांग**, तिलक बजार, दिल्ली

(इस्तांतरिती)

को यह सूचना जारी कर्क पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उकत सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्:--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षाहस्ताक्षरी के पास विखित में किए जा सकोंगे।

स्पर्ध्याकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अधिनियम के अध्याय 20 के में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

श्रनुसूची

प्रो० नं० 494 श्रौर 495 श्रन्दरून लाल खरीबाघली, दिल्ली

> निमल विशिष्ट उक्षम प्राधिकारी निरीक्षीय सहाकय श्रायकर श्रायुक्त ग्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनांक: 7-9-1981

सील ः

प्रख्य भाई० टी० एन० एस० -----

आयकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के ग्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्थालय, सहायक आयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, नई दिल्ली-111002, नई दिल्ली, दिनांक 7 सितम्बर 1981

सदर्भ 3 सं० नि० स० ग्रा० ग्रां०/एक्वीजीशन 2/एस० ग्रार०-1/1-81/7312—चूिक में विमल विशष्ट ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियमें कहा गया है), की आरा 269-ज के ग्रिधीन सजम प्राधिकारों कों, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- घंग्ये मे ग्रिधिक है और जिसकी संख्या मकान नं० सी०-3/19, है, एवं जो राणा प्रताप बाग में स्थित है, (जिसका ग्रिधिक विस्तृत विवरण संलग्न ग्रमुसूची में दिया गया है को पंजीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16 वां) के ग्रिधीन पंजीकरण ग्रिधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक जनवरी, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त समासि का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और प्रतारती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उनत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किशत नहीं किया गया है।—

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी आय की बाबत उनत अधि-नियम के अधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। और/या
- (ख) ऐसी किसी आयं या किसी धन या अन्य आस्तियीं को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, भव, उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के अनु-सरण में, में, उक्त अधिनियम की घारा 269-भ की अपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अ्यक्तियों,अर्थात्।—— (1) श्री जगदीश लाल सुपुत्र केसर मल मेहता, सी-3 /19, राणाप्रपात बाग, दिल्ली

(हस्तांतरणकर्ता)

(2) श्री सतपाल सुपुत्र केसर मल मकान नं शी-3/19 राणाप्रताप बाग, दिल्ली

(हस्तांतिरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की श्रवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सुचना के राजपन में प्रकाशन की नारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, यधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा मकोंगे।

स्पन्धीकरण:---६समें प्रयुक्त शब्दों प्रौर पदों हा, जो उक्त प्रधि-नियम के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित है, वहीं यर्थ होगा, जो उस श्रष्टयाय म दिशा गया है।

प्रनुसूची

मकान नं० सी-3/19, राणात्रताप बाग, दिल्ली

विमल विशिष्ट सक्षम प्राधिकरी निरीक्षीय सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त श्रर्जंन रेंज-2, नई दिल्ली

तारीक 9-1981 मोहर प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आवकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं भारा 269-थं (1) के अभीन स्थान

भारत सरकार

कार्यासम, तहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण).

भ्रर्जन रेंज, नई दिल्ली-110002 नई दिल्ली, दिनांक 7 सितम्बर 1981 सं० सं० 3 नि० स० भ्रा० भ्रा०/ऐक्सीजीशन 2/एस० भार०-1/ 1-81/7333--वृकि, मैं विमल वशिष्ट

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त विधिनियम कहा गया है), की बारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारच है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द • से अधिक है

भौर जिसकी संख्या जी० बी० क्वाटर नं० 47/4, है एवं जो पूंची पटेल नगर, में स्थित हैं, (जिसका ग्रधिक विस्तृत विवरण संलग्न श्रनुसूची में दिया गया है को पंजीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16 वां) के ग्रधीन पंजीकरण श्रधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनाक जनवरी, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वासक करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूण्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, एसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिशों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गथा प्रति-कल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्रीयक स्पंसे कथित नहीं किया गया है:--

- (क) जन्तरण ते हुई किसी आय की बाबत, उक्त जिमियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; जौर/बा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्सियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, जै, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधित्:--

- (1) श्रीमती राजवन्ती पत्नी श्री भगवान दास लेसी, 47/4, पूंर्वी पटेल नगर, नई दिल्ली (हस्तंतरणकर्ता)
- (2) श्री बाद्गुर चन्द्र सुपुत्र डोंगर मल, 47/4, पूर्वी पटेल नगर, नई विल्ली

(इस्तातरिती)

को यह सूचना जारी करके पृक्तेंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यगाहियां करता हुं।

र्वेक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेत्र :--

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीन से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों कर सूचना की तामील से 30 दिन की नवधि, जो ही नवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीत्र पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाक लिकित में किए जा सकेंगे।

क्यक्टें क्षरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उत्त अध्याय में दिवा गया है।

मनुसूणी

आरि० बी० कथाटर नं० 4.7/4 पूर्वी पटेल नगर, नई किल्ली

> विमल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी निरीक्षीय सहायक ग्रायकर शायुक्त गर्जन रेंज-1; नई किली

विनांक: 7-9-1981

सील:

प्रकप वाई॰ टी॰ एन० एस०--

आयंकर प्रक्षितियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-भ (1) के प्रजीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक अायकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज-2, वर्ष विल्ली

नई विल्ली-110002, दिनांक 7 सिसम्बर 1981

संवर्भ सं०3 नि० स० झा० झा०/एक्वीजीशन 2/एस● झार-1/ 1-81/7311--चूंकि मैं विमल विशिष्ट

मामकर प्राथितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परुषात् 'उपत प्रधितियम' कहा गया है), की धारा 269-का के प्रधीत सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संक्ति जिन्हा उचित्र बाजार मूख्य 25,000/- क० से प्राथिक है

मोर जिसकी संख्या मकान नं ० 111/19 है एवं जो माम आजादपुर, में स्थित है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया है को पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16 यां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली स्थित कामिलय में दिनां रू जनवरी 1981

को वृथोंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रातिष्ठला के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूला, उनके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के प्रवेश प्रतिक्रत से अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिक (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य में उच्त अन्तरण लिखित में बाक्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रस्तरण में हुई किसी काय की बाबत उक्त धरि-नियम के श्रधीन कर वेने के अन्तरक के वाविश्व में कनी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। और/बा
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी घन या भ्रम्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर ग्रधिनियम, 1822 (1922 का 11) या उक्त ग्रधिनियम, या धंन-कर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, श्रव, उक्त प्रक्षिनियम, की घारा 269-ग के अनुसरण में;मैं, स्कत ग्रिधिनियम की घारा 269-घ की उपघारा (1) के अजीन, निम्नलिखित व्यक्तियों पर्यात् :--- (1) श्रीमता वया वेवा पत्नी गोबिन्छ राम गुलाटी सी-1, प्रार्था समाज रोड, प्रार्थेश नगर, दिल्ली ।

(हस्तान्तरणकर्ता)

(2) श्रीमती कुष्य खन्ना पश्नी प्रकाण खन्ना, मकान नं० 3951-52, नया बाजार विस्सी । (हस्तान्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजेंन के सिए कार्यवादियां करता हूं।

जनत सम्पत्ति के धर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आवीप:---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी खासे 45 विन की प्रविध या तस्सम्बन्धी अ्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की भ्रविध, जो भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त अ्यक्तियों में से किसी अपक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीका से 45 विन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में वित-विद्या किसी अन्य स्थावित द्वारा अधोहक्ताक्षरी के, पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वव्हीकरण: --- इसमं प्रयुक्त शब्दो भीर पदों का, जॉ छक्ता प्रधिनियम के प्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित है, वही प्रथं होगा, जो उस अध्माव में दिया गया है।

अनुसुची

मकान नं० 111/19, केबल पार्क कालोभी, ग्राम भाजाधपुर, विल्लो राज्य, ।

> विमल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहावक जायकर जायुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज-2, नई दिल्ली।

दिनांक 7-9-1981 मो**ह**रः प्ररूप् आर्द्र.टी.एन्.एस्.-----

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदवात् 'उक्तृ अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख् के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण् है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

भीर जिसकी संख्या जें ० बा० क्वाटर नं० 112, है एवं जो शक्ति नगर, माल रोड, में स्थित है, (जिसका श्रधिक विस्तृत विवरण संलग्न भ्रनुसूची में दिया गया है को पंजीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16 वां) के श्रधीन पंजीकरण श्रधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक जनवरा 1981

को पूर्वोक्त संप्रित के उचित बाजार मूल्य से कम के सस्यमान प्रितिफल के अन्तरित की गई है और मुफे मह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांक्त संपरित का उचित बाजार मून्म, उसके स्रयमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तर प्रतिफल का पन्तर प्रतिफल का पन्तर प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तर प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुइ किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम् के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। शहर/या
- (क) ऐसी किसी आयु या किसी धन् या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनुकर अधिनियम, या धनुकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना आहिए था छिपाने में स्विभा के लिए;

अतः अत्व, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग को, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) को मुभीन, निम्मुलिखित व्यक्तियों, सुभूति हि--- (1) श्वी सलीय कुमार सु_उव श्वी ध्रमृत लाल, सोप नं० ए/12, हाथी खाना, विल्ली।

(हस्तान्तरणकर्ता)

(2) श्रीमती मिना पासवाल, परनी मेजर ए० सी० पासवाल, नं० 112, हिकक्ष नगर, दिल्ली ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप् ३--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खारे के 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पद्र सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 चिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्ष्री के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त क्षवों और पदों का, जो उक्का अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित:

हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा ग्या है।

जनुसुची

जी॰ बी॰ पो॰ नं॰ 112, हफीकत नगर, माल रोड, दिल्ली।

विमल विशिष्ट सुद्धम् प्रापिकारी सहायक आयक्त आयुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-2, नई दिल्ली।

दिमांक: 7-9-1981

माहरू

प्ररूप माई० टी० एत० एस०---

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक अायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-2, नई विल्ली नई विल्ली-110002, विनांक 7 सितम्बर 1981

सन्दर्भ 3 नि० सि० ग्रा० ग्रा०/एक्वीजीशन 2/-एस० ग्रार०-1/1-81—-च्रिक में विमल विशिष्ट,

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- एपए से अधिक है

भीर जिसकी मं० मकान नं० 113, है एवं जो निरंकारी कालोनी, में स्थित है (जिसका श्रधिक विस्तृत विवरण संलग्न श्रनुसूची में दिया गया है को पजोकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन पंजीकरण श्रधिवार के दिल्ली, स्थित कार्यालय में दिनांक जनवरी, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मृख्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए प्रन्तरित की गई है प्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोका सम्पत्ति का उणित बाजार मृख्य उसके दृश्यमान प्रतिकान से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का गम्बह प्रतिशत श्रीधक है श्रीर मन्तरक (मन्तरकों) पौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया पतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथिन नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई िकसी धाय की बाबत, इक्त भिक्षितियम के भ्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (बा) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्राय-कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अवं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1) के सभीन निम्नलिखित व्यक्तियो, अर्थात् ;--- (1) श्रीमती देवकी, सुपुती श्री करम बन्द, 113, निरंकारी कालोती. दिल्ली द्वारा जी० ए० रामेश बन्दर बहल, सुपुत कृशन लाल बहल

(इस्तान्तरणकर्ता)

(2) श्रीमती मोतोया देवी, परनी बर्कत राम, बैरेक नं० 29, हदशान लाइन, के० कैम्प, दिल्ली ।

(इस्तांतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के घर्जन के सम्बन्ध में कोई भी घाओप :--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की वारी के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी खन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्केंगे।

स्पन्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय-20क में परिभाषित है, बही मर्ब होगा को उस मध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान मं० 113, निरंकारी कालोनी, दिल्ली, खसरा नं० 163।

> विमल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्कर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-2, नई दिल्ली।

दिनीक : 7-9-1981

प्रारूप आई.टी.एन.एसं.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज 2, नई (दरली

नई दिल्ला-110002, दिनांक 7 सिसम्बर 1981

निदेश सं० सन्दर्भ 3 नि० स० आ० आ०/एक्वर्जिश्वन 2/-एस० आर०-1/1-81/7344---चूंकि में विमल विशिष्ट

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

स्रोर जिसकी संख्या प्रो० नं० 275, है एवं चीतला गेट, चाचरी बाजार, दिल्ली में स्थित है, (जिसका स्रधिक विस्तृत विवरण संलग्न में दिया गया है को पंजीकरण स्रधिनियम 1908 (1908 का 16वां) के श्रधीन पंजीकरण स्रधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यांक्य में दिनांक जनवरी, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिक्षल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, मिम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण स्मित्त में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्था अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अत्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन मिम्निसित्त व्यक्तियों सर्थात्:-- (1) श्रोमती फूलवतो पत्नी भगवान दास और दूसरे, 811, गर्ला डोरे वाल , पहाड़ गंज, नई दिल्ला

(हस्तान्तरणकर्ता).

(2) श्री महेन्दर पाल, सुपृत धरम पाल 533/20-ए, गर्ला जैन मन्दिर, गांधी नगर, दिल्ली

(हस्तान्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पृत्रोंकत सम्पृत्ति को अर्जन के जिहें कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्चन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की जबिथ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (च) इस स्वना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबह्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के पाब लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम, के बध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

मनुसूची

प्रो॰ नं॰ 275, चीतला गेट, चावरी बाजार, दिल्ली

विमल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) स्रजैंन रेंज-2; नई दिल्ली :

दिनांक: 7-9-1981

प्ररूप आर्च. टी. एन्. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायकत (निरीक्षण)

श्चर्णन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्लीं, विनांक 14 सितम्बर 1981

निदेश सं० संदर्भ 3 नि० स० म्रा० म्रा०/एकजीजीशन 2/- एस० म्रार०-/ 1-81/7304—चूंकि, मैं विमल विणिष्ट

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

भीर जिसकी संख्या मकान नं 0 1170-71, है एवं जो गली जामन वाली, हिसमुदीन हैटर, में स्थित है, (जिसका श्राधक विवरण मंख्यन श्रनुस्ची में दिया गया है को पंजी करण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16वां) के श्रधीन पंजीकरण श्रधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक जनवरी, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित काजार मूल्य से कम के पश्यमान प्रतिफल के लिए

प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि प्यापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित्र बाजार मूख्य, उसके दृष्यमान प्रतिकत्त से ऐसे दृश्यमान प्रतिकत्त का प्रवह प्रतिकत प्रश्चिक है और अन्तरक (प्रन्तरकों) और अन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित हहेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कचित नहीं मया है।—-

- (क) अन्तुरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिये; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——
10—286GI/81

(1) श्रीमती किफायतृत्तिमा एलीयम किफायतजन पत्नी नवाज मोहम्मद साफी 960 हवेली हिसामुदीन हैदर, बालीमारन दिल्ली एण्ड श्रादर्स

(हस्तान्तरणकर्ता)

(2) श्रो मोहम्मद यूनम मुपुत्र मोहम्मद श्रयूब 1842, कटरा शेख, चन्द सास कुबन, दिल्लो

(हस्तान्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप 🖫 🗝

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 विन की अविधि; जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा; ■
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पृथ्विकि दण:--इसमें प्रयुक्त कथ्वों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं-, बही अर्थहोगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 1170-71/6 गली जामनवाली, हवेली हिमामुद्दीन हैदर, बालीमारान, दिल्ली

> विमल विशिष्ट मक्षम प्राधिकारी निरीक्षीय महायक श्रायकर श्रायुक्त श्रर्णन रेंज, 2, नई विस्ली ।

दिनांक : 14-9-1981

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०—

भ्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प्र (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 12 प्रगस्त 1981

निदेश स० सदर्भ 3 नि० स० भ्रा० भ्रा०/एक्कीजीशन 2/-एस० ग्रार०-1/1-81—चुकि मैं विमल विशिष्ट

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चांत् 'छक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ज के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि व्यादर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूल्य 25,000/- क० से अधिक है

भौर जिसकी स० मकान न० 3828, है एव जो वार्ड नं० 3, गली मकबुल प्रेस वाली, मोरी गेट दिल्ली में स्थित है, (जिसका प्रधिक विस्तृत विवरण सलग्न भ्रनुसूची में दिया गया है को पजीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16वा) के अधीन पजीकरण प्रधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनाक जनवरी 1981

की पूर्वेक्ति सम्यक्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रति एल के लिए धन्तरित को गई है धौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्यक्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्डल प्रतिगत से घिक है और धन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (धन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कचित नहीं किया गया है

- (क) अन्तरण संदुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मधिनियम, या धन-कर मधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए का, छिपाने में सुविधा के लिए।

श्रतः अबः, उनतं अधिनियमं की धारा 269-ग के धनुसरण में, में उनतं अधिनियमं की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निक्मिलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती सचलेष्ठ बेगम पत्नी रहमान इलाही साहिब 2241, गली कासीम जान, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री बलदेवराज रहेजा सुपुत्र सत राम रहेजा जी-15, किर्ती नगर, नई दिल्ली श्रौर धवर्स श्रीर श्रीमती ध्रमर जीत कौर पत्नी श्री जसवन्त सिंह निवासी 3876 गोरी गेट, वेहली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मंबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राज्यक में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सक्यकी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धवधि, जो भी घवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति डारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकानन की तारीख से 45 दिन के भीतर उन्ते स्थावर मम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्ष रो के पास लिखित में किए जा सर्केंगे।

स्पक्कीकरणः चन्द्रसमें प्रयुक्त शक्दों और पदों का, जो छक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं मर्च होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 3828 वार्ड नं० 3, गली सकबुल प्रेस वाली, मोरी गेट दिल्ली।

> विमल वशिष्ट सक्षम प्रापिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली ।

दिनांक: 12-8-1981

प्ररूप आहूँ.टी.एन्.एस.,-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर आयंक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंअ-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 14 सितम्बर, 1981

निदेश सं० सन्दर्भ 3 नि० स० आ० आ०/एक्बीजीशन 2/-एस० आर०-1/1-81/7314—चुंकि में विमल विशिष्ट

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रुं. से अधिक है

भौर जिसकी संख्या प्रो० नं० 2546, है एवं जो मोहल्ला तिरहा बेहरमं खान, दरियागंज में स्थित है, (जिसका ग्रधिक विस्तृत विवरण संलग्न है अनुसूची में दिया गया है को पंजीकरण भ्रधिनयम, 1908 (1908 का 16 वा) के श्रधीन पंजीकरण भ्रधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक जनवरी, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एमें दश्यमान प्रतिफल का अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तर्ण के लिए तय पाया गया प्रतिफल किल निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; आर्/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अष, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——

(1) शेख मुमताजुल भ्राफिन मुपुत्न एलं० ममसुल भ्राफिन X2128, भ्रहाता काले साहिब, दिल्ली एण्ड भ्रदर्स,

(अन्सरक)

(2) श्रीमती चमेली देवी पत्नी भगवत प्रसाद, 3005, कुचानिलकन्थ फैंज बाजार, दरियागंज, दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना पारी करके पूर्वों कर सम्पृत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁵, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रो० नं० 2546, मोहल्ला तिरहा बेहरम खान, वार्ड नं० 11, दरियागंज, दिल्ली।

> त्रिमल विशष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

दिनांक: 14-9-1981

प्ररूप आहाँ.टी.एन.एस. ------

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 14 सितम्बर 1981

निदेश सं० संदर्भ 3 नि० स० आ० आ०/एक्वीजीशन 2/एस० आर०-2/1-81/7328—-चूंकि मैं, विमल विशिष्ट आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-खु के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पर्ति, जिसका उनित बाजार मृल्य 25,000/रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी संख्या प्रो० नं० 497 भौर 499 है एवं जो कटरा लाल, खारी बावली में स्थित है, (जिसकी भ्रिधिक विस्तृत विवरण संलग्न भ्रनुसूची में दिया गया है) को पंजीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16वां) के भ्रधीन पंजीकरण श्रिधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक जनवरी, 1981

को पूर्वोक्त मर्पास्त के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त लिखित में वास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबता, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूर्विधा के सिए। शृहर/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

मतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग को, अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के मधीन निम्मिलिक्त व्यक्तियाँ अभितः-- (1) श्री श्रर्जन दास एण्ड श्रदर्स 4578 महाबीर बाजार, क्लौथ मार्केट, फतेहपूरी, नई दिल्ली

(अन्सरक)

(2) श्री प्रकाश चन्च गुप्ता सुपुत फूल चन्द 1711/1, कन्हैया लाल बागला, भवन, क्वीनस, रोड, दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारी सा से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तिया;
- (ख) इस सूचना को राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी को
 पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, वहीं, अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनृस्ची

प्रो० नं० 497 श्रीर 499, कटरा लाल, खारी बार्षेली, दिल्ली।

विमल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

दिनांक: 14-9-1981

मोहर 🛭

प्ररूप आर्ह. टी. एन. एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

नई विल्ली-110002, विनांक 14 सितम्बर 1981

निदेश सं० संदर्भ 3 नि० स० श्रा० श्रा/एक्वीजीशन 2/एस०-ग्रार-1/1-81/7342---वृंकिः मैं, विमल विशष्ट

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी संख्या प्रो॰ नं॰ 10/1041-ए (1) है एवं जो फाटक मुफतीवाला, दिर्यागंज में स्थित है, (जिसका ग्रधिक विस्तृत विवरण संलग्न ग्रनुसूची में दिया गया है) को पंजीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16वां) के श्रधीन पंजीकरण ग्रधिकारी के विस्ली स्थित कार्यालय में दिनांक जनवरी, 1981

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रथमान प्रितिफल के लिए अन्तिरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे ध्रथममान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तिरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथा गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिये; और/या
- (क्ष) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन :--

(1) श्रीमती चान्द रानी सुपुत्नी गोबिन्द राम कपूर, 3034, काजीवारा, दरियार्गज, दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्री सुदामा लाल श्रौर हिरा लाल, सुपुत्न नेनु मल, 354, मोहल्ला जटवारा, फैंज बाजार, दरियागंज, दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल में 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अंधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

प्रो॰ 10/1041-ए, (1), फाटक मुफ्तीवालां, दरियागंज, दिल्ली ।

विमल विशिष्ट सक्षम अधिकारी सहायुक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

दिनांक: 14-9-1981

प्ररूप धाई० हो० एन० एस०----

भायकर समिनियमः 1961 (1961 का 43) की घारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायूक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 14 सितम्बर 1981

निदेश सं० संदर्भ 3 नि० स० ग्रा० ग्रा०/एक्वीजीशन 2/-एस०-म्रार-1/1-81/7346---चुंकि मैं, विमल विशिष्ट **भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)** इसमें इसके पश्चात् 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ₹○ से ग्रधिक है भीर जिसकी संख्या डी० एस० एच० प्लाट नं० 79, है एवं जो कीर्तीनगरं, नई दिल्ली में स्थित है, (जिसका श्रधिक विस्तृत विवरण संलग्न भ्रनुसूची में दिया गया है को पंजीकरण श्रधि-नियम 1908 (1908 का 16वां) के ग्रधीन पंजीकरण ग्रधि-कारी के नई दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक जनवरी 1981 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के बुख्यमान प्रति-फल के लिए सन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वीक्त सम्पत्ति का छचित बाजार मुल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रक्षिशत प्रधिक है घीर अन्तरक (घन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे भग्तरण के लिये तय पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से अन्त अन्तरण लिखित में वास्तवित्र रूप से कथित नहीं किया गया है।---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए। सौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत ग्रिधनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्वरिती धारा प्रकट नहीं किया गया बाया किया जाना चाहिए वा, कियाने वें सुविधा के लिए।

श्रतः अब, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री मदन लाल खोसला सुपुत्र दीवान चन्द, के-79, कीर्ती नगर, नई दिल्ली

(अन्तरक)

श्री लक्षमी राम, सुपुत्न ईश्वर दास, के-79, कीर्ती नगर, नई विल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के धजेन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप --

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की लामील से 30 दिन की प्रविधि, जो भी धविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूजना के राजपत में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलका किसी क्रम्य व्यक्ति ब्रारा, अधोइस्ताकारों के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्राद्धोकरण: --इसर्में प्रयुक्त गांब्सों और पदों का, जो उक्त अधितियम के ग्राष्ट्रयाय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे दिया गया है।

अनुसूची

डी ० एस० बी ० प्लाट नं० के-9, कीर्ती नगर, नई दिल्ली बसई दारापुर, दिल्ली

> विमल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, नई विल्ली

दिनांक: 14-9-1981

प्ररूप आई. टी. एन. एस.------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) को अधीन स्वना

आरत सरकार

कार्यालय. सहायक अायकर आयुक्त (निरक्षिण) प्रजीन रेंज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 14 सितम्बर 1981

निदेश मं० संदर्भ 3 नि० म० ग्रा० ग्रा/एक्कीजीशन 2/एसग्रा -1/1-81/7348—चंकि मैं विमल विशिष्ट

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000 रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या मकान नं० 4778, है एवं जो 23-दरिया गंज, में स्थित है, (जिसका श्रधिक विस्तृत विवरण संलग्न श्रनुसूची में दिया गया है को पंजीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन पंजीकरण श्रधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक जनवरी 1981

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रित्तिल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्म, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण विश्वित में वास्तविक रूप से किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिस्हें भारतीय आधकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिती च्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-स के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--- श्री राज रानी फेमीली ट्रस्ट 16-बी/4, आसफ भ्रली रोड, नई दल्ली द्वारा ट्रस्टीज

(अन्तरक)

(2) श्रीमति उषा रानी, पत्नी श्री के० सी० जैन, 113, दरिया गंज, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप् :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बविध, जो भी बच्चीध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्पद्धिकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुत्वी

मकान न॰ 4778, 23 दरिया गुंज, विल्ली।

विमल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज 2, नई दल्ली

विनांक: 14-9-1981

मोहरः

प्ररूप आई. टी. एन्. एस.---

अस्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 भ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

नंई दिल्ली, दिनांक 29 अगस्त 1981

निदेश सं० संदर्भ 3 नि० स० श्रा० श्रा/एक्बोजीशन 2/एस० श्रार 1/1-81/7354—चूंकि मैं विमल विशिष्ट

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- च के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित नाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी संख्या प्रो० नं ९ 280/2, है एवं जो कुचासंयोगी . राम नया बांस दिल्ली में स्थित है, (जिसका श्रीधक विस्तृत विवरण संलग्न श्रनुसूची में दिया गया है) को पंजीकरण श्रीधनियम 1908 (1908 का 16वां) के श्रीधन पंजीकरण श्रीधकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय में विनांक जनवरी, 1981

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूर्यमान प्रतिकल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूर्यमान प्रतिकल से एसे रूर्यमान प्रतिकल का प्रवृद्ध प्रतिशत बिधक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल किल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक कप मे कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अस्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे अधने में सुविधा का निष्; आदि/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए, था छिपाने में सुविधा के लिए;

सतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत :--

(1) श्री शिव शंकर दयाल मुपुत्र बाबू राम,280 कूचा संयोगी, राम,नया बांस, दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्री जय प्रकाश गुप्ता, सुपुत्र तारा चन्द, हवेली हैदर ग्रली, चान्दनी चौक, दिल्ली

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपति के वर्जन के विषय कार्यवाहियां करता है।

उक्स सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत स्विक्तयों में से किसी व्यक्ति बुबारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीबः में 45 विन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति इतारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रो॰ नं॰ 280/2, कूचा संयोगी राम, नया बास, विल्ली

विमल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

दिनांक 14-9-1981 मोहर: प्ररूप. आई. टी. एन. एत.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत् सरकार

कार्यालय, सहायक आयक र आयुक्त (निरीक्षण)

म्पर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 4 सितम्बर 1981

निवेश सं० संदर्भ 3 नि० स० भ्रा० ग्रा० एक्वीजीशन 2 एस० ग्रार०-2/1-81/4086—चूकि मैं विमल विशिष्ट आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके प्रथात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं भ्रोर जिसकी संख्या कृषि भूमि हैं एवं जो ग्राम नांगली पूना, में

थ्रौर जिसकी संख्या कृषि भूमि है एवं जो ग्राम नांगली पूना, में स्थित है, (जिसका ग्रिधिक विस्तृत विवरण संलग्न ग्रानुसूची वियागया है को पंजीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन पंजीकरण श्रिधिकारी के दिल्ली स्तिथ कार्यालय में दिनांक जनवरी, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से होसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच होसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तिवक रूप से किया गया है ——

- (क) अन्तरण से हुर्इ किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना धाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों अधित्:--

(1) श्री लखी राम सुपुत्र श्री श्रभेंय राम, ग्राम-नांगली पूना, दिल्ली

(अन्तरक)

(2) मै० ग्ररिहन्त इन्टरप्राइजेज, 2689 सबर याना रोड, विल्ली द्वारा सवस्य श्री ग्रामोक जैन

(अन्तरिती)

को यह सूचमा जारी करके पूर्वों क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पर्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, आों भी अविधि बाद के समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति क्यारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्व व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्थाध्यीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित ही, वही अर्थहोगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि योग्य भूमि 7 बिये ग्रौर 4 बिश्वे खसरा नं० 15/20, 15/21, ग्रौर 19/1, ग्राम मांगली पूना, दिल्ली

> विमल विशिष्ट सक्षम प्राभिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

दिनांक: 4-9-1981

मोद्रर:

प्रारूप आहें. टी. एत. एस. -

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) क़े अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक र आयुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज 2, नई विल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 सितम्बर 1981

निवेश सं० संदर्भ 3 नि० सा० ग्रा० ग्रा०/एक्जीवीशन 2/एस० ग्रार० 2/ 1-81/4102/446--चूकि में विमल विशिष्ट
आमकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे
इसके परवात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रापए से अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या 12, जीवानी ब्लाक, है एवं जो गंगा राम वतीका, में स्थित है, (जिसका ग्रधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया है को पंजीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16वां) के ग्रधीन पंजीकरण ग्रधिकारी के नई दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक जनवरी 1981

करे पूर्वीक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उधित बाजार, मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल को एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार) और अन्तरित (अन्तरित्यार) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि बिह में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उत्तर अधिनियम के अधीन कर देने को अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना भाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269 म की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिसित व्यक्तियों अर्थात् :--- (1) श्री कनवार लाल गुप्ता सुपुत्र श्री धरम सिंह 19-ए, कीर्ती नगर, दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्री वेद मितर माली सुपुत्र श्री हन्स राज नेला जे-II, गंगा राम वतीका, नई दिल्ली

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्स सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू कारता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप .--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकर्गे।

स्पच्छीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का ओ उक्तु अधिनियम के अध्याय 20 - क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं ० 12, क्षेत्रफल 265 वर्ग गज, जीवानी ब्लाक, गंगा राम बतीका, नई दिल्ली

> वि॰ल विशष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जान रोज-2; नई दिल्ली ।

दिनांक: 4-9-1981

मोहर 🤨

प्ररूप आइ .टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम : 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

नदेश सं० संदर्भ 3 न॰ स० ग्रा० ग्रा०/एक्वीजीशन 2/ एस० ग्रार०-2/1-81/4103—-चुकि मैं विमल विशिट

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उसत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/रा. से अधिक है

ष्मीर जसकी संख्या कृषि भूमि है एवं जो ग्राम दीचावन कलन, में स्थित है, (जिसका श्रिधिक विस्तत विवरण संलग्न श्रनुसूची में दिया गया है को पंजीकरण श्रिधितियम 1908 (1908 का 16 वा) के श्रिधीन पंजीकरण श्रिधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनाक जनवरी, 1981

करे पूर्वोवत संपत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिशत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिशित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम, के अभीन कर बेने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी माय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (f) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात्:--- (1) श्री प्रेम[ं] जोत राम, सोहन लाल, रघुनाथ सुपुत्र श्री खेम चन्द, ग्राम-पो० शाहपुर, जेट, नई विल्ली

(अन्सरक)

(2) श्री, राजिन्दर सिंह लम्बा, सुपुत्र श्री कहन सिंह लम्बा, टी-1/18डी, राजोरी गार्डन, नई दिल्ली

(अन्त*िरती*)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खासे 45 दिन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की सामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पट्टोकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्द, अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

भ्रनुसूची

कृषि भूमि 13 बिघे श्रौर 2 बिश्वे, ज्ञाम डीचावन, कलन, दिल्ली

> विमल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज 2, नई दिल्ली

विनांक: **4-9**-1981

मोहर 🗵

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

यायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्णन रेंज 2, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 4 सितम्बर 1981

निदेश सं० संदर्भ 3 नि० म० द्या० द्या० एक्सीजीशन 2/ एस० ग्रार० 2/1-81/4104—चूंकि मैं विमल विशब्द

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से अधिक है

भौर जिसकी संख्या कृषि भूमि है एवं जो ग्राम दीचावन कलन, में स्थित है, (जिसका ग्राधिक विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया है को पंजीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16वां) के श्रधीन पंजीकरण श्रधिकारी के नई दिल्ली स्थित कार्यालय में विनांक जनवरी, 1981

भी पूर्वोक्त संपत्ति के उजित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमात प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है प्रौर मुझे यह विश्वास करों का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और प्रन्तरक (ग्रन्तरकों) भीर प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य भ उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किश्त नहीं किया गया है:---

- (क) भन्तरण से दुई किसी खाय की बाबत उक्त श्रधि-नियम के श्रधीन कर देने के भन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या ग्रम्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर श्रिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः भव, उन्त भविनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्त अधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नित्वित व्यक्तियों, अर्थात :-- (1) श्री प्रेम जोत राम, सोहन लाल ग्रौर रघु नाथ, सुपुत खोम चन्द, ज्ञाम-शाहपुर जेट, नई दिल्ली

(हस्तान्तरणकर्ता)

(2) श्री सर्बजीत कौर लम्बा पत्नी श्री राजिन्दर सिंह लम्बा, टी-1/18डी, राजौरी गार्डन, मई दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियो करता हं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख ने 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संगत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्रारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्कटीकरण:—इसमें प्रयुक्त मन्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस ग्रध्याय में दिश गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 10 बिघे भौर 1 बिरवा, ग्राम दीचांव कलां दिल्ली

> विमल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

विनांक: 4-9-1981

मोहर 🖫

प्ररूप माई० टी० एन० एस०-

सयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) क प्रधीन सूचना

भारत यरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्ष्ण) प्रर्जन रेज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 18 सितम्बर 1981

निदेण सं० सदर्भ 3 नि० स० ग्रा० ग्रा० / एक्बीजी ग्रा 2/ एस०-ग्रार०-2/1-81/4107—चूिक में विमल विशिष्ट आयकर प्रिविनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से ग्रिधिक है

बाजार मूल्य 25,000/- रुपए स आधक ह भ्रौर जिसकी संख्या सोप नं० 2, है एवं जो इन्दर पुरी, में स्थित है, (जिसका भ्रधिक विस्तृत विवरण संलग्न भ्रनुसूची में दिया गया है को पंजीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन पंजीकरण श्रधिकारी के नई दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक जनवरी, 1981

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृण्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह शिश्यास करने का कारण है कि यथापूर्योक्षा सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसह दृश्यमान अतिकत से, ऐसे वृश्यमान अतिकत से, ऐसे दृश्यमान अतिकत से, ऐसे दृश्यमान अतिकत है और अन्तरक (अन्तरकों) ओर अन्तरितों (अन्तरितया) के बीच एवं अन्तरण के लिए तम पाया गया अतिकत निम्ति जिल उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक छप से कियत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण ने हुई किसी आय को बाबत उक्त अधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। खौर/या
- (ख) ऐसी किसो आय या किसो धन या धन्य ध्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उम्त ध्रधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ध्रन्तरिती बारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में मुविधा के लिए;

श्रतः, श्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-सरण मे, में, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के धधीन, निम्नलिखित स्थिक्तियो, अथौत्:— (1) श्री श्रात्मा राम सुपुत्र श्री किरपाल राम, 4766, प्रताप स्ट्रीट, 23-दरियागंज, दिल्ली

(हस्तान्तरणकर्ता)

(2) श्री जे० के० गोयल, सुपुन्न श्री द्यार० पी० गोयल, ई० ए० 128, इन्दरपुरी नई दिल्ली

(अन्तरिति)

को यह भूवता जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के निए कार्यवाहियों करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध मे कोई भी भाक्षेप :→-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को अविधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की नामोल से 30 दिन की प्रविध जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वता के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भोतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो छक्त अधि-नियम के प्रध्याय 20-क मे परिभाषित है बही प्रथं होगा, जा उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं आर/सोप न 2, क्षेत्रफल 131 वर्गगज, इन्द्र-पुरी, नई दिल्ली

> विमल विशष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

विनांक: 8-7-1981

प्ररूप आई. टी. एन. एस ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 जुलाई 1981

निदेश सं० संदर्भ 3 नि० स० म्रा० म्रा०/एकजीवीशन 2/एम- म्रार-2/1-81/4110—चूकि मैं, विमल विणब्ट

आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हु"), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रू. से अधिक है

श्रीर जिसकी सख्या कृषि भूमि है एव जो दीचा कलां, में स्थित हैं (जिसका ग्रधिक विस्तृत विवरण संलग्न श्रनुसूची में दिया गया है) को पंजीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16वां) के श्रधीन पंजीकरण श्रधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय म दिनांक जनवरी 1981

को पूर्वेक्ति संपित्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल मे, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिग्रत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया मया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्लिखत में वास्तिविक रूप से किया ग्या है:—

- (क) अनुसरण से हुद्दै किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम को अधीन कुद्ध दोने के अन्तरक के वामित्व में कभी कुदुने या उससे अधने में सुविधा के लिए; आद्र/या
- (का) ऐसी किसी आय् या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयुकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अज, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः— (1) श्री जोताराम, सोहन लाल ग्रीर रघुनाथ, सुपुत्र श्री खेम चन्द, ग्राम पो० शाहपुरा जेट, नई दिल्ली

(हस्तान्तरणकर्ता)

(2) श्री राजिन्दर सिंह लाम्बा, सुपुत्र श्री कहन सिंह लम्बा, टी-1/18डी, राजोरी गार्डन, नई दिल्ली

(अन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पस्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में द्वित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निष्टित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम को अध्याय 20-क . में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

गुस्ची

कृषि भूमि का क्षेत्र 18 बिघे ग्रौर 2 बिग्वे, ग्रौर एक ट्यूब वेल, ज्ञाम दीचा कलां, दिल्ली

> विमल विभाष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आय्क्स (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज=2, नई दिल्ली

दिनांक: 4-7-81

मोहर 🖫

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) को अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 18 सितम्बर 1981

निदेश सं० संदर्भ 3 नि० स० म्रा० म्रा०/II क्वीजीशन 2/-स० भ्रार-2/1-81/4111—चूंकि मैं विमलविशष्ठ वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्ते अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या कृषि भूमि है एवं ओ ज्ञाम दीचांकलां में स्थित है, (जिसका श्रधिक विस्तत विवरण संलग्न श्रनुसूची में दिया गया है को पंजीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16वां) के ग्रधीन पंजीकरण श्रधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक जनवरी, 1981

कां पूर्वांक्त संपिति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि थयापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पम्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त लिखित में धास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान से स्विधा के लिए;

अतः ख्व, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग कें, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (१) के अधीन निम्नतिक्ति व्यक्तियों अधित्ः-- (1) श्री प्रेम जोताराम, सोहनलाल श्रौर रघुनाथ सुपुन्न खेम चन्द, ज्ञाम म०पो० शाहपुर जेट, नर्ड दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्री ध्रमरजीत कौर लाम्बा पत्नी श्री हरभजन सिंज लाम्बा, सी-81, नरायणा विहार, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

कृषि भूमि क्षेत्र 15 विषे ग्रौर 3 विष्वे, ज्ञाम दीचांकलां, दिल्ली

> विमल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) प्रजीन रेंज 2, नई दिल्ली

दिनांक: 4-7-1981

मोहर् 🛚

प्ररूप आइ. टी. एन. एस.----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज 2, नई दिल्ली नई दिल्ली, .दनांक 18 सितम्बर 1981

निदेश सं० संदर्भ 3 नि० स० ग्रा० ग्रा०/एस्बीजीशन 2/-एस० ग्रार०-2/1-81/4112---चूं कि मैं विमल विशिष्ट

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी संख्या कृषि भूमि है एव जो दीचाय कलां, में स्थित है (जिसका ग्रधिक विस्ता विवरण संलग्न श्रमुसूची में दिया गया है जो पंजीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16 वां) के ग्रधीन पंजीकरण श्रधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक जनवरी, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्ष्यमान प्रतिकल में, एसे त्रवसान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल कि निम्निलिखत उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथा नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी क्षाय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या लन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपान में सविधा के लिए;

अतः गव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मूंं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत्:---

- (1) श्री जोत राम, सोहन लाल ग्रौर रघुनाथ सुपुत श्री खेम चन्द, ज्ञाम पो० शाहपुर जेट, नई दिल्ली
- (2) श्री हर भंजन सिंह लम्बा सुपुत्र कहन सिंह लम्बा, मकान नं० सी-81, राजोरी गार्टन, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

(अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप .---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील में 45 दिन की अवधि या तन्मम्बन्धी व्यक्तिया पर सूचन। की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी वर्वाध 'बाद में समाप्त होती ही, की भीतर पूर्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसुची

कृषि योग्य भूमि 16 बिघे श्रौर 17 बिग्वे, ज्ञाम दीचवां कलां, दिल्ली

> विमल विभिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

दिनांक: 4-7-1981

त्ररूप आई० ही० एन० एम०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269न्व (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयका आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, अमृतसर नई दिल्ली, दिनांक 14 सितम्बर 1981

निदेश सं० सदर्भ 3 नि० स० श्रा० श्रा०/एक्वीजीशन2 एस० भ्रार-2/1-81/4143--चुिक मै विमल बिशिष्ट आयकर अधिनियम, 1961 (1961 हा 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'खक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा ं 99-ध के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका वाजार मन्य 25,000/-रुपय श्रौर जिसकी सख्या जी० बी० ख्वाटर नं० 11/26, है एव जो सुभाष नगर, नई दिल्ली मे स्थित है, (जिसका ग्रधिक विस्तृत विवरण सलग्न श्रनुसूची में दिया गया है को पजीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16वा) के श्रधीन पंजीकरण श्रधिकारी के नई दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनाक जनवरी, 1981 को पूर्वीवत सम्मान के उचित बाजार मह्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तारत को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीस्त सम्पत्ति का खिन बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एमे दृश्यमान प्रतिहत से पन्द्रह प्रातशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिता (अन्तरितिया) के बीच रेम अन्तरण क । नर् तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य में उन्त भन्तरण निखित में त्रास्तविक रूप से कथिन

(क। अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, एक्त अधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या

नहीं वि. म । ५, 1 .---

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर ग्रिधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्योजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मुविधा के लिए;

त्रत. इव, उक्त अप्यापित हा प्रार 23)-प के अपु सरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात :--12—286GI/81 (1) श्री शाम लाल सुपुत्र खुशी राम,11/26, सुभाष नगर,नई दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्री प्रेम सिंह सुपुत्न निहाल सिंह जे-13/55, राजौरी गार्डन, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तिया पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी
 श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्न के प्रक्राशन की तारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, घष्टोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदो का, जो उक्त श्रिधिनश्चम, क श्रष्टवाय 20-क में परिभाषित है, वही श्रथं जागा, जो उस श्रष्टवाय में दिया वया है '

अनुसूची

जी० बी० क्वार्टर नं० 11/26, सुभाष नगर, नई दिल्ली

विमल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनाक 14-9-1981

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत राजकार

कार्यालय, सष्टायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मार्जन रेंज 2, नई दिल्ली नई विल्ली, दिनांक 14 सितम्बर 1981

निदेश सं० संदर्भ 3 नि० स० श्रा० श्रा०/एक्जीवीणन 2/ एस० श्रार० 2/1-81/4168——चूकि मैं विमल विशिष्ट

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्रान्किशरी को, यह विस्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार म्ल्य 25.000/--रु. सं अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या प्लांट नं० मी/डी-3 है एवं जो हरीनगर, क्लोंक टायर, में स्थित है, (जिसका श्रिधिक विस्तृत विवरण संलग्न श्रनुसूची में दिया गया है को पंजीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16वां) के श्रिधीन पंजीकरण श्रिधिकारी के नई दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक जनवरी 1981

को पूर्वेकित सम्पित्त के उच्चित वाजार मृल्य से काम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त संपित्त का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अतिरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए, और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्ता अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तीरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त आंधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्ति, अर्थात्:--- (1) श्री इन्दरा ब्राहूजा सुपुत्री भीम सेन, पत्नी राजिन्दर पाल, मकान नं० ब्रार०-811, न्यू राजिन्दर नगर, नई दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्री बी० सी० कटोच, सुपुत्र लक्षमन सिंह केटच सी-168-डी, हरी नगर, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जार। करको पूर्विक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध मा कोई भी आक्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 पिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर क्यक्तिया में से किसी व्यक्ति ब्वारा,
- (स) इस स्थान के राजपत में पकाशन की तारीय से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी स्याप्तित द्वारा प्योहस्याक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पळीकरणः-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, क अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

मकान नं० सी/डी/3, हरीनगर, घंटाघर, ब्लाक-सी, ग्राम तिहाड़,नई दिल्ली

> विमल विशिष्त्र सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

दिमांक : 14-9-1981

प्ररूप आर्धः टी. एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज 2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 14 सितम्बर 1981

निवेश सं० संवर्भ 3 नि० स० ग्रा० ग्रा०/एक्जीवीणन 2/ एस० ग्रार०-2/1-81/4176—चूंकि में बिमल बिशिष्ट

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/ रु. से अधिक है

भ्रौर जिसकी संख्या मकान नं बी० ए०/11-12 है एवं जो विस्त्र नगर, में स्थित है, (जिसकी श्रधिक विस्तृत विवरण संखग्न भ्रमुसूची में दिया गया है को पंजीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16वां) के श्रधीन पंजीकरण श्रधिकारी के दिल्ली स्थित कार्याक्षय में दिनांक जनवरी, 1981

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक कप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ज) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिस्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्रीमती स्राज्ञा कौर पत्नी बशीन वास कुकरेजा, स्राई-85, नानक पुरा, मोती बाग-2, नई दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्री राम किश नसुपुत्र श्री पीयारे लाल, बी-ए /11 घ्रौर 12, वरिन्दर नगर, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रों क्ला सम्पत्ति को अर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्प्रित के अर्ज़न के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी ध्यानितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर ध्यावसयों में से किसी ध्यावस बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिस्ति में किए आ सकोंगे।

स्यव्योकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उपत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस् अध्याय में दिया गया है।

अनुस्की

मकान नं वी ० ए०/11-12, विरन्वर नगर, नई विल्ली

विमल् विशिष्ट समक्ष प्राधिकारीं सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज 2, नई दिल्ली

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः ---

दिनांक: 14-9-1981

प्रकप नाइ. टी. एन. एसं.-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-्घ (1) के अधीन सूचना

भारत सर्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 14 सितम्बर 181

निदेश सं० संदर्भ सं० नि० स० भ्रा० भ्रा० एक्जीवीशन 2/एस० भ्रार०/1-31/4165—चूंकि मैं विमल बिशष्ट अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्नौर जिसकी संख्या कृषि भूमि है एवं जो ग्राम वरारी, में स्थित है, (जिसका श्रधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया है को पंजीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16वां) श्रधीन पंजीकरण श्रधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक जनवरी, 1981

को, पूर्वोक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई ही और मूओ यह विश्वास करने का कारण ही कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक का किल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किया गया ही:——

- (का) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये और/या
- (का) ऐसी किसी आय पा किसी धन या अन्य आस्तिया का, जिन्हों भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनक्तर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

(1) श्रीमती कृषन कुमारी, पत्नी श्रीहरी नन्द श्ररोड़ा श्रौर दूसरे 3415, गली माजियन, दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्री मुखदेव चन्द मेहता पी०/श्री० में पारामाउन्ट पेंट एण्ड मेंटल वर्क, 3421, गली बजरंग वली, .बाजार सीता राम, दिल्ली

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, क्रे भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्तिं द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 के में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हाँ।

अनुसूची

कृषि भूमि खसरा नं० 490/1, ग्राम बरारी दिल्ली

विमल विशष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

मतः अस, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) में अभीन, निम्नीजिसत व्यक्तियों अथीत्:---

दिनांक : 14-9-1981

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रैंज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 सितम्बर 1981

निदेश सं० संदर्भ नं० नि० स० आ० आ०/एक्जीबीशन 2/ एस० प्रार०-2/1-81/4125—चूकि मैं विमल विशिष्ट आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी संख्या कृषि भूमि है एवं जो ग्राम वकौली में स्थित है, (जिसका ग्रधिक विस्तृत विवरण संलग्न ग्रनुसूची में दिया गया है को पंजीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन पंजीकरण ग्रधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय में विवांक जनवरी, 1981

कां पूर्वों कत सपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के रश्यभान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिसित में वास्तविक रूप से कथित नृहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, जनत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :-- (1) श्री श्रमीचन्द सुपुत्र श्री हैटा कास्ट गावीया ग्राम पो० बकौली, दिल्ली राज्य, दिल्ली

(अन्तर्क)

(2) श्री ग्रेर जंग बाहरी, श्री इन्दर लाल बाहरी ग्रौर दूसरे, 5/6, रूप नगर, दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पर्ित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्यद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्वष्टिकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 के में प्रिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्त्र्ची

कृषि भूमि का क्षेत्र 5 बिघे ग्रांर 10 बिश्वे, ग्राम बकौली, दिल्ली

> विमल विशिष्ट . सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

दिनांक: 8-9-1981

मोहर 🕆

प्रकप भाई० ठी० एन० एस०---

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याल्य सहायक आयुक्तर आयुक्त (निर्दीक्षण)

ध्रर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

नई दिल्लो, दिनांक 7 शितम्बर 1981

निदेश सं० संवर्भ 3 नि० स० श्रा० श्रा०/एक्वीजीशन 2/ एस० श्रार-2/1-81/4124—चूंकि मैं विमल बशिष्ट ग्रायकर श्रिवित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिवित्यम' कहा गया है) की धारा 269-ख ं । ओन सन्नम श्रीधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/-द्रुप से श्रिक है

भौर जिसकी संख्या कृषि भूमि है एवं जो ग्राम बपरोला, में स्थित है, (जिसका श्रधिक विस्तृत विवरण संलग्न ग्रनुसूची में दिया गया है जो पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16वां) के प्रधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक जनवरी 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मूल्य से कम के दूश्यमान प्रातफल के लिए प्रश्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दार् प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (ग्रन्तरकों) और प्रन्थरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उनत प्रन्तरण लिखित म नास्त्विक कप से कृषित नहीं किया गया है:—

- (क) मन्तरण से हुई किसी माय की बाबत, उक्त घरिक नियम के अधीन कर वन के अन्तरक के दायिका में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को जिन्हें भारतीय भाय-कर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के भ्रयोजनाय भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या कियों जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए।

बतः बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसूरण मा, मो, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन, निम्नलि[बत् व्यक्तियों, वर्धात्ः—— (1) श्री दया नन्द, सुपुत्र भोम चन्द, ग्राम अपरोला, दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्री स्रादित्य विक्रम मेहरा, सुपुत्न ए० के० मेहरा 35, पश्चिमी मार्ग, बसन्त विहार, नई विल्ली

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपल्ल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब क्ष
 किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखात में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त भ्रिध-नियम, के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित है, वही भ्रथ होगा जो उस भ्रष्टमाय में दिया गया है :

अनुसूची

कृषि भूमि 158 बिघे (1/8 धाग), ग्राम बपरोला, दिल्ली

विमल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयुकर आयुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

विनांक: 7-9-1981

प्ररूप आई.टी.एन.एस -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 7 सितम्बर 1981

निदेश सं० संदर्भ 3 नि०ं स० वा० ग्रा०/एक्वीजीशन 2/एस-ग्रार-2/1-81/4089—-चुंकि मैं विमल विशिष्ट

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रा. से अधिक हैं

स्रौर जिसकी संख्या कृषि भूमि है एवं जो ग्राम पालम, में स्थित है, (जिसका ऋधिक विस्तृत विवरण संलग्न ग्रनुसूची में दिया गया है को पंजीकरण ऋधिनियम 1908 (1908 का 16वां) के ऋधीन पंजीकरण ऋधिकारी के नई दिल्लो स्थित कार्यालय में दिनांक जनवरी, 1981

को पूर्विकत सम्पिति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सपिति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का जन्दृह प्रिकान में अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितिदो) के बीर एसे अन्तरित है एए पर प्रया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अत्तरण निम्नलिखित में वास्तिवक हूप में किथा नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण में हार्ड किमी १८७ की बाबत, उपत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या एममें बचने में स्विध्य के लिए; और/या
- (ल) ऐमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (10?2 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत[.] अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात हु—

(1) श्रीमती विमला चावला पत्नी एस० एल० चावला, जे-64, नई दिल्ली साउथ एक्सटेंशन, भाग-1 नई दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्री सोमा राना पत्नी सतपाल गुलाटो श्रौर श्रोमतो राज रानी, पत्नी कृशन लाल, दोनो का निवास स्थान 74-राजा मार्टन, नई दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वा क्त सम्पित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकासन की तारीस से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकागन की तारीख से 45 दिन के भोतर उकत स्थावर नम्यत्ति में हितबद्ध किमी अन्य न्यक्ति द्वारा, अधोत्स्नाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 4 बीघा 16 बिस्वा ग्राम पालम नई दिल्ली

विमल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी **सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)** ग्रर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

दिनांक: 7-9-1981

मोहर 🛭

प्ररूप आहूर. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जुन रेंज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 7 सितम्बर 1981

निदेश सं० सुंदर्भ 3 नि० स० ग्रा० ग्रा० एक्जीवीशन 2/ एस० ग्रार-2/1-81/4109—चूंकि मैं विमल विशष्ट आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चार 'उक्त अधिनियमा कहा गया है'), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित्, जिसका उनित बाजार मूल्य 25,000/—रा. से अधिक हैं ग्रोर जिसकी संख्या कृषि भूमि है एवं जो ग्राम झंगोला में स्थित है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न श्रनुसूची में दिया गया है का पंजीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16वां) के प्रधीन पंजीकरण श्रधिकारी दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक जनवरी,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ध्यमान भितफ स के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके इश्यमान प्रतिफ ल से, एसे इश्यमान प्रतिफ ल का पन्सह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि खित में वास्तिविक रूप से कि थित नहीं किया गया है:-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए, और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ज की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अ्थित् :---

(1) श्री विमल देवी, पत्नी श्री मुकन्द लाल ग्रीर दूसरे ग्राम श्रंग्रेला, दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्री गुलजारी लाल मुपुत्र रती राम, ग्राम श्राखीर पुर मजरा दिल्ली

(अन्तरिती)

को य**ह सूपना जारी करके पृवर्धेक्त सम्प**त्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप:---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामिल से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरण: — इसमें प्रमुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 29-के में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

भन्सची '

कृषि भूमि 4 विवे ग्रीर 16 विश्वे, ग्राम संगोला, दिल्ली

विमल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजन रेज 2, नई दिल्ली

दिनांक 7-9-1981 मोहर: प्रकप प्रार्थं दी । एन । एस • -----

प्रायकर प्रधिनिवम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व(1) के प्रधीन सूचमा

मारत सरकार

कार्यालय सहायक आयक र आयक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज 2, मई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 7 सितम्बर 1981

निवेश सं० संदर्भ 3 नि० स० आ० आ/एकजीवीशन 2/एस० आर-2/1-81/4152—चूंकि मैं विमल विशिष्ट आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है के स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से प्रधिक है

भौर जिसकी संख्या कृषि भूमि है एवं जो कादरा पुर, में स्थित है (जिसका श्रधिक विस्तृत विवरण संलग्न श्रनुसूचा में दिय गया है को पंजाकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16वां) के श्रधीन

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान प्रान्त कल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विषवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उणित बाजार मूख्य, उसके वृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत प्रधिक है और प्रन्तरक (अन्तरकों) भौर भन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित वास्नविक खर ने कथिन नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधि-नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (क) ऐसी किसी भाव या किसी बन या भ्रम्य कास्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या छक्त भिधिनियम, या धन-कर ग्रीभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने ६ सुविधा के लिए;

बतः सब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः——
13—286G1/81

(1) श्री राजिन्दर सिंह सुपुत्र नारायण सिंह, ग्राम कादीपुर, दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्री केदार नाथ खन्ना सुपुत्र सरदारी लाल खन्ना 22-म्रार-1, भ्रोरीजिनल रोड, करोल बाग, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्तिके अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्वति के ग्रजीन के सम्बन्ध में की हैं भी प्राक्षन :--

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पद सूजना की तामील से 30 दिन की भ्रविधि, जौ भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाजन की तारीण से 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक किसी प्रम्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्ववदीक्रस्ण:--इसमें प्रमुक्त जरूरी ग्रीर पर्दो का, जी उक्त ग्रीध-नियम, के श्रद्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि का क्षेत्रफल 24 बिघे ग्राम कादीपुर, विल्ली

विमल विशष्ट सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) भ्रर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

दिनोंक : 7-9-1981

मोहरु 🖟

प्ररूप आर्ष: टी. एन. एस.-----

मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर धायकत (निरीक्षण)

मर्जन रेंज, नई दिल्ली-110002

वर्ष दिल्ली-110002, दिनांक 7 सितम्बर, 1981

सं० संवर्भ 3 नि० स० म्रा० प्रा०/एक्कीजीशन 2/एस-म्रार-2/
1-81/4147—चूंकि में विमल विशिष्ट
म्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (और जिसे इसमें
इसके गश्चान् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण है कि
स्थावर सम्यति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपये
से पश्चिक है

मौर जिसकी संख्या कृषि भूमि है एवं जो ग्राम-बकौली, में स्थित हैं, (जिसका ग्रधिक विस्तृत विवरण संलग्न श्रनुसूची में दिया गया है को पंजीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16 वां) के श्रधीन पंजीकरण श्रधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक जनवरी, 1981 को

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते, यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया ग्या है :—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त प्रिध-हिनयम के भ्रधीन कर देने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या छससे बचने में सुविधा के जिए; हैमीर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या ग्रान्य ग्रास्तियों को जिन्हें भारतीय ग्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रधिनियम वा धनकर ग्रधिनियम वा धनकर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अवं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखिस व्यक्तियाँ अर्थातु:--

(1) श्री साहिध सिंह सुपुत्र किशन लाल, ग्राम ग्रीर पो० बकौली, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती तिल्का रानी, पत्नी नाथुराम, ई-73, टैगोर गार्डेन, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

जनत सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :⊸-

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण:-- इसमें प्रयुक्त गन्दों भीर पदों का जो जक्त अधि-नियम के अध्याय 20-ज में परिभाषित हैं, वही धर्य होगा, जो उस श्रष्ट्याय में दिया गया है।

वृत्सूची

कृषि भूमि क्षेत्र 1 विघे भौर 6 विक्वे-ग्राम-धकौली, दिल्ली।

> विमल विधाष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक क्षायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली।

दिनांक: 7-9-1981

मोहर ः

प्ररूप साई॰ डी॰ एत॰ एस॰---

वायकर अधिनिवम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के ब्राघीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) ग्रार्जन, नई विलंली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 7 सितम्बर, 1981

सं० संदर्भे 3 नि० स० भ्रा भ्रा०/एक्वीजीशन 2/एस-भार-2/1-81/भ129—चूंकि मै विमल विशिष्ट भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) इसमें इसके पत्रचात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-ख के श्रजीन सक्षम ग्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका **उ**चित *बाजार* भृत्य 25,000/- र० श प्रविक है भ्रौर जिसकी संख्या कृषि भूमि है एवं जो ग्राम-पीरगढ़ी में स्थित है, (जिसका भ्रधिक विस्तृत विवरण संलग्न भ्रनु-सूची में दिया गया है को पंजीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16 वां) के ध्रधीन पंजीकरण ग्रधिकारी के विल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक जनवरी, 1981 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूख्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है भीर मन्तरक (मन्तरकों) भीर भन्तरिती (अंतर्शितमों) के बीच ऐसे मन्तरण के निए तय पाया स्या प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उनत चन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया **₹** :—

- (त्र) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, जनत घषिनियम भ अधीन कर देने के धन्तरक के बाधितक में कमी करने या उससे वशने में सुविक्षा के किए। बौर/ना
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या सन्य सास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या धक्त प्रधिनियम, या सन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्व सन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाता चाहिए दा, किया में सुविधा के किए।

भतः भव उक्त मधिनियम की धारा 269-न के अनुसरण में, में उक्त प्रिधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:-- (1) श्रीमती सुरजीत कौर पत्नी श्री ए-1/314, पश्चिम विद्वार, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री सुरीन्दर सिंह सुपुत्र श्री किशन सिंह, जे-9/ 54; राजोरी गार्डेन, नई दिल्ली।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के संबंध में कोई की धाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख चे 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभावित हैं, बह्री अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में वियागया है।

मन्स्ची

कृषि भूमि, ग्राम-पीरागढ़ी, दिल्ली।

विमल विशिष्ट, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-2, नई विल्ली।

विनोक: 7-9-1981

मोहर 🛭

प्रस्प बार्ड. टी. एन. एस.-----

स्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीय सूचना

भारतु सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज, नई दिल्ली-110002 नई दिल्ली-110002, दिनांक 7 सितम्बर, 1981

सं० संवर्भ 3 नि० स० ग्रा० ग्रा०/एक्वीजीशन 2/एस-मार-2/1-81/4153--- चूंकि मैं विमल विशष्ट अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000 /- रत. से अधिक हैं ग्रौर जिसकी संख्या कृषि भूमि है जो ग्राम--अखतावापुर, दिल्ली राज्य में स्थित हैं, (जिसका ग्रधिक विस्तृत विवरण संलग्न श्रनुसूची में दिया गया है को पंजीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16वां) के ग्रतीन पंजीकरण श्रधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक जनवरी, 1981 के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्इ है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उत्सक दश्यभान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अब्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्विक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयुक्ती बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उत्सरी बचने में सुविधा के लिए; आर्र/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपभारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तिस्पॉ अधित :—

(1) श्री महिन्दर सिंह सुपुत जागी, प्राम—बखतवार-पुर, दिल्ली राज्य।

(अन्तरक)

(2) श्री शेर सिंह सुपुत्त श्री रती राम, ग्राम----बखतावरपुर, दिस्सी राज्य।

(अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पृथां कत् सम्मृत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाओग :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तिए;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बस्थ किसी अन्य व्यक्ति व्यारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

कृषि भूमि 2 विषे भौर 8 विश्वे, ग्राम अखतवारपुर, विल्ला।

> विमल विशष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, नई विल्ली।

विनांक: 7-9-1981-

मोहर 🗄

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

क्षायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज, नई विल्ली-110002

नई विल्ली-110002, विनांक 7 सितम्बर, 1981

सं० संदर्भ 3 नि० स० मा० भा०/एक्वीजीशन 2/एस-बार-2/1-81/4164(ए)—चंकि मै, विमल विशष्ट

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं -

ग्रौर जिसकी संख्या कृषि भूमि है एवं जो ग्राम—बेवाना, में स्थित है, (जिसका ग्रधिक विस्तृत विवरण संलग्न श्रनु-सूची में विया गया है को पंजीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16 वां) के श्रधीन पंजीकरण श्रधिकारी के विल्ली स्थित कार्यालय मे विनांक जनवरी, 1981

को प्वोंक्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूदा कि मपित्त का उपित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विखित मे वास्तिवक इप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत, उक्त विधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के किए; वार्/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री राम चन्दर सुपुत टीका राम, ग्राम—केवाना, विल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री रचबीर सिंह, जीत राम, सुपुत्र मेघा, ग्राम---बेवाना, दिल्ली।

(मृन्तरिती)

को यह सृचना जारी करके पृवांक्त सम्पृत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहिया गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अविभिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविभि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वस्त्रीकरणः — इसमें प्रयूक्त कब्बो और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हु^त, बहु अर्थ ह्योगा जो उस अध्याय में दिया गया हु^त।

वन्स्की

कृषि भूमि 13 बिघे ग्रौर 6 बिश्वे, ग्राम—वेवाना, दिल्ली।

> विमल वशिष्ट, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई विल्ली।

अत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन, निम्निजित व्यक्तियों, अधित :——

दिनांक: 7-9-1981

प्रकप् बाइ _ टी. एन्. एस्._----

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-मु (1) के सभीन तुम्बना

भारत सरकार

काय्तिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, नई विल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 7 सितम्बर 1981

सं० संदर्भ 3 नि० स० ग्रा० ग्रा०/एक्वीजीशन 2/एस-ग्रार-2/1-81/4180---मुंकिः मैं, विमल विशिष्ट

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचास 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रज. से अधिक हैं

श्रौर. जिसकी संख्या कृषि भूमि है एवं जो ग्राम हौलम्बी खूर्व में स्थित है, (जिसका ग्रिधिक विस्तृत विवरण संलग्न श्रनुसूचि में दिया गया है जो पंजीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16वां) के ग्रिधीन पंजीकरण ग्रिधिकारी के विल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक जनवरी, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का वग्रण है कि यथापूर्योक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितयाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पावा गया प्रति-फल निम्मलिखित उद्वेष्य से उक्त, ब्न्सुरुण निस्ति में बास्त्विक हम से कृषित नहीं किया गया है —

- (क) अन्तरण से हुद्दै किसी आय की वाबत उक्त विध-ित्यम के ब्रुधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें आयुकर अधिनियमं, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियमं, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए।

जतः अ्व, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को स्थीन, मिस्नुनि[चुत् स्यक्तियाँ], स्थातकच (1) श्री जगजीत सिंह सुपुत्र राम सरूप, ग्राम---होलम्ब खूर्द, दिल्ली।

(अन्तरुक)

(2) श्रीमती सन्तोष गर्ग पत्नी श्री एस० के० गर्ग, बी/2, रूप नगर, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र को प्रकाशन की तारीक से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों एर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण्: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जनसंबंधि

कृषि भूमि का क्षेत्र 10 विषे और 8 विश्वे-खासरा नं. 29/20 ग्राम-होलम्बी खुर्व, विल्ली

> विमल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रज़ैंन रेंज-2, नई दिस्ली।

विनांक: 7-9-1981

मोहर् 🖫

प्रहम् ब्रा**इ**ै. टी.: एन्., एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज, नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली 7 सितम्बर 1981

सं क्षेत्रभे 3 नि ० स० आ०आ०/एक्क्रीजीशन 2/एस-आर-2/1-81/4169,—चूंकि मैं विमल विशिष्ट,

आयक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-क अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-क. से अधिक है

भीर जिसकी सं० कृषि भूमि है एवं ग्राम-घेवरा, में स्थित है, (जिसका श्रिक्षक विस्तृत विवरण संलग्न श्रनुसूची में विया गया है तो को पंजीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16 वां) के श्रधीन पंजीकरण श्रिधिनारी के— दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक जनवरी, 1981

को पूर्वोक्त संपर्तित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से, ऐसे स्थ्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिवात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अस्तरणु से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; औ्र√या
- (च) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हुं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा को लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, भाँ उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निल्खित व्यक्तियों अधीत् धन- (1) श्री देवराज, सुपुत्र मन्द लाल, 1159, रान भाग' सक्रूर बस्ती, दिल्ली ।

(अन्तरिसी)

(2) श्रीमती सुशीला देवी तत्नी बी० ग्रार० ग्रमिलयपी, जे-17, श्री० डा० ए० फ्लैटस, नरायणा, दिल्ली । (अन्तर्क)

को यह स्चना जारी करके पूर्वांक्त सम्पित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अंधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित . ह¹, वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गयां हैं।

अनुसूची

कृषि भूमिक क्षेत्र 3 विघे भौर 8 विषवे, ग्राम-घे बरा, दिल्ली ।

(विम पशिष्ट) सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकार आयुक्त, (निरक्षिण) श्रर्जान रेंज 2 नई दिल्ली।

विनांक: 7-9-1981

मोहर 🛭

प्ररूप आइ .टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज, नई दिल्ली-110002 नई दिल्ली, दिनांक 7 सितम्बर 1981

सं० संदर्भ 3 नि० स०-भ्रा० म्रा०/एक्कीजीशन 2/एस-म्रार०-2/1-81/4093,—-चुकि मैं विमल विशिष्ट,

शायकर श्रीधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं० कृषि भूमि है एवं जो ग्राम-नरेला में स्थित है, (जिसका ग्रिधिक विस्तृत विवरण संलग्न भ्रनुसूची में दिया गया है की पंजीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16 वा) के ग्रधीन पंजीकरण ग्रिधिकारी दिल्ली स्थिति कार्यालय में विनांक जनवरी, 1981

को पूर्वोक्त सपित के उजित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रांतफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय का बाबत; उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी कड़ने या उससे बचने में सृविधा-के लिए; आहर/या
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या ज्या कारितयों को, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण भ्रें, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ज की उपभारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--- (1) श्री बिहरी लाल, हजारीलाल, सुपुत श्री याना भौर दूसरे ग्राम-साफियाबाद, तहसील—सोनीपत,

(अन्तरक)

(2) श्री जागीन्दर सिंह, बरीन्दर सिंह सुपुत्त श्री रिसाल सिंह श्रीर दूसरे ग्राम-नरेला, दिल्ली

(बन्सरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचभा के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की शविध या तरसंबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबूध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया गया हैं।

नगुल्बी

कृषि भूमि का क्षेत्र 41 बिघे घोर 7 विषवे, बामें-नरेखा, दिल्ली

विमल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक बायक र आयुक्त (निरक्षिण) प्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनांक : 7-9-1981

प्ररूप भाई० टी० एन● एस०----

भायकर भिष्टिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भ्रधीन सुकना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर धायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, नई दिल्ला-110002 नई दिल्ला, दिनांक 7 सितम्बर, 1981

सं संदर्भ 3 नि० स० भ्रा० भ्रा०/एक्बीजीशन 2/एस०-श्रार०-2/1-81/4145—चृंकि मैं, विमल विशष्ट,

धायकर भिष्ठितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भिष्ठितयम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भिष्ठीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से प्रधिक है

धौर जिसकी सं० कृषि भूमि है एवं जो ग्राम-नवादा, में स्थित हैं, (जिसका प्रधिक विस्तृत विवरण संलग्न धनुसूची में दिया गया है है को 'जिंगकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16 वां) के प्रधीन पंजीकरण प्रधिकारों के दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक जनवरी, 1981

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त भ्रधिक नियम के श्रधीन कर देने के अन्तरक के दायिश्व में कमी करने या उसमे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी घन या भन्य भास्तियों को जिन्हें भारतीय भाय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त भिष्ठित्यम, या धन-कर भिष्ठित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रभोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

भतः अव, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के भनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, भ्रथीत्:—14—286 GI/81

(1) श्री धनीराम, सुपुत्र खूबी ग्रौर दूसरे, ग्राम-नवादा, दिरुली ।

(अन्तरक)

(2) श्रो प्रकाश मेठी भीर मुझाध सेठी सुपुत्र शाम दास सेठी भीर श्रीमत प्रीती दंगा पत्नी सतनरायण पता—तिलक नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में हितबद्ध किसी श्रम्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पब्दीकरण:---इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त श्रवि-नियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उन प्रशाप में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि के. नं० जे० पो० 850, ग्राम-नवादा, दिल्ली।

[विमल वणिष्ट सक्षम प्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरिक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली ।

दिनांक 7-9-1981 मोहरू 🛭 प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

अध्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सृष्ना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली दिनांक 7 सितम्बर 1981

मं० संदर्भ 3 नि० स० ग्रा० ग्रा०/एक्वीजीशन 2/एस०- ग्रार०-2/ 1-81/4141—चूिक मैं, विमल विशिष्ट,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/रा से अधिक है

श्रीर जिसकी सं क्षिप भूमि है एवं ग्राम-कादीपुर में स्थित है, (जिसका ग्रिधिक विस्तृत विवरण संलग्न श्रनुसूची में दिया गया है को पंजीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16वा) के श्रिधीन श्रिधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक जनवरी, 1981 को पूर्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान श्रितफल के लिए अन्तरित की गईं हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे श्रियमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिकात अधिक हैं और अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल किस निम्निलित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अस्तरक के वासित्व में कभी करने या उससे क्चने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) कं अधीन निम्निश्चित व्यक्तियों अर्थात्:-- (1) श्री राजिन्दर सिंह सुपुत्र नारायण मिंह ग्राम-कादीपुर. दिल्ली राज्य, दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री केदार नाथ खन्ना सुपुत्र श्री सरदारी लाल, 22-बी, 1, ग्रारीजीनल रोड, करोल बाग, नई दिल्ली । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वीका सम्पत्ति के <mark>अजंन के</mark> लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्र व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनुस्ची

कृषि भूमि का क्षेत्र 24 बिवे, ग्राम-कादीग्रर, दिल्ली।

विमल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन र्रेंज-2, नई दिल्ली ।

दिनांक 7-9-1981 मोहर ः प्ररूप आही. टी. एन्. एस.----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 की 43) की धारा 269-म् (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, नई दिल्ली-110002 नई दिल्ली, दिनांक 14 सितम्बर 1981 सं० संदर्भ 3 नि० स० ग्रा० ग्रा०/एक्बीजीशन 2/एस-ग्रार०-2/1-81/4172, —चुंकि मैं विमल विशिष्ट,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित जाजार मृल्य 25,000/रह. से अधिक है

श्रौर जिसकी संख्या कृषि भूमि है एवं जो ग्राम-होलम्बी, खुर्व, में स्थित है, (जिसका श्रधिक विस्तृत विषरण संलग्न श्रनुसूची में दिया गया है (को पंजीकरण श्रधिनियम श्रधिनियम 1908 (1908 (1908 का 16 वां) के श्रधीन पंजीकरण श्रधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक जनवरी, 1981,

को पूर्वों क्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास के कारण है कि यथापूर्वों क्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह भितिदात से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुन्द किसी बाय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने मा उससे वचने में सूर्विधा के निए; और/या
- (क) एंसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था कियाने में सुविधा के लिए;

- (1) श्री जगजीत सिंह सुपुत्र राम म्वरूप, ग्राम-होलम्बी (अन्तरक)
- (2) मैं o तोसी इण्डस्ट्रीज, 8/2, रूप नगर, दिल्ली । (अन्सरिती)

को यह स्पना जारी करके पूर्वोक्स सम्परित कं अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में काई भी आक्षेप:---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख त' 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, बहुी अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अभूस्ची

कृषि भूमि ग्राम-होलम्बी खुडर्व, दिल्ली।

विमल विशष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) ग्रजीन रेंज-2, नई दिल्ली ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण कों, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थीत् :---

दिनांक 14-9-1981 मो**हर**ः प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, नई दिल्ली-110002, नई दिल्ली-110002, दिनांक 14 सितम्बर 1981

सं० संदर्भ 3 नि० स० ग्रा० ग्रा०/एक्टीजीशन 2/एस-ग्रार-2/1-81/4181—-चूकि मैं विमल वशिष्ट गयकर बॉधनियम. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वजात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिस्का उचित् बाजार मृल्य 25,000/रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी संख्या कृषि भूमि है एवं जो ग्राम—बुरारी, में स्थित है, (जिसका ग्रधिक विस्तृत विवरण संलग्न धनु-सूची में दिया गया है को पंजीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16वां) के ग्रधीन पंजीकरण ग्रधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक जनवरी, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-रूप से कथित नहीं किया गया हैं:--

> (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की वाबत, उक्त अपिनियम को अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे ब्चने में सुविधा के सिए; और/या

83

(क) ऐसी किसी भाग या किसी भून या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 1१) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

सतः अस, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1), को स्भीन निम्नुलिखित स्पृक्तियाँ स्पृत्रिः (1) श्रीमती किरन बाला पत्नी प्रेम कुमार, द्वारा सी० एल० कपूर सुपुत्र गनेश दास, 238, भाई परमा नन्द कालोनी, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री सुखवेव चन्द मेहता, मैं ० पारामाउन्ट पेन्ट एण्ड मेहता वर्कस 3421, गली बजरंग बली, बजार सीमा राम, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्परित के वर्णन के निष्युं कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुदारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुी अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया हैं।

अनुसूची

कृषि भूमि खसरा नं० 490/1, प्राम---बुरारी, दिल्ली।

विमल विशिष्ट, सक्षम प्राधिकारी सहायक नायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली।

दिनांक: 14-9-1981

मोहर 🗓

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज, नई दिल्ली-110002 नई दिल्ली-110002, दिनांक 14 सितम्बर 1981 सं० संदर्भ 3 नि० स० ध्रा० घ्रा०/एक्वीजीशन 2/एस-

म्रार-2/1-81/4134—मूंकि मैं विमल विशिष्ट भायकर मिन्नियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उवित बाजार मूल्य 25,000/-इ० से भूषिक है

इक से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी संख्या कृषि भूमि है एवं जो ग्राम—होलम्बी,
में स्थित है, (जिसका ग्रेधिक विस्तृत विवरण संलग्न प्रनुसूची में दिया गया है को पंजीकरण प्रधिनियम 1908
(1908 का 16 वां) के प्रधीन पंजीकरण प्रधिकारी
दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक जनवरी, 1981 को
को पूर्वीकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के भिये अन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिशत से
प्रधिक है और प्रस्तरक (प्रन्तरकों) भौर प्रम्तरिती (अन्तरितयों)
के बीच ऐसे भन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश से उक्त प्रस्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं
किया गया है।—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत. उक्त अधिनियम के बंबीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचन में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर खिलियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपामे में सुविधा के सिए;

अतः सन, उनत अधिनियम, की धारा 269-ग के अनु-सरण में, में, उनत अधिनियम की बारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:---- (1) श्री जगजीत सिंह सुपुत्र राम सरूप सिंह, ग्राम— होलम्बी खुर्द, बिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती किरन मिन्दा, पत्नी निर्मल मिन्दा, ए-15, अशोक बिहार, फेस-1, दिल्ली।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्रवीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हैं।

छवन सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर जकत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा प्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्योकरणसं—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भर्ष होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है 🖟

अनुसूची

कृषि भूमि ग्राम--होलम्बी, दिल्ली ।

विमल विशिष्ट, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली।

दिनांक: 14-9-1981

सील :

प्रकृष बार्ड व्हे प्रकृष्ट प्रकृत्न

जायकर अधिनियम; 1961 (1961 का 45) की धारा 269-म (1) के प्रशीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

म्पर्जन रेंज, नई विल्ली-110002 नई दिल्ली-110002, दिनांक 14 सितम्बर 1981 सं० संदर्भ 3 नि० स० म्रा० मा०/एक्वीजीशन 2/ एस-म्रार-2/1-81/4135—चूं कि मैं विमल विशिष्ट मायकर मिल्ली-1135 चूं कि मैं विमल विशिष्ट मायकर मिल्ली-135 चूं कि मैं विमल विशिष्ट मायकर मिल्ली-135 चूं कि मिल्ली-143) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त बिलियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह बिश्धास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूक्ष 25,000/- द० से प्रक्षिक है भौर जिसकी संख्या कृषि भूमि है एवं जो ग्राम--ग्रली पुर,

श्रीर जिसकी संख्या कृषि भूमि है एवं जो ग्राम---ग्रली पुर, विल्ली में स्थित है, (जिसका ग्रधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया है को पंजीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16 वां) के ग्रधीन पंजीकरण ग्रधिनियम 1908 (विल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक जनवरी, 1981 को को पूर्वोंक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिये अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यभान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्डाह प्रतिशत से ग्रधिक है और अन्तरित (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए स्थापाया गया प्रतिफल निम्नलिखित छहेश्य से उचत अन्तरण लिखित में बाहाविक हम से कयिन नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बायत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए औरकृया
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए;

कतः वन, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अभीन निम्निलिसत व्यक्तियों अर्थात्:—— (1) श्री सच्चा नन्द सुपुत्न माया राम, 4712-पटेल नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री परकाम चन्द गोयल सुपुत्र घासी राम गोयल, 17/16, शक्ति नगर, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके प्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

जक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध फिसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के पास लिखिस में किए जा सकोगे।

स्पष्टिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिस हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

कृषि भूमि खसरा नं० 957 भ्राली पुर, दिल्ली।

विमल विशष्ट, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली।

दिनांक: 14-9-1981

मोहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष(1) के अधीन सुभवा

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयक र आयक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, नई दिल्ली-110002 नई दिल्ली-110002, दिनांक 14 सितम्बर 1981

सं० संदर्भ 3 नि० स० भ्रा० भ्रा०/एक्वीजीणन 2/एस-भ्रार-2/1-81/4201—-चूंकि मैं विमल विशष्ट भ्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इनके पश्चात् 'उक्न स्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/-रुपए से भ्रधिक है

श्रीर जिसकी संख्या कृषि भूमि है एवं जो होलम्बी कलन, में स्थित है, (जिसका श्रिधिक विस्तृत विवरण संलग्न श्रनु-सूची में दिया गया है को पंजीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16वां) के श्रधीन पंजीकरण श्रिधिनियम 1908 (विश्व कार्यालय में दिनांक जनवरी, 1981 को कां पृषोंक्स संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के इर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्मे यह विश्वास करने का कारण है कि यभाप्योंक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पण्डाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण किखित में वास्तविक हम में कथित नहीं किया गया है

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी श्राय की बाबल, उक्त प्रधिनियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसने बचने में मुनिधा के लिए; ग्रीर/या
- (क) एसी किनी प्राय या किसो बन या अन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिश्वित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिश्वित्यम, या धन-कर ग्रिश्वित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए:

ग्रतः ग्रव, उक्त श्रविनियम, की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-जुकी उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :— (1) श्रीनंसी कमला परनी ग्रोम प्रकाश, मकान नं० 65, सरार पिपल थालन, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री मास्टर समीर ग्रानन्द सुपुत्र श्री दीना नाथ, एफ-108, ग्रशोक विहार, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह मुवना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के मर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्राप्रैन कि सम्बन्ध में कोई भी प्राप्ती :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की धवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ज) इस पूत्रता के राजात्र में प्रकाशत की तारीज से 45 दित के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पढटो करगः ----दमनें प्रपुका गक्कों ग्रीर विशे का, जी उक्त प्रश्निनियेम के ग्राध्याय 20-क में परिमाणित हैं, बही प्रयंहोगा, जो उस ग्राध्याय में दिया गया है।

ग्रनुमूधी

कृषि भूमि ग्राम-होलम्बी कलन, दिल्ली।

विमल निषाष्ट, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली।

दिनांक: 14-9-1981

मोहरः

प्ररूप आर्ड. टी. एन्. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, नई दिल्ली-110002 नई दिल्ली-110002, दिनांक 14 सितम्बर, 1981 सं संदर्भ 3 नि स ग्रा० ग्रा०/एक्वीजीशन 2/एस-**भार-2/1-81/4123—चूंकि में** विमल विशिष्ट अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रतः से अधिक **है** ग्रौर जिसकी संख्या कृषि भृमि है एवं जो ग्राम--बपरौला, विल्ली में स्थित है, (जिसका ग्रधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया है को पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16 वां) के स्रधीन पंजीकरण ऋधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक जनवरी, 1981 को को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूप्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई हैं और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उपित काजार मुल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एेसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (त) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था ख्याने में सुविधा के लिए;

(1) श्री दया नन, सुपुत्र अभी चन्द, ग्राम—वपरौला, दिल्ली।

(हस्तांतरणकर्ता)

(2) श्री निष्चिन्त मेहरा पत्नी श्री ए० के० मेहरा, 35, पश्चिमी मार्ग, बसंत विहार, नई दिल्ली। (हस्तांतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध् में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्थव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दाें और पदाें का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि का क्षेत्र ग्राम—बरपौला, दिल्ली।

विमल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) स्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली ।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नुलिखित व्यक्तियों अर्थात् :---

विनोंक: 14-9-19**8**1.

मोहरः

प्रकप भाई॰ टी॰ एन॰ एस॰--

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक जायकार जायुक्त (निरीक्षण)

भर्जम रेंज, नई दिल्ली-110002

नई विल्ली-110002, दिनांक 14 सिसम्बर, 1981

सं ० संदर्भ 3 ति ० स ० मा ० भा ० एक्वीजीयम 2/एस-मा -2/1-81/4150--- मू कि मैं विमन्त विधिद्ध--आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/-

रु. से अधिक हैं
और जिसकी संख्या कृषि भूमि है एवं जो ग्राम—नेवादा,
में स्थित है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनसूची में दिया गया है को पंजीकरण श्रधिनियम 1908
(1908 का 16 वां) के श्रधीन पंजीकरण श्रधिकारी के
दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक जनवरी 1918

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमानं प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विद्यासं करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का गम्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक क्ष से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हर्ष किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; बौर/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या-धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ए के अनुसर्ण भौ, भौ, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् १००-15—286GI/81 (1) श्री भारतु सुपुत्र तिरखा, भीर भोम सरूप सी/ भी शान्वगी, प्राम-नेवाबा, विल्ली।

(अन्तर्क)

(2) श्रीमती भगन कौर पत्नी दर्शन लाल, सुपुत्र स्वरतकुमार, पत्नी लम्बर राम, एफ-13, उत्तर नगर, दिल्ली।

(अन्स<u>ारिती</u>)

को यह स्वना जारी करके पृवांकत सम्परित के अर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हूं।

बनत सम्मिति के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इत नृषया के राज्य में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि नाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्यष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही जर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया पत्रा हैं।

जनसूची

कृषि भूमि ग्राम-नेवादा, दिल्ली ।

विमल विशिष्ट, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-2, नई ॣ्रेंदिल्ली।

विनांक: 14-9-1981

मोहर:

प्ररूप आहे.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) को अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर वायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेज, नई विल्ली-110002 नई विल्ली-110002, दिनाक 14 सितम्बर 1981

स० सदर्भ 3 नि० स० द्या० द्या०/एक्वीजीशन 2/एस- द्यार-2/1-81/4182—चृकि मैं विमल विशिष्ट

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की भारा 269- ख के अधीन संक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

भ्रौर जिसकी सख्या कृषि भूमि है एव जो ग्राम—बरारी, मे स्थित है, (जिसका श्रधिक विस्तृत विवरण सलग्न धन-सूची मे दिया गया है को पंजीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16 वां) के श्रधीन पंजीकरण श्रधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय मे दिनाक जनवरी, 1981

का पूर्विक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकास के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकाल से एसे दृश्यमान प्रतिकाल का पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूर्विधा के लिए; जॉर/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अपितयों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नही किया गया भाया किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविभा के लिए;

सर्तः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्मरण मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-वं की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिचित व्यक्तियों अर्थात्ः--

- (1) श्री भ्रोम प्रकाश सुपुत्र राम लाल भ्रौर दूसर, 238, भाई परमानन्द कालोनी, नई दिल्ली । (अन्तरक)
- (2) श्री बलदेव चन्य मेहता, मैं० नुलक पेन्स, पेन्टस एण्ड केमीकल, 6460, कटरा बारीयन, फतेह पुरी, दिल्ली।

(मंतरिती)

क्ये यह सूचना जारो करके पृत्रों क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पर्त्ति को अर्जन को सम्बन्ध मो कोई भी आक्षीप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारी हा से 45 दिन की अविधि या तत्स बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (ज़) इस सूचना के राजंपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बब्ध किसी अन्य स्थिकत व्यारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिलित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों आरि पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थहोगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनुसूची

कृषि भूमि खसरा नं० 490/1, ग्राम--वरारी, दिल्ली।

विमल विशिष्ट, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेज-2, नई दिल्ली।

दिनांक 14-9-1981 मोहर, प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजीन रेंज, नई विल्ली-110002
नई विल्ली-110002, दिनांक 14 सितम्बर 1981
सं० संदर्भ 3 नि० स० ग्रा० ग्रा०/एक्वीजीशन 2/एसग्रार-2/1-81/4575—चैंकि मैं विमल कशिष्ट
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक हैं
ग्रीर जिसकी संख्या कृषि भिना है एवं जो ग्राम—बंकौली,

स्रौर जिसकी संख्या कृषि भूमि है एवं जो ग्राम—बंकौली, में स्थित है, (जिसका ग्रधिक विस्तृत विवरण संलग्न भनु- सूची में विया गया है को पंजीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16 वां) के ग्रधीन पंजीकरण ग्रधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय में दिलांक जनवरी, 1981

को पूर्वोक्त सपित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मूक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिम है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निचित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वासित्व में कभी करने या उससे अभने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, चिन्हों भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रकोचनार्थ जन्तौरती ब्वारा प्रकट महीं किया गया चा या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विभा के लिए;

बतः लवः, उकतः सीधीनयमं की धारा 269-गं के, अनुसरणं में, में, उक्त सीधीनयमं की धारा 269-मं की उपधारा (1) के सधीन निमन्तिस्ति व्यक्तियों सर्थात्:-- (1) श्री प्रताप सिंह सुपुन्न खचरू, ग्राम—संकौली, दिल्ली।

(हस्तांतरणकर्ता)

(2) श्री कमल जीत सिंह श्रीर बलीत सह सुपुत जीन सिंह, बी-ए-76, टैगोर मार्डेन, विल्ली।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राज्यन में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की जबिश या तस्सम्बन्धी ध्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन को जबिश, जो भी अनीभ नाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी कन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास शिक्षित में किए का सकोंगे।

स्यव्यक्तिरणः -- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पत्नों का, जी उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 3 विभे ग्रौर 6 विश्वे, खासरा नं० 225, ग्राम—वंकौली; दिली।

> विमल विशिष्ट, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली।

and the second property of the second of the

वितांक: 14-9-1981

बाहरः

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा

269-व (1) के अभीन बुक्ता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निप्रीक्षण)

श्रर्जन रेंज, नई दिल्ली-110002 नई दिल्ली-110002, दिनांक 14 सितम्बर, 1981 सं संदर्भ 3 नि स पा पा पा । प्रावीजीशम 2/प्स-ग्रार-2/1-81/4113---चुंकि मैं विमल विशिष्ट आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43), (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूज्य 25,000/- एत. से अधिक हैं ग्रीर जिसकी संख्या कृषि भूमि है एवं जो ग्राम--तिकरी कलन, में स्थित है, (जिसका मधिक विस्तृत विवरण संलग्ब धनसूची में दिया गया है को पंजीकरण घिषिनियम 1908 (1908 का 16 वां) के प्रधीन पंजीकरण ग्रधिकारी के विल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक जनवरी, 1981 को पूर्वीक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफंल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपरित का उपित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतियात से अधिक है और अन्तरक (बन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वरेश से उक्त बन्तरम सिबित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया 😿 :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व कें कमी करने या उससे बचमे में भूविभा के किये; बीर/शा
- (स) एसी किसी आय या किसी भग या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आवकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या जनत अभिनियम, वा भूग-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए वा, जिमाने में सूविया के सिए;

अत: मृत, उक्त अधिनियम, की भारा 269-गृ के मृत्रूहण भी, में अधिनियम का धारा 269-ण की उपभारा (1) के मृथीन निम्नुतिस्ति का नितर्वों, मर्थात्:——

- (1) श्री राम मेहर ग्रौर श्री भगवान, ग्राम——तिकरी कालन, दिल्ली द्वारा भटींन जेनरल कपील देवी शर्मा, 45-डब्स्यु० ए० पंजीवी बाग, दिल्ली। (हस्तीतरणकर्ता)
- (2) भी रामा समी एण्ड घवर्स, 45-वेस्ट एवम्बु, पंजाबी बाग, विस्त्री।

(इस्तांतरिती)

को मह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाद्यिंग करता हो।

उन्तर सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वक्किरणः -- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि ग्राम--तिकरी कलन, दिल्ली राज्य, दिल्ली।

विमल नशिष्टं, सुक्षम् प्राप्तिकारी सञ्चयक आयकार आयुक्त (मिरीक्षण) सर्जभ रेज-2, मई विस्त्री ।

दिनांक: 14-9-1981

मोहर:

प्रकप आई० टी • एन • एस०---

भावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) को सभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

मर्जन रेंज, नई दल्ली-110002
नई दिल्ली-110002, दिनांक 14 सितम्बर, 1981
संव संवर्भ 3 निव सव माव माव/एक्बीजीशन 2/एसम र-2/1-81/4125— चूंकि मैं विमल विशष्ट
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269ब के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपर्तित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/रु. से अधिक है

मौर जिसकी संख्या कृषि भूमि है एवं जो ग्राम—वपरौला, में स्थित है, (जिसका मधिक विस्तृत विवरण संलग्न मनु-सूची में विया गया है को पंजीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16 वां) के मधीन पंजीकरण प्रधिकारी के विस्ति स्थित कार्यालय मे दिलांक जनवरी, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिम्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

कतः वस, उक्त जिथिनियम की भारा 269-ग के, अन्सरण भें, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-- (1) श्री दया नन्द, सुपुत्र श्रमी धन्द, ग्राम—वपरौला, विल्ली।

(हुस्तांतरणकर्ता)

(2) श्री मन्दर सुपुत्र नहुनु, ग्राम—बलीयाना, जिला, रोहतक ।

(इस्सांसरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथांकत सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बस्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकांगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शक्यों आहि पर्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहा अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

भनुसूची

कृषि भूमि क्षेत्र 158 निषे और 2 निश्वे, ग्राम----नपरीला, दिल्ली।

> श्विमल वशिष्ट, सक्षम प्राधिकारी सहाबक वायकर कायुक्त (निरीक्षण) सर्जन रेंज-2, नई दिल्ली।

दिनांक: 14-9-1981

मोहर :

प्रकप आई. टी. एन. एस.----

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण (1) के अंभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (भिरीक्षण)

भर्जन रेंज, नई विल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 14 सितम्बर, 1981

सं० संवर्भ 3 नि० स० मा० म्रा०/एक्वीजीशन 2/एस-भार -2/1-81/4127—भूकि मै विमल वशिष्ट

जायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रत. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या कृषि भूमि है एवं जो ग्राम—बपरौला, में स्थित है, (जिसका श्रधिक विस्तृत विवरण संलग्न श्रनु-सूची मे दिया गया है को पंजीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16 वा) के श्रधीन पंजीकरण श्रधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक जनवरी, 1981 को को पूर्वोक्त संस्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार

करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार कृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नतिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिस्तित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-मियम-के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए, और/बा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था मां किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

असः अस, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण भी, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधीरा (1) के अभीन निक्नलिचित व्यक्तियों, अभीत :— (1) श्री दया नन्द, सुपुत्र श्रमी चन्द, ग्राम—बपरौला, दिल्ली।

(हस्तांतरणकर्ता)

(2) श्री मंजीत सिंह सुपुत्र इन्दर सिंह, तेहरी, जिला— तेहरी, गढ़वाल ।

(हस्तांतरिसी)

को यह सूचना जारी करके पृत्रांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्.--

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की हारील से 45 दिन को अयिधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाकें व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हित-षद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्छ अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गमा है।

नम्स्ची

कृषि भूमि, ग्राम—वपरौला, विल्ली।

विमल विशिष्ट, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकार आयुक्त (निरक्षिण) प्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली।

दिनांक: 14-9-1981

मोहर:

प्रूप आहं. टी. एन. एस ------

स्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुघना

भारत बरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 14 सितम्बर, 1981

सं० संदर्भ 3 नि० स० ग्रा० ग्रा०/एक्वीजीशन 2/एस-ग्रार -2/1-81/4121— जूकि मैं विमल विशिष्ट

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण हैं कि स्थावर संपित्त जिसका उचित भाजार मूल्य ₫5,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या कृषि भूमि है एवं जो बपरौला, में स्थित है, (जिसका ग्रिधिक विस्तृत विवरण मंलग्न ग्रनुमूची मे दिया गया है को पंजीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16 वां) के ग्रिधीन पंजीकरण ग्रिधिकारी के

विस्ली स्थित कार्यालय में दिनांक जनवरी ,1981 को को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पावा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है .—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; जौर/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या धन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरम में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (१) के अधीन निम्नलिखित क्यिक्तयों, अर्थात् :~~

- (1) श्री दया नन्द सुपुन्न भ्रमी चन्द, ग्राम-अपरौला, (इस्तांतरणकर्ता)
- (2) श्री इन्दर सिद्ध सुपुत्रश्री देवी सञ्चाय जिला तेहरी, गढ़वाल ।

(इस्तांतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्य संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति त्यारा;
- (क) इस सूचना को राज्यम् में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- वहुध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्योकरण :---इसमें प्रयुक्त कव्यों और पदों का, जो उत्कत्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

मनुसूची

कृषि भूमि ग्राम-अपरीला, दिल्ली।

विमल विशिष्ट, सक्षम प्राधिकारी, निरीक्षीय सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त, ग्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली।

दिनांक: 14-9-1981

मोहर ;

प्ररूप आईं० टी० एन० एस०

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायक्त (निरीक्षण)

धर्णन रेंज, नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 4 जुलाई, 1981

सं० संदर्भ 3 नि० स॰ घा० घा०/एक्वीजीशन 2/एस
शार-2/1-81/4085— भूंकि मैं विमल विशष्ट

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें

इसके पक्षात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा

269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का

कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य

25,000/- फ़. से अधिक हैं

शौर जिसकी संख्या कृषि भूमि है एवं जो ग्राम- पालम,

दिल्ली में स्थित हैं, (जिसका ग्रिधिक विस्तृत विवरण संलग्न

ग्रमुस्की में दिया गया है को पंजीकरण ग्रिधिनियम 1908

(1908 का 16 बां) के ग्राधीन पंजीकरण ग्रिधिकारी के

दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक जनवरी, 1981

को पृष्वित संपरित के उचित बाजार मूल्य से कृम के इश्यमान

को पूर्वों कर संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कर संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिनित उद्देश्य से उक्त लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मे कमी करने या उससे ब्चने में सुविधा के सिए; और/या
- (भ) एंसी किसी नाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिधा के लिए;

अक्ष: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्निसिखत व्यक्तियों, अर्थात्:--- (1) श्रीमती विमला चावला, पत्नी श्री एस० एल० चावला, जे-64, साउथ एक्सटेंशन, पार्ट-1, नई बिल्ली।

(हस्तानरणकर्ता)

(2) श्रीमती बिना गुलाटी परनी श्री बलदेव राज गुलाटी, श्रीर श्रीमती स्वरंत लता परनी श्री सुभाष मन्दर गुलाटी, 74-राजा गार्डेन, नई दिल्ली। (हस्सोतरिती)

को यह सूचन। जारी करके पृशांक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यशाहियां करता है।

चक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ह से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवाकति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

ममुस्ची

कृषि भूमि क्षेत्र 4 बिघे भीर 16 बिग्वे, खसरा नं• 79/6, ग्राम—पालम, नई दिल्ली।

> विमल विशिष्ट, सक्षम प्राधिकारी, निरीक्षीय सहायक म्रायकर म्रायुक्त, श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली।

दिनांक: 4-9-1981

सील :

प्ररूप बाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यां लव, सहाबक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-11,0002, दिनांक 7 मितम्बर, 1981

सं० संदर्भ नि० म० या० ग्रा०/एक्वीजीशन 2/ π ग्रार-2/1-81/4166— चृंकि मैं विमल विशष्ट—

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इ के अभीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का उत्तरण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार म्ल्य 25,000 रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी संख्या कृषि भिम है एवं जो ग्रों—होत्रस्वी खुर्द में स्थित है, (जिसका ग्रिधिक जिम्मत जिवरण संलग्न ग्रमुसी में दिया गया है को पंजीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16 वां) के ग्रधीन पंचीकरण ग्रधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक जनवरी, 1981 को

को पूर्वोक्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिय की गर्छ है जोर मक्ते का निञ्चाय करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) को बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित एद्य देश से उबत अन्तरण लिखित में वास्त्रिक्त कम ते किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, इक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/स
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-क्रम्र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 260-ग के श्रासरण में, मैं, अक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निसित व्यक्तियों अर्थात्:——

(1) श्री जगजीत सिंह सुपृत्न राम सम्बंध, ग्राम— होलम्बी खुर्द, दिल्ली।

(हस्तांनः गकर्ना)

(2) श्री ध्योश विन्दा, सुपृत्र अप्दीर जल ए-15, प्रभोग विद्यार, फेल-: विल्ली।

(हस्तांतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बासेफ:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र को प्रकाबन की तारीख के 45 दिन की अविश्व या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों कर सूचना की तामील से 30 दिन की जनिश्व, जो भी जनिश्व बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णिक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपित्त में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षेह्स्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित ह[‡], वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ह[‡]।

अनुसूची

क्रिप भूमि 11 बिधे ग्रौर 9 बिध्ने, ग्राम—-होलम्बी खुर्द, दिल्ली।

> विमल विशष्ट, मक्षम प्राविकारी, सहायक स्रायकर स्रायुक्त, (निरीक्षरण) स्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली।

दिनांक: 7-9-1981

मोहर:

16-286GI/81

भारत प्रस्कार

कार्याक्रम, सहायक प्रायकर ग्रायुरा (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, नर्ष दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 4 सितम्बर, 1981

सं० संदर्भ 3 नि० म० ग्रा० ग्रा०/एक्वीजीशन 2/एम-ग्रार-2/1-81/4084—चूंकि मैं विमल विशिष्ट ग्रायकर श्रिश्वियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें -इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिश्वियम' कहा गया है), की श्रारा 269-ख के ग्रिश्वीन सन्नम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर पम्पति, निमका उक्ति वाजण्य मूल्य 25,000/-६० मे श्रिधिक है

भीर जिसकी संख्या कृषि भूमि है एवं जो नांगली पुना, दिल्ली में स्थित है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न भनुसूची में दिया गया है को पंजीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16 वां) के अधीन पंजीकरण श्रधिकारी के पंजीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16 वां) के अधीन पंजीकरण श्रधिनयम में पंजीकरण श्रधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक जनवरी, 1981

की पृथांकत सम्पत्ति के उत्वित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्षत सम्पत्ति का उत्वित वाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्यह प्रतिशत अधिक है और प्रन्तरक (अन्तरकों) और श्रम्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिकत, निर्मतिक्षित उद्देश्य से उन्ते अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) प्रत्नरंग से हुई ितसी आयं को बाबत, उक्त प्रधितियम के प्रधीन कर देने के प्रत्नरंक के दायित्व में कमो करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; गौर/या
- (छ) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन वा ग्रन्थ भ्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय भ्रायकर: ग्रश्निनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धन-कर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भारतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण कें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) कें अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः--

- (1) श्री, राम फाल वासुदेव ग्रौर श्रीक्तिशन सुपृव श्री टीका, ग्राम—पो० तांगली पुना, दिल्ली। (हस्तातरणकर्ता)
- (2) श्री सुशील कुमार जैन श्रौर श्रशोक कुसार जैन सुपुत्र श्री विलोक नाथ जैन, 106, बीर नगर दिल्ली।

(हस्तांतरिती)

को यह भूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्नेन के लिए कार्यशाहियां करतात्र ।

उक्त सम्पत्ति के प्रजन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षी: --

- (क) इस सूचना के राजपव मे प्रकाणन को हारी व से 45 दिन की प्रविध या नश्मम्बन्धी श्र्यक्तियों पर सूचना की नामीन से 30 दिन की प्रविध जे भी प्रविध वाद म समाप्त होती हो, क मीनर प्रकित क्यक्तियों में से किसी वाक्ति दारा।
- (ख) इस सूत्रता के राजपत्र में प्रकाशत की तारात्र में 45 दिन के भीतर उन्त मगदर सम्प्रित में हितत्रद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पान लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पक्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रोर पदों का, जा 'उक्त ग्रिधिनियम', के श्रध्याय 20-फ में परिभाणित हैं, बही ग्रियी होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है

अनुसूची

कृषि योग्य भूमि । बिद्या श्रौर 17 बिश्वे, ख्रमरा नं० 14/25, ग्राम——त्रांगली पुना, दिल्ली ।

विमल विशिष्ट, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त, (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-2, नेई दिल्ली।

विनाक | 4-7-1981 मोहर : प्ररूप आहाँ. टी. एन्. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्याजय, सष्टायक यायकर आयुक्त (निरक्षिण)

म्रजैन रेंज, नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 7 सितम्बर, 1981

स० संदर्भ 3 नि० स० ग्रा० श्रा०/एक्वीजीशन/2-एस-म्रार-2/1-81/4163---चिक मैं विमल विशिष्ट

नायकर निधनियन, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्यास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रत. से अधिक है

श्रौर जिसकी संख्या कृषि भूमि है एव जो खेशकालु, दिल्ली में स्थित है, (जिसका ग्रधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनु-सूची में दिया गया है को पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16 वा) के प्रधीन पजीकरण प्रधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक जनवरी, 1981

को प्वाकित संपरित के उचित बाजार मुल्य से कम के दश्यमानु प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मु**भ**े यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मुल्य उसके इत्यभान प्रतिफल से एसे इत्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अंतरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वाश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तु-भिक्क कप से कि भित्त नहीं किया गया हूँ ह---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उच्च अधि-नियम के अधीन कर दने के अन्तरक के वायित्व मे कभी करने या उससे अधने में स्विधा के लिये; भीर∕या
- (स) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए भा, छिपाने में स्विभा के सिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग को अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन जिम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :---

(1) श्री मान सिंह ग्रीर दूसरे, सुपुत्र परभु, ग्राम— खुर्व, दिल्ली ।

(हस्तातरणकर्ता)

(2) श्री मास्टर रोहीत जैन (माइनर) सुपुत्र हीरा लाल जैन, सी-412, मोडल टाउन, दिल्ली। (हस्तांतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्स संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ष्यिक्तमों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी।

स्पर्धाकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 4 बिघे श्रीर 16 बिघ्वे, ग्राम--खेशकालु, दिल्ली।

> बिमल विशिष्ट, सक्षम प्राधिकारी, निरीक्षीय सहायक श्रायकर श्रायुक्त, भ्रजन रेंज 2 ,नई दिल्ली।

दिनोक - 7-9-1981

सील:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

यायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की गरा 269 व (1) के अधीन मूचना

भार्रत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनाक 9 सितम्बर 1981

निर्दाश स इ 2/3128-15/जान 81---अत. म्फे, सन्तोष दत्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजारं मूल्य 25,000/- रापये से अधिक है

और जिसकी स् स न एफ. /1238 हैं तथा जो बाद्रा में स्थित हैं (और इससे उपावद्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बाद्रा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 5-1-1981

को १वींक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल किए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्ष्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत के अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाय गया प्रतिका, निम्तिविति उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तिक का से कथित न किए गया के स्तिक के से कथित न किए गया क

- (क्) प्रनारण से ं हम प्राया में बाजा, उक्त प्रिविक् नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मृविधा के लिए; श्रीर/पा
- (ख) ऐसी किसी आय ना किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिता द्वारा प्रकट नही किना गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थीत् :-- शीमती गोवर जे ए इराणी, अपसी जे ए. इराणी, केटी जे ए इराणी

(अन्तरक)

2 श्रीमती सरस्वती जी दशम्ख

(अन्तरिती)

3 टेनंट्स

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

को यह स्चना जारो करके पूर्वीका सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिये कार्यवाहिया करता है।

उका गम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (५) इन भूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की ग्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामी । ५ 30 दित की ग्रविध, जो भी ग्रविध बाद में प्रमान होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों । एकिसी व्यक्ति हारा;
- (६); इस पूचना के राजपत पे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसो अन्य व्यक्ति हारा अधोहस्ताक्षरी के पास जोउन प किस जा सकेस ।

ह्यक्टीकरण '--- दसमे प्रयक्त गव्दा और पदो का, जा उक्त श्रधि-नियम, के श्रद्ध्यात्र 20क म परिभाषित है, बही पर्यक्षिण की उस श्रद्धात्र में दिया गया है।

अनुसूची

अन्सूची जैसा कि विलेखन सं. 705/78 जाइट उप-रिजस्ट्रार, बाद्रा अधिकारी द्वारा दिनाक 5-1-1981 को रिजस्टर्ड किया गया है।

सन्तोष दत्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-2, बम्बई

तारीख ' 9-9-1981

मोहर :

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi--110011, the 29th August 1981

No. A.11016/1/76-Admn.-III.—The President is pleased to appoint Shri I. I. Sharma Section Officer of the C.S.S. Cadre of Union Public Service Commission to perform the duties of Desk Office in the office of Union Public Service Commission with effect from 19-8-81 upto 30-9-81.

2. Shri I. J. Sharma shall draw special pay @ Rs. 75/per month in terms of D.O.P. & A.R.O.M. No. 12/1/74-CS(I) dated 11th December 1975.

Y. R. GANDHI Under Secy. (Admn.) Union Public Service Commission

MINISTRY OF HOME AFFAIRS DEPARTMENT OF PERSONNEL & AR CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 23rd September 1981

No. A.19035/3/80-AD.V.—Consequent upon the resumption of duty by Shri Tilak Raj Office Superintendent, Zone-II/CBI with effect from 31-8-1981 forenoon after the II/CBI with effect from expiry of 48 days Earned Leave (from 13-7-81 to 29-8-81), Shri T. Sudersana Rao who mad occur officially 19-5-1980 is reverted as Crime Assistant with effect from Sudersana Rao who had been officiating since 231-8-81 forenoon.

CORRIGENDUM

The 25th September 1981

No. V-43/68-AD.V.—The date "29-8-1981" appearing in Notification of even number dated 5-9-1981 relating to the appointment of Shri V. N. Sehgal as Deputy Director/CFSL, CBI may please be read as 31-8-1981.

Q. L. GROVER, Administrative Officer(E) CBI

DIRECTORATE OF COORDINATION (POLICE WIRELESS)

New Delhi, the 22nd September 1981

No. A.-12012/1/81-Admn.—Shu R. P. R. Chowdhury Semor Supervising Officer, of Directorate of Coordination (Police Wireless) has been promoted as Extra Assistant Director in Directorate of Coordination (Police Wireless) in a temporary capacity in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- with ellect from the afternoon of 29th August, 1981, until further orders.

> R. S. KALE Director, Police Telecommunications

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT CENTRAL REVENUES

New Delhi, the 26th September 1981

No. Admn.-I/O.O.No.-237---Consequent on his attaining the age of superannuation Shri P. N. Mehta-I a permanent S.O. & officiating Audit officer of this office will retire from service of the Government of India with effect from the afternoon of 30-9-81.

His date of birth is 19-9-1923.

The 29th September 1981

No. Admn.-1. /O.O.No.-243.—The Director of Audit (CR), hereby appoints the following permanent Section Officer of this office to officiate as Audit officer, in Scale of Rs. 840-1200 with effect from the forenoon of 24-9-1981. until further orders :-

St. No. and Name

1. Shri K. K. Malhotra

(Sd.) ILLEGIBLE Joint Director of Audit (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL-II, WEST BENGAL

LOCAL AUDIT DEPARTMENT

Calcutta-800001, the 14th August 1981

No. LA/Admn./57.—Accountant General-II, West Bengal, has been pleased to appoint on ad-hoc and provisional basis the following Section Officers of the Local Audit Department to officiate as Assit Examiner of Local Accounts, West Bengal, in purely temporary capacity, with effect from the date on which they actually take over charge as Assit. Examiner in the Local Audit Department of this office and until further orders :-

- 1. Shri Subinoy Ghosh
- 2. Shri Anil Kumar Sanfui (S.C.).
- 2. It should be clearly understood that the promotion is putely provisional during the pendency of the Rule in the Calcutta High Court case and will be subject to final decision of the Court case filed against the Union of India and others under C. R. Case No. 14818(N) of 1979.
- 3. All the ad-hoc promotions indicated above, are also subject to final orders of the Supreme Court of India in the Civil Appeal No. 1584 to 1588(N) of 1973 and Civil Appeal No. 2104-2105(N) of 1979.

B. N. DUTTACHOWDHURY Examiner of Local Accounts, West Bengal

OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT, DEFENCE SERVICES New Delhi, the 21st September 1981.

No. 3345/A/A. Admm/130/79-81--The Director of Audit, Defence Services is pleased to appoint the under mentioned substantive members of the S. A. S. to officiate as Audit Officers, until further orders, in the offices and from the dates noted against each :-

SI. No.	Name		_										Office in which appointed	Date of appoint- ment.
1	2							_ .					3	4
S/Shr 1. Jath	i nder Mohan	,						•					Jt. Director of Audit, Defence Services, E. C., Patna.	14-8-1981
2. M. N	Aitra .	•	•	•	•	•			•	•	٠	•	Dy. Director of Audit, Ordnance Factories, Calcutta.	27-7-1981
3. L. S.	Ganosan .	•	•	ws 1	•	•	•	•	•	•		•	Jt. Director of Audit (Ord. Factories), Jabalpur.	2 9 -8-1981

1 2												3	4
S/Shri 4. Ranjit Dutta	•	•	•		•				*		•	. Jt. Director of Audit, Defence Services, C. C. Meerut Cantt.	20-8-1981
5. Pyara Singh		٠	•	٠	•	•	•	•	•	•	•	Jt. Director of Audit, Defence Services (AF), Dehra Dun.	24-7-1981

I. P. SINGH, Joint Director of Audit, Def. Services

MINISTRY OF DEFENCE DGOF HQRS CIVIL SERVICE URDINANCE FACTORY BOARD

Calcutta-700069, the 22nd September 1981

No. 18/81/A/E-1.—On attaining the age of superannuation, Shri Sushil Chandra Roy, Subst. & Permt. Assistant/Ong. Assistant Staff Onicor reused from service with effect from 31-3-81 (A.N.), after availing of earned leave for 19 days w.e.f. 13-3-81.

D. P. CHAKRAVARTI ADGOF/Admn. for Director General Ordnance Factories

Calcuta, the 21st September 1981

No. 39/81/G—On attaining the age of superannuation (58 years) Shri B. L. Sharma, Offg. Dy. Manager/Subst. & Permt. Asstt. Manager retired from service w.e.f. 31st July, 1981 (A.N.).

the 22nd September 1981

No. 38, G, 81.—On attaining the age of superannuation (58 years) Shi C. Madhayan, Addl. DGOF/Member (Subst. & Pernt. DDGOF/GM(SG) retired from service w.e.f. 30th June, 1981/A.N.

No 40:-O. attaining the age of superannuation (58 years) Shri Nripendra Kumai Neogi, Offg. AM/Subst. & Permt Foreman retired from service w.e.f. 31-7-81 (A.N.).

V. K. MEHTA Assit. Director General, Ordnance Factories

MILITRY OF COMMERCE

OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS
AND EXPORTS

New Delhell, the 22nd September 1981 IMPORTS AND EXPORTS TRADE CONTROL (ESTABLISHMENT)

No 6 1367/81-Admn.(G)/5566.—The President is pleased to appoint Shri A. N. Rajagopalan, an officer of Central Secretariat Service formerly Director in the Ministry of Steel and Mines. (Department of Steel) as Additional Chief Controller of Imports and Exports in the Office of the Chief Controller of Imports and Exports, New Deshi in the rank of Joint Secretary to the Government of India with effect from the 9th September, 1981 (FN), until further orders.

MANI NARAYANSWAMI, Chief Controller of Imports and Exports

DEPARTMENT OF TEXTILES

OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSIONER

Bombay-30, the 17th September 1981

No. CLBI/1/6-G/81.—In exercise of the powers conferred on me by clause 34 of the Cotton Textiles (Control) Order, 1948 and with the previous sanction of the Central

Government, I hereby make the following further amendment to the Textile Commissioner's Notification No. CLBI/1/6-G/71 dated the 13th January, 1972:—

In the Table appended to the said notifications, against S. No. 26(i) for the existing entries under columns 2, 3 and 4, the following shall be substituted namely:—

'26 (i) Director of Handlooms Jammu and 12(6)
Development Depti. Jammu and 12(6)
Kashmir 12(6)
12(7)

12(6A), 12(7A), 12(7AA), 12C and 12E."

SURESH KUMAR Additional Textile Commissioner

OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER FOR HANDLOOM

New Delhi, the 3rd September 1981

No. A-12025(1)/5/80-Admn.-II(A).—The President is pleased to appoint with effect from the afternoon of the 31st July, 1981 and until further orders Shri Jayawant Sangappa Munnolli as Assistant Director Grade-I (Weaving) in the Weavers Service Centre, Bombay.

P. SHANKAR, Additional Development Commissioner for Handlooms

MINISTRY OF INDUSTRY

(DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT)
OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER
SMALL SCALE INDUSTRIES

New Delhi-110011, the 23rd September 1981

No. A-19018/487/80-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri Raghuvaush Bahadur, a Gr. I Officer of C.S.S. and Under Secretary in the Ministry of Industry (Deptt. of Industrial Development) as Deputy Director (Admn.) in the Office of Development Commissioner, Small Scale Industries, New Delhi with effect from the afternoon of 28th February, 1981, until further orders.

The 2:44 September 1981

No. 12(625)/69-Admn.(G) Vol.. II.—The President is pleased to appoint Shrimati R. Chibber, Assit. Editor (Hindi) holding the rost of Assit. Director (Gr. I) (Publicity) (Hindi) on a d-hoc basis in the office of the Development Commissioner, Small Scale Industries, New Delhi as Assit. Director (Gr. I) (Publicity) (English) in the same-Office with effect from the forenoon of 24th August, 1981, until further orders.

C. C. ROY, Dy. Director (Admn.).

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES AND DISPOSALS

(ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delhi-1, the 26th September 1981

No. A-1/1(1160) —The Director General of Supplies & Disposals hereby appoints Shri Brijendra Singh Meena on his selection by the Union Public Service Commission to officiate on purely temporary basis against a temporary vacancy as

Asstt. Director (Litigation) (Grade II) in the office of the Director of Supplies and Disposals, Calcutta with effect from the afternoon of 31-8-1981.

No. A-1/1(1181).—The Director General of Supplies & Disposals hereby appoints Shri J. P. Das, Superintendent in the office of Director of Supplies & Disposals, Calcutta to officiate on purely ad-hoc basis as Assistant Director (Admn.) (Gr. II) in the same office with effect from the forenoon of 5-9-81 in the leave vacancy of Shri B. K. Dana.

> S. L. KAPOOR, Dv. Director (Admn.) for Director General of Supplies & Disposals.

ISPAT AUR KHAN MANTRALAYA

(KHAN VIBHAG)

GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-700016, the 19th September 1981

No. 5793B/A-19012(2-KSB)/81-19B.—Shri K. Benhur, Senior Technical Assistant (Geophy.). Geological Survey of India is appointed on promotion as Assistant Geophysicist in the Geological Survey of India on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in an officiating capacity w.e.f. the forenoon of 8-7-1981.

No. 5804B/A-19012(2-AKC)/81-19B.—Shri Ashis Kumar Chattopadhyay, Senior Technical Assistant (Geophy.), Geological Survey of India is appointed on promotion as Assislogical Survey of India is appointed on promotion as Assistant Geophysicist in the Geological Survey of India on pay according to rules in the scale of pay Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in an officiating capacity w.e.f. the forenoon of 7-7-81 until further orders.

The 21st September 1981

No. 5853B/A-19012(Artist-PEM/18-19A.—Shri Pulin Behari Mallick, Senior Technical Assistant (D.O.), Geological Survey of India is appointed as Artist in the same Department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 27th July, 1981. until further orders.

Uo. 5883B/A-32014(1-Asstt.Geol.)/81-19A.—Shri Satish Chandra Srivastava, Senior Technical Assistant (Geology). Geological Survey of India is appointed on promotion as Assistant Geologist in the same Department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of 20th July, 1981 until further orders.

No. 5895B/A-19012(1-IG)/80-19A —Kumari Ibha Ghosh is appointed as an Assistant Geologist in the G.S.I. on an initial pay of Rs. 650/- per month in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 19th May, 1981.

> V. S. KRISHNASWAMY. Director General, GSI.

INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 22nd September 1981

No. A-19012(148)/81-Estt.A—On the recommendation of Da is promoted to officiate as Assistant Administrative Officer in Indian Bureau of Mines with effect from the forenoon of 31st August, 1981.

The 25th September 1981

No. A-19011(299)/81-Estt. A—The President is pleased to appoint Shri A. S. K. V. S. Prakasa Rao, a Grade I Officer of the Indian Statistical Service and Joint Director, Central Statistical Organisation, Department of Statistics, New Delhi, to the ex-cadre post of Chief of Mineral Statistics, in Indian Bureau of Mines with effect from the forenoon of

August, 1981, on deputation initially for a period of one year on ad-hoc basis.

> S. V. ALI, Head of Office, Indian Bureau of Mines.

MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING DIRECTORATE, OF ADVERTISING AND VISUAL **PUBLICITY**

New Delhi, the 23rd September 1981

No. A. 31014/1/80-Est.—The Director of Advertising and Visual Publicity hereby appoints Shri S. L. Seem, an officiating Assistant Production Manager (Outdoor Publicity) in substantive capacity in the same post in this Directorate with effect from 11th September, 1981.

J. R. LIKHI, Dy. Director (Admn.) for Director of Advertising and Visual Publicity.

PRESS INFORMATION BUREAU

New Delhi-1, the 8th September 1981

No. A-12026/3/81-Estt.—The Principal Information Officer hereby appoints Shri R. N. Dutta, an Assistant of CSS Cadre of the Ministry of Information and Broadcasting and working in the DG: Doordarshan, as Administrative Officer in Press Information Bureau's office at Calcutta with effect from the forenoon of August 22, 1981 until further orders.

M. M. SHARMA,
Asstt. Principal Information Officer,
for Principal Information Officer.

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 23rd September 1981

No. A-12023/2/80-Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Km. C. D. Sharm to the post of Supdt., Lady Reading Health School, Delhi with effect from the forenoon of 1st September, 1981 on an adhoc basis and until further orders.

> S. L. KUTHIALA, Dv. Director Administration (O&M).

MINISTRY OF RURAL RECONSTRUCTION DIRECTORATE OF MARKETING AND INSPECTION Faridabad, the 18th September 1981.

No. A-19025/45/81-A.III.—On the rec e Union Public Service Commission, the recommendations of Smt. Premwati Chauhan, has been appointed to officiate as Assistant Marketing Officer (Group I) in this Directorate's Office at New Delhi with effect from 29-8-81 (FN.), until further orders.

The 19th September 1981

'No. A-19025/27/81-A.III.—On the recommendations of the U.P.S.C., Kumari Vibha Wadhawan has been appointed to officiate as Asstt. Marketing Officer (Group I) in this Directorate's Office at New Delhi w.e.f., 29-8-1981 (F.N.), until further orders.

No. A-19025/44/81-A.III.—On the recommendations of the U.P.S.C. Shri Ramesn Tiwari has been appointed to officiate as Assistant Marketing Officer (Group HI) in this Directorate's Office at Nagpur we.f., 1-9-1981 (F.N.), until

No. A-19025/46/81-A.III.—On the recommendations of Departmental Promotion Committee (Group B), Shri R. K. Verma, Senior Inspector (Group III), has been promoted to officiate as Assistant Marketing Officer (Group III), in this Directorate at New Delhi on regular basis w.e.f., 29-8-1981 (F.N.), until further orders.

> B. L. MANIHAR, Director of Administration, for Agricultural Marketing Adviser.

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY

POWER PROJECTS ENGINEERING DIVISION

Bombay-5, 18th September 1981

No. PPFD/4(357)/71-Adm/13423 -- Consequent on his transfer to the Kota Regional Accounts Unit of the Directorate of Purchase & Stores, Shri B. D. Tambe, a permanent Upper Division Clerk in B.A.R.C. and officiating Asstt. Accounts Officer in this Division relinquished charge of his post in this Division with effect from September 3, 1981 after-

No. PPED/4(785) 79-Adm /13425.—Consequent on his transfer to the Directorate of Fstate Management, Department of Atomic Energy, Bombay Shri K, Sankaran Kutty, a permanent Upper Division Clerk in B.A.R.C. and officiating Asstt. Per onnel Officer in this Division relinquished chargo of his post in this Division with effect from the fore-noor of September 16, 1981.

> B. V. THATTF. Administrative Officer,

NARORA ATOMIC POWER PROJECT

NAPP Township, the 23rd September 1981

NAPP/Adm./26(1) /81/S '11331.—Chief Project Engineer. Narota Atomic Power Project appoints Shri S S Kalrah, Officiating Sub-Officer to officiate as Station Officer on ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-FB-40-960/- in the Narora Atomic Power Project from May 4, 1981 to June 6, 1981, vice Shri Harbans Lal, Station Officer proceeded on leave.

> R. K. BALI, Administrative Officer-III.

(ATOMIC MINERALS DIVISION)

Hyderabad-500016, the 23rd September 1981

AMD-2/3259, 81-4dm - The resignation tendered by Shri Satya Narayana Tak from the temporary post Scientific Officer/SB in the Atomic Minerals Division of the Penartment of Atomic Energy has been accepted by the Director. Atomic Minerals Division with effect from 12-5-1981 (FN).

The 24th September 1981

No. AMD-2/3134/81-Adm—In supersession of this office Notification of even rumber dated 5-9-81, the resignation tendered by Shii P. K. Mahapatia, from the temporary post of Scientific Officer, SB in the Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Energy has been accepted Director. Atomic Minerals Division with effect f from 22-8-1981 (AN).

> M. S. RAO. Sr. Admnve. & Accts. Officer.

DEPARTMENT OF SPACE ISRO HEADOUARTERS

Bangalore-560009; the 10th September 1981

No HQ ADMN 12-25.—Consequent on the pay scale of Assistant Administrative Officers in ISRO, the Scientific Secretary ISRO, ISRO Headquarters, Department of Space, is pleased to appoint Kum. K. Indira Devi, Assistant Administrative Officer in the scale of pay of Rs. 550-900/- to the post of Assistant Administrative Officer in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-FB-40-960/- with effect from 1st January 1980.

> N. V. G. WARRIER, Administrative Officer.

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 24th September 1981

Station of posting.

No. A 38013/1/81-EC.—The undermentioned four officers of Aeronautical Communication Organisation of the Civil Aviation Department relinquished charge of their office on retirement on attaining the age of superannuation in 31-8-81 (AN) at stations indicated against each :-

S/Shri			
1. J. L. Suri, Tech. Officer			Aero. Comm. Stn, Safdarjung Airport, New Delhi.
2. S. P. Singha, Asstt. Comm. Officer			Aero. Comm. Stn, Safdarjung Airport, New Delhi.
3. R. K. Gupta, Asstt. Comm. Officer			Aero. Comm. Stn. Safdarjung Airport, New Delhi.
			D. G. C. A. (HQ), New Delhi.

REM CHACD, Assistant Director of Administration.

OVERSEAS COMMUNICATIONS SERVICE

Name & Designation

No.

. Bombay, the 19th September 1981

No. 1/43/81-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri M. G. Joshi, Traffic Accountant, Hois, Office, Bombay as Traffic Accounts Officer, in an officiating capacity, on ad-hoc basis, in the same office, with effect from the forenoon of the 13th January, 1981 and until further orders

The 27th September 1981

No. 1/216/81-EST.—Shri Sampy Hubert, Deputy Traffic Manager, Headquesters Office, Bombay, retired from service, with effect from the afternoon of the 31st August, 1981, on attaining the age of superannuation.

H. L. MALHOTRA, Dy. Director (Admn.). for Director General.

Bombay, the 24th September 1981

No. 1/34/81-FST.—The Director General, Overseas Com-unications Service, hereby appoints Shri R. I. Malik, munications

Senior Foreman, New Delhi as Chief Mechanician, in an officiating capacity, in Madras Branch, with effect from the forencoa of the 12-6-1981 and until further orders.

No. 1/28/81-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri B. K. Mandal, Technical Assistant, Calcutta as Assistant Engineer, in an Shri B. K. Mandal, officiating capacity in the same Branch, with effect from the forenoon of the 4-5-1981 and until further orders.

> P. K. G. NAYAR, Director (Admn.). for Director General.

COLLECTORATE OF CUSTOMS AND CENTRAL **EXCISE**

Nagpur, the 23rd September 1981

No. 10/81.—Shri V. Y. Deshkar, Administrative Officer, Central Facise Division, Chandrapur (presently functioning from Nagpur) of this Collectorate, having attained age of

superannuation retired from Government service in the afternoon of the 31st August, 1981.

K. SANKARARAMAN, Collector

DIRECTORATE OF INSPECTION AND AUDIT

CUSTOMS AND CENTRAL FXCISE

New Delhi, the 24th September 1981

No. 12/81—Shii A. K Derashri lately posted as Senior Technical Officer in the Central Board of Excise & Customs New Delhi, on transfer to the Delhi Bench of the Appellate Tribunal Customs, Central Fxcise and Gold control vide Department of Revenue Order No 138/81 (F. No. A12034/28/80 FC/SO(P), dated 31-7-81 assumed charge of the post of Junior Departmental Representative Group 'A' in the Directorate of Inspection & Audit, Customs and Central Excise, New Delhi on 1-9-81 (forenoon).

No. 13/81.—Shri A. K. Chatterjee lately posted as Senior Technical Officer in the Central Board of Excise & Customs New Delhi, on transfer to Delhi Bench of the Appellate Tribunal, Customs, Central Excise and Gold Control vide Department of Revenue Order No. 147/81 (F. No. A-22012/78/81-Ad.II), dated 6-8-81 assumed charge of the post of Junior Departmental Representative Group 'A' in the Directorate of Inspection & Audit, Customs & Central Excise, New Delhi on 1-9-81 (forenoon).

No 14/81.—Shri J. M. Jain, lately posted as Senior Technical Officer in Central Board of Fxcise & Customs New Delhi on transfer to the Delhi Bench of the Appellate Tribunal. Customs, Central Excise and Gold Control vide Department of Revenue order No. 147/81 (F. No. A-22012/78/81-Ad.II), dated 6-8-81 assumed charge of the post of Junior Departmental Representative Group 'A' in the Directorate of Inspection & Audit, Customs & Central Excise, New Delhi on 1-9-81 (forenoon).

S. B. SARKAR, Director of Inspection.

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi, the 21st September 1981

No. A. 19012/1/(6)/81-Fstt.I.—Chairman, Central Water Commission, hereby appoints the following Senior Professional Assistants (Hydromet) to the grade of Extra Assistant Director (Hydromet) in an officiating capacity on ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 w.e.f., the dates shown against each for a period of 6 months or till the posts are filled on regular basis, whichever is earlier:—

- 1. Sh. F. C. Singla 7-8-81 (F.N.).
- 2. Sh. A. K. Agarwal, 11-8-81 (F.N.).

K. L. BHANDULA, Under Secy.

New Delhi-110022, the 22nd September 1981

No. A-19012/413/73-Adm.V.—On the recommendations of the Departmental Promotion Committee (Group-B), Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shri S. M. Ali, Supervisor, on promotion to the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer on a regular basis in an officiating capacity, in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-FB-40-1200 with effect from the forenoon of 26th June, 1981, until further orders.

2. Shri S. M. Ali will be on probation in the post of Extra Assistant Director/Assistant Engineer for a period of two years with effect from the aforesaid date.

A. BHATTACHARYA, Under Secy Central Water Commission.

MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT

DIRECTORATE GENERAL OF SHIPPING

Bombay-1, the 22nd September 1981

MERCHANT SHIPPING

No. 6(11) CRA/81.—The Director General of Shipping, Bombay appoints Shri K. K. Basu, Supdt., Director, Seamen's Employment Office, Calcutta as Asstt. Director, Seamen's Employment Office, Calcutta w.e.f., forenoon of the 3-8-1981 until further order.

B. K. PAWAR, Dy. Director General of Shipping. for Director General of Shipping.

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS (DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)

COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES,

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. South—Gujarat Tandel Brothers Shipping Development Co Pvt. Ltd.

Ahmedabad, the 26th August 1981

No. 1694/560—Notice is hereby given pursuant to subsection (5) of section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. South—Guiarat Tandel Brothers Shipping Development Co. Pvt. Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s Anand Processors and Scienn Printers Private Limited.

Ahmedabad, the 26th August 1981

No. 1721/560.—Notice is hereby given pursuant to subsection (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s Anand Processors and Screen Printers Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Gujarat Offscet Works Pvt. Ltd.

Ahmedabad, the 26th August 1981

No. 2420/560.—Notice is hereby given pursuant to subsection (5) of section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s Gujarat Offset Works Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

V. Y. RANE,

Asstt. Registrar of Companies, Gujarat.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of P Ganeshmull Private Limited

Hyderabad, the 24th September 1981

No. 689/TA.1/560.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956. that at the expiration of three months from the date hereof the name of the P. Ganeshmull Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of T. G. L. Spinning & Weaving Mills Limited

Hyderabad, the 24th September 1981

No. 1126/TA.I/560.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the T. G. L. Spinning & Weaving Mills Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Asha Investment Company Private Limited.

Hyderabad, the 24th September 1981

No. 1258/TA.I/560.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Asha Investment Company Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Rabco Boards Private Limited

Hyderabad, the 24th September 1981

No. 1583/TA.I/560.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Rabco Boards Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Jal Klsan Cotton Mills Private Limited

Hyderabad, the 24th September 1981

No. 1845/TA.I/560.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Jai Kisan Cotton Mills Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

V. S. RAJU, Registrar of Companies, Andhra Pradesh, Hyderabad.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of System Consultants Pvt. Limited.

New Delhi, the 26th September 1981

No. 68481/8701.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956

that at the expiration of three months from the date hereof the name of the System Consultants Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the Company will be dissolved.

> G. B. SAXENA, Asstt. Registrar of Compaines. Delhi & Haryana.

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME-TAX, WEST BENGAL-I.

Calcutta, the 19th August 1981

ORDER NO. 361

I. PROMOTION

F. No. 2E/28/75-76.—Smt. Ashalata Das (SC), Inspector of Income-tax is hereby promoted to officiate as Income-tax Officer, Group-B (Class-II), in the Scale of Pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- with effect from the date she takes over and until further orders.

The appointment is made on a purely temporary and provisional basis and will confer on her no claim either for retention or seniority vis-a-vis other promotees. Her services are liable to termination without notice and she is liable to reversion at any time, if, after a review of the vacancies, it is found that her appointment is in excess of the vacancies available for promotees, or direct recruits become available for replacing her. She is also liable to transfer any where in West Bengal at any time.

II. In exercise of the powers conferred under Section 124 of I.T. Act, 1961 (43 of 1961) I hereby direct that Smt. Ashalata Das on her appointment as Income-tax Officer, Group-B (Class-II), shall perform all the functions of an Income-tax Officer under the said Act in respect of such persons or Classes of persons or such income or classes of Income—or in respect of such areas as may be allocated to her from time to time.

III. On promotion as Income-tax Officer, (Group-B) (Class-II) Smt. Ashalata Das, is posted as ITO, CIB-2, Calcutta, vice Shri Guru Pada Pandit transferred.

III-A. Sl. No. 81 of this Office Order No. 320/F. No. 2E/5/81-82 dated 7-8-81 posting Shri U. S. Saha, to hold, I.T.O., CIB-2, Calcutta, in addition to his own, is hereby cancelled.

K. G. NAIR, Commissioner of Income-tax, West Bengal-I, Calcutta.

(Transferce)

FORM ITNS-

(1) Shri Grover J. A. Irani, Aspe J. A. Irani & Ketty J. A. Irani. (Transferor)

(2) Smt. Sarswati G. Deshmukh

(3) Tenants

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-2, BOMBAY

Bombay, the 9th September 1981

Ref. No. A.R.II/3128.15/Jan.81.—Whereas, I, SANTOSH DATTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. E/CTS. No. F/1238 situated at Bandra (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Bandra on 5-1-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the registered deed No. 705/78 with the Joint Sub-registrar Bandra on 5-1-1981.

SANTOSH DATTA

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 9-9-81

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

FORM NO. I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 23rd September 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL.—Whereas, I, VIJAY MATHUR

being the Competent Authority under the

Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. Agricultural land admeasuring 3,08, 926 Sq. ft. situated at Vill. Jederna Kalan, Teh. Gwalior,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at Gwalior on 9-1-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(i) Shri Mandelia Parmath Kosh, Birla Nagar, Gwalior, through Shri B. D. Dalmia S/o Shri M. L. Dalmia, Hony, Secretary.

(Transferor)

(2) Shri Morar Euclave Co-operative Housing Society Ltd., Office at 5-B, Usha Colony, Lashkar, Gwallor.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land admeasuring 3,08,926 Sq. ft. situated at Vill. Jederna Kalan, Teh. Gwallor, Lashkar.

> VIJAY MATHUR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building, T. T. Nagar, Bhopal.

Date: 23-9-1981

FORM ITNS----

(1) Shri Banshidhar Hanuman Kumar, Shantipura, Dewas.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Trimurti Cold Storage P. Ltd., 36, Kanchan Bag, Indore.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 23rd September 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL.—Whereas, I, VIJAY MATHUR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land of 3.555 Hector situated at Kesba Dewas, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dewas on 30-1-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land of Kasba Dewas 3.555 Hector.

VIJAY MATHUR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building, T. T. Nagar, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 23-9-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P. Bhopal, the 19th September 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL.—Whereas, I, VIJAY MATHUR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land of 14 Acres situated at Village, Shahpur, Burhanpur

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

at Burbanpur on 9-1-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration

therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration

for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Ragunath S/o Shanker Mali R/o Ramjipura Teh. Rawer: Distt. Jalgaon, Maharastra.

(Transferor)

(2) (1) Shrawan S/o Moti Ram, R/o
Bagher, Teh. Rawer (2) Ramdas S/o Sonji
Mahajan, R/o Dambada, Teh. Burhanpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of this publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land of 14 Acres at Village Shahpur, with well and trees.

VIJAY MATHUR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal.

Date: 19-9-1981

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 23rd September 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL.—Whereas, I, VIJAY MATHUR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House on plot No. 94, situated at Srinagar Colony, Indore.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 6-1-1981

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Gangaprasad S/o Shri Lalluprasadji Thakur, R/o 94, Srinagar Colony, Indore, (Khajrana). (Transferor)

(2) (i) Shri Hakim Tikaram S/o Shri Harpal Singh, (ii) Smt. Avantibal W/o Hakim Tikaram, (iii) Shri Dilip Singh S/o Shri Tikaram, R/o 55, Bada Sarafa, Indore.

(Transferee)

11879

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House Property on plot No. 94, Srinagar Colony, Indore.

VIJAY MATHUR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal.

Date: 23-9-1981

Scal :

Shri Ratilal S/o Gordhan, (1) R/o Karamj Bazar, Burhanpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961(43 OF 1961)

(2) (1) Shri Gopal S/o Budha, Prajapati Mangal S/o Chindhu Prajapati, R/o Jainavad, Burhanpur.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 19th September 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL.—Whereas, I, VIJAY MATHUR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land of 5.95 Acres situated at Village: Jaina Vad,

Burhanpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Burhanpur on 21-1-1981

for an apparent consideration which is lessthan the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later. •
- (b) by any other person interested in the said immoveble property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Village Jaina Vad, Burhanpur with well-Trees & standing crop of Banana.

> VIJAY MATHUR Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building, T. T. Nagar, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Date: 19-9-1981

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 19th September 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL.—Whereas, I, VIJAY MATHUR

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land measuring 13.43 Acre situated at Vill: Amagirid, Burhanpur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Burhanpur on 20-1-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the conceniment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) (i) Shri Madan Gopal S/o Purshottom Das, R/o Pratappura, Burhanpur (ii) Shri Madan Gopal as ower of attorney holder of Smt. Munni Bai & 16 others.

(Transferor)

(2) Shri Ramdas S/o Jivram Chaudhary House No. 276, Rajpura, Burhanpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 13.43 acre with two wells-one shed-wall-Boundary by wires at Amagirid, Burhanpur.

VIJAY MATHUR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal.

Date: 19-9-1981

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

Shri Prabhakar, \$/o Khande Rao, Station Road, Ratlam.

(Transferor)

(2) Green Park Co-operative Housing Society Ltd., Indore-Branch, Ratlam.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 21st September 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL.—Whereas, I, VIJAY MATHUR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (4 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land Kh. No. 27, Survey No. 216 situated at Ratlam.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ratlam on 24-1-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever_period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Survey No. 216, Kh. No. 27, at Ratlam.

VIJAY MATHUR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal.

Date: 21-9-1981

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Nalini Bal Sakharamji Lohandi, Station Road, Ratlam.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Green Park Co-operative Housing Society Ltd., Indore-Branch, Ratlam. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 21st September 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL.-Whereas, I, VIJAY MATHUR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Land Kh. No. 27, Survey No. 216, situated at Ratlam (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Ratlam on 24-1-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe tha tthe fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act,

1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

THE SCHEDULE

Land Survey No. 216, Kh. No. 27, situated at Ratlam.

VIJAY MATHUR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building, T. T. Nagar, Bhopal.

Date: 21-9-1981

PORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIGNER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 21st September 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL—Whereas, I, VIJAY.MATHUR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No. Land Survey No. 216, Kh. No. 27 situated at Ratlam (and more fully described in the Schedule annexed hereto) nas been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ratlam on 28-1-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifter per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Madhukar Rao Khedo Rao, Station Road, Ratlam.

(Transferor)

(2) Green Park Co-operative Housing Society Ltd., Indore-Branch, Ratlam.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sale.

Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Survey No. 216, Kh. No. 27, Measuring 15.920 Hectare or 39.32 Acre at Ratlam.

VIJAY MATHUR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal.

Date: 21-9-1981

(1) Shri Rewa Shankar Sampatlal Sharma, Station Road, Ratlam.

(Transferor)

(2) Green Park Co-operative Housing Society Ltd., Indore-Branch, Ratlam.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 21st September 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL.—Whereas, I, VIJAY MATHUR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to

believe that the immovable property, having a fair market

value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land Survey No. 216, Kh. No. 27 situated at Ratlam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ratlam on 24-1-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely: --

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Actshall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Kh. No. 27, Survey No. 216, at Ratlam.

VIJAY MATHUR Competent Authroity Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building, T. T. Nagar, Bhopal.

Date: 21-9-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-IAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 21st September 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL.—Whereas, I, VIJAY MATHUR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Land Kh. No. 27, Survey No. 216, at Ratlam.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1902) in the office of the Registering Officer at Ratlam on 24-1-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Krishna Kumar Harswaroop Johri, Station Road, Ratlam.

(Transferor)

(2) Green Park Co-operative Housing Society Ltd., Indore-Branch, Ratlam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Survey No. 216, Kh. No. 27, measuring 1.770, Hectare at Ratlam.

VIJAY MATHUR
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri. Building,
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 21-9-81

(1) Shri Sital Chand Kanhaiyalal, Station Road, Ratlam.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Green Park Co-operative Housing Society Ltd., Indore-Branch, Ratlam.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Bhopal, the 21st September 1981

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. IAC/ACQ/BPL.—Whereas, I, VIJAY MATHUR,

being the Competent Authority under Section 269B

of the Income-tax Act, 1961 (43* of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. I and Survey No. 216, Kh. No. 27, situated at Ratlam,

No. I and Survey No. 216, Kh. No. 27, situated at Ratlam, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ratlam on 22-1-1981

for an apparent consideration which is less than the falr market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) faciliting the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land Survey No. 216, Kh. No. 27, measuring 15.920, Hectare at Ratlam.

VIJAY MATHUR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, Phopal.

ing Date: 21-9-81 Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

[PART III-Sec. 1

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 21st September 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL.—Whereas, I, VIJAY MATHUR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing Land Survey No. 216, Kh. No. 27, situated at Ratlam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ratlam on 27-1-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Keshar Bai Surajmal, Ratlam.

(Transferor)

(2) Green Park Co-operative Housing Society Ltd., Indore-Branch, Ratlam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Survey No. 216, Kh. No. 27, measuring 15.920 Hecture at Ratlam.

VIIAY MATHUR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 21-9-81

.

FORM ITNS-

(1) Shri Gopal Rao Dinkar Rao, New Road, Ratlam.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

 Green Park Co-operative Housing Society Ltd., Indore-Branch, Ratlam.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 21st September 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL.—Whereas, I, VIJAY MATHUR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. Land Survey No. 216, Kh. No. 27, situated at Ratlam,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Katlam on 27-1-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
19—286GI/81

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

"Land Survey No. 216, Kh. No. 27, at Rajgarh, Teh: Ratlam.

VIIAY MATHUR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 21-9-81

(1) Shri Sada Nand Balchand Patel, Itwara, Burhanpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shree Patel Housing Co-operative Society Ltd., Burhanpur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 19th September 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL.—Whereas, I, VIJAY MATHUR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing *

No. Land 4 Acres situated at Lal Bag, Burhanpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Burhanpur on 2-1-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Lal Bag measuring 4 Acres, Burhanpur.

VIJAY MATHUR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 19-9-81

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 19th September 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL.—Whereas, I, VIJAY MATHUR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land measuring 3.108 Hectare situated at Village: Biroda, Burhanpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Burhanpur on 7-1-1981

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) (1) Shri Ram Kishan S/o Khemchand
 (2) Smt. Jamna Bai W/o Ramkrishan,
 R/o Mahajan Peth, Burhanpur.

(Transferor)

(2) (1) Shri Prahlad S/o Keshav (2) Shanta Ram S/o Keshav, R/o Bironda, Burhanpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 3.108 Hectare or 7.67 Acre at Village: Biroda-Burhanpur, with Well—Electric Motor & Trees.

VIJAY MATHUR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 19-9-81

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 23rd September 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL.—Whereas, I, VIJAY MATHUR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

House at Plot Kh. No. 21/1 & Plot Kh. No. 20-K situated at Katni

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Katni on 1-1-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Meghraj S/o Chimandas (2) Shobharajmal S/o Meghrajmal (3) Ramchand S/o Meghrajmal (4) Prabhudas S/o as above (5) Dhannalal S/o Samandas (6) Bighamal S/o Dhannalal (7) Arjundas S/o Dhannalal, Binoba Road, Katni.
 - (Transferor)
- (2) M/8 Dayal Orient Mail Speed Transport Service, Front of Municipal Office, Katni.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesnid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House situated at Plot Kh. No. 21/1 & Plot Kh. No. 20-K & House—Rekba 2025 Sq. ft.

VIJAY MATHUR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax.
Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 23-9-81

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 23rd September 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL.—Whereas, I, VIJAY MATHUR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. House on plot No. 2, Kh. No. 958, 959 situated at Kasaridih, Durg

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Durg on 7-1-191

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the paties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s Kale Foundation Trust through Shri Vilas S/o Anand Purushottam Kale, Nagpur.

(Transferor)

(2) (1) Shri Laxman Bhai S/o Dayabhai Patel (2) Smt. Savitaben W/o Laxman Bhai (3) Mukesh Kumar Patel (4) Satna Ben (Smt) W/o Munnabhai Patel, All R/o Durg.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House on plot No. 2, Kh. No. 958, 959, situated at Kasaridih, Durg.

VIJAY MATHUR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 23-9-81

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-1,
H. BLOCK, VIKAS BHAVAN, I. P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 9th September, 1981

Ref. No. 1AC/Acq.I/SR-III/1-81/318/2142.—Wheeras, I, R.' B. L. AGGARWAL, peing the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. 2707/XVI 'P' Block, situated at Naiwala, Karol Bagh, New Delhi, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on Jan. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Nirmal Chander Bhatnagar S/o Sh. Ram Chander Bhatnagar r/o 2707, Bank Street, Karol Bagh, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. S. L. Associates (P) Ltd. through its Managing Director Sh. Sant Lal Nagpal s/o Late Shri Ramiya Ram Nagpal r/o 32/60, Punjabi Bagh, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

2707/XVI (Plot No. 14/2 and 15/1, Block 'P' Naiwala Scheme) Bank Street, Karol Bagh, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
New Delhi

Dated: 9-9-1981.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 QF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, H. BLOCK VIKAS BHAVAN, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 9th September, 1981

Ref. No. IAC|Acq.I|SR-III|1-81|326|2146.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. A-9/27 situated at Vasant Vihar, New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on Jan. 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sale Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri S. S. Jaggia 1/0 Late Dr. Tulsida, Jaggia r/o S-92, Greater Kailash Part-II, New Delhi. (Transferor)
- (2) Smt. Chandra Kala Gaur woo Shri Jai Prakash Gaur Baljeet Kuter, Bulandshahi (UP). (Tiansferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. A-9/27, Vasant Vihar, New Delhi-57 measuring 1216 sq. yds.

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax,
Acquisition Range-I,
New Delhi

Dated: 9-9-1981

Scal ;

(1) Smt. Kamlesh Rani, rlo J-62, Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (63 OF 1961) Shri Lt. Col. J. S. Guleria r/o D-360, Defence Colony, New Delhi. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

ACQUISITION RANGE-I, H BLOCK VIKAS BHAVAN, I. P. ESTATE, NEW DELHI

> (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

New Delhi, the 9th September, 1981

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. IAC|Acq.I|SR-III|1-81|393|2157.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of

the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-

movable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S-155 situated at Greater Kailash-II, New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at on Jan. 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

THE SCHEDULE

Property No. S-155, Greater Kailash-II, New Delhi-110048. Area: 299 sq. yd. plot.

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
New Delhi

Dated: 9-9-1981.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, H BLOCK VIKAS BHAVAN, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 9th September, 1981

Ref. No. IAC|Acq.I|SR-III|1-81|147|2080.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. 17-129, situated at

and bearing No. F-129, situated at Greater Kalash-II, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office at on Jan. 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid excerteds the apparent consideration therefore by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
20—286GI/81

(1) Shri Jagjit Raj Vij & Mrs. Promila Vij wo Shrt J. R. Vij, R-229, Greater Kailash-I, New Delhi. (Transferor)

(2) Mrs. Ramo Talwar woo Shri R. N. Talwar, E-129, Greater Kadash, New Delhi-48.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. F-129, Greater Kailash-II, New Delhi.

R. B. L. AGARWAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range New Delhi

Dated: 9-9-1981. Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER, OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-I, H BLOCK VIKAS BHAVAN, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 9th September, 1981

Ref No. IAC/Acq.I/SR-III/1-81/100/2071.—Whereas, I. R. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market, thus exceeding Rs 25 000/-and bearing No R 2, situated at

N.D.S.E II, New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), bas been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on Ian 1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any meneys or other arsets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Prem Chand s/o Shri Jia Lal r/o C-40, N.D.S.E Part-I, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Shakuntla Chawla w/o Late Shri J. K. Chawla r/o Diana & Co. L-28, Connaught Place, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the atoregaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No R-2, N.D.S.E.-II, New Delhi measuring 250 sq. vds.

R. B. I. AGGARWAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
New Delbi

Dated: 9-9-1981.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX.

ACQUISIT!ON RANGE-1, H BLOCK VIKAS BHAVAN, I. P. ESTATE, NFW DELHI

New Delhi, the 9th September, 1981

Ref. No. IAC Acq.I/SR-III/1-81/211/2087.--Whereas, I. R. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. A-341, situated at Defence Colony, New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on Jan. 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market alue of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s Beni Limited having its Regd. Office at 117, B.T. Road, Calcutta-58.

(Transferor)

(2) M/s B. M. Singh & Son. A-341, Defence Colony, New Delhi-110024.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovaable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Two and a half storey building situated at A-341, Defence Colony, New Delhi-110024.

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1
New Delhi.

Dated: 9-9-1981.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, H BLOCK VIKAS BHAVAN, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 9th September, 1981

Ref. No. IAC|Acq.I|S-III|1-81|262|2139.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. Plot No. 30, Block-N situated at Greater Kailash-I, New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on Jan 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than infteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said act, is
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shii Dharam Pal Sarin slo late Shri Kishan Chand Sarin and Smt. Veena Sarin wlo Shri Dharam Pal Sarin both rlo Dubai (United Arab Republic of Enimrotaw) through attorney Shri Mohan Lal Nayyar, slo Di. Beli Ram ilo 16-Subhash Marg, New Delhi.
- (2) Mrs. Neelam Bajaj wo Shri Anil Kumar Bajaj and 2. Shri Anil Kumar Bajaj s/o Shri Madan Lal Bajar ro N-135, Greater Kaliash-I, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice

may be made in writing to the undersigned-

whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the

publication of this notice in the Official Gazette.

in the Official Gazette or a period of 30 days from

the service of notice on the respective persons,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 30, Block 'N', Greater Kailash-I, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-1,
New Delhi.

Dated: 9-9-1981.

1.

FORM ITNS--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-1AX AC1, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, H BLOCK VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 9th September, 1981

Ref. No. IAC|Acq.1|S-III|1-81|145|2079.—Wheras, R. B. L. AGGARWAL.

being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. E-210, situated at Greater Kailash-II, New Delhi,

(and there fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the offict of the Registering Officer at on Jan. 1981,

in an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Shanti Kaul wo Shri Prem Nath Kaul & Shri Hiral Lal Kaul so Shri Prem Nath Kaul ro K-31 Hauz Khas, New Delhi-10016.

(Transferor)

(2) sant, Inderjit Kau, w.o S. Amarjit Singh Joher 1/0 C-139, Defence Colony, New Delhi, (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respetive persons,
 whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immeovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant Plot No. E-210 situated in Greater Kallash-II, New Delbi measuring 250 sq. yds.

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
New Delhi.

Dated: 9-9-1981.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, H BLOCK VIKAS BHAVAN, I. P. ESTATE, NEW DFI_HI

New Delhi, the 9th September, 1981

Ref. No. IAC|Acq.1|SR-III|1-81|346|2150.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S-148, situated at

Greater Kailash-II, New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office on Jan. 1981,

Jan. 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed; the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the seld Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

- (1) Shu Bal Krishan Bhasin, 2. Shri Avinash Kumai Bhasin, 3. Shri Vijay Kumar Bhasin r[o 1]7785, Gorakh Park, Babarpui Rond, Shahdara-32.
- (Transferor)
 (2) Shri Guivinder Singh Khurana r/o E-118, East of Kailash, New Delhi-65.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. S-148, Greater Kailash-II, New Delhi measuring 306 sq. yds.

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
New Delhi.

Date: 9-9-1981.

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, H BLOCK VIKAS BHAVAN, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delin, the 9th September, 1981

Ret. No. [AC|Acq.I|SR-III|1-81|332|2147 ---Whereas I, R. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. E-250, situated at

Greater Kailash-II, New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer on Jan. 1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely —

- (1) Smt. Geeta Devil Pande wo Shri G. N. Pande 1/0 27 Hendifolian Drive, Skolty Swansea, UK. (Transfero)
- (2) Smt. Shanii Devi Malhotra wo Shri H. R. Malhotra, 2. Shii H. R. Malhotra, 3. Shii Rajesh Kumar Malhotra s/o Shri H. R. Malhotra r/o T-52/6, Railway Colony, Subzimandi, Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Single story house built on a plot of land measuring 250 sq yd. bearing municipal No. F-250, Greater Kailash-II, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
New, Delh

Date . 9-9-1981,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, H BLOCK VIKAS BHAVAN, I P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 19th September, 1981

Ref. No. 'IAC|Acq.I|SR-III|1-81|115|2072.—Whereas I, R. B L. AGGARWAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

D-59,

situated at Defence Colony, New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908) (16 of 1908) in the office on Jan. 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to bewteen the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Air Commodore N. P. Nair sjo Durga Persad Nair 110 265, Sector 11A, Chandigarh.
- (2) Shii Mahajan Woolens (P) Ltd, at Mahajan House, South Extension-II, New Delhi.

(Transferce)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Property No. D-59, Defence Colony, New Delhi, measuring 342 sq. yd.

R. B. L. AGGARWAL.

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1,
New Delh

Date: 19-9-81.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I, H BLOCK, VIKAS BHAVAN, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 19th September 1981

Ref. No. IAC|Acq.I|SR-III|1-81|2766,—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

A-117 situated at Okhla Industrial Area, Phase-II, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration

Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in Jan. 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
21—286GI/81

(1) M|s. Gas Enterprises, 1725, Ram Gali, Laxmi Building, Ch. Chowk, Delhi.

(Transferor)

(2) Ms. Baroda Industrial Gas (P) Ltd., 30-Netaji Subash Marg, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. A-117, Okhla Industrial Area, Phase-II, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
New Delhi.

Date: 19-9-81.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER, OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, H BLOCK, VIKAS BHAVAN, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 15th September 1981

Ref. No IAC|Acq.I|SR-III|1-81|2140.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

III-L-11, situated at Lajpat Nagar, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in Jan. 1981,

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Jai Kishan Dass, Ved Parkash Dass, Kailash Kumari, Chanchil Kumari, Dharam Vir Dass, Ravi Patkash Dass, Parkash Kumari, Indira Dass, Parbha Dass, Santosh Kumari sslo and dslo Shri Narinjan Dass, F-173, Laxminagar, Delhi-92.
- (2) Shri Krishan Lal s|o Ram Tikaya, JII-L-11, Lajpat Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Property No. III-L-11, Lajpat Nagar, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I.
New Delhi.

Date: 15-9-81.

(Transferor)

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I, H BLOCK, VIKAS BHAVAN, I. P. ESTATE, NEW DELHI

> > New Delhi, the 15th September 1981

No. IAC|Acq.I|SR-III|1-81|2164.—Whereas Ref. R. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000|- and bearing No.

E-385, situated at

Greater Kailash-II, New Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Rgistration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in Jan. 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Mr. A. H. Menan ro 7A 5, WEA, Karol Bagh, New Delhi.

(2) M/s. Mohani Builders (P) Ltd., 36, New Rajinder Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later; '
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. E-585, Greater Kailash-II, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I. New Delhi.

Dat.: 15-9-81.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, H BLOCK, VIKAS BHAVAN, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 15th September 1981

Ref. No. IAC|Acq.I|SR-III|1-81|405|2162.—Whereas I, R. B. L. $AGGARWAL_{i}$

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

\$313, situated at

Greater Kailash-II, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in Jan. 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the acresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section 1 of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Şavitri Johri w|o Prof. M. S. Johri, r|o 3 Ramdas Kunj, Katira Road, Arrah (Bihar). (Transferor)
- (2) M/s. Pushap Construction Co., through its sole Prop. Smt. Chander Kanta Kainth w/o Shri Ashok Kumar Kainth r/o E-317, East of Kailash, New Delhi. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant Plot No. S-313, measuring 300 sq. yd. in Greater Kailash-II, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I,
New Delhi.

Date: 15-9-81.

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, H BLOCK, VIKAS BHAVAN, I P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 19th September 1981

R. B. L AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Agr. land, sitaated at

Village Chhattarpur, Tah Meh, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registerding Officer at New Delhi in Jan. 1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 29C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- M/s. Nahar Theatres (P) Ltd., 9-Curzon Road, New Delhi through their Managing Director Shri D. R. Nahar.
- (2) M|s. Manu International, 3A|3, Asaf All Road, New Delhi through its Partner Shri Mahendra Kumar. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Agi. land area 21 bighas and 15 biswas Khasra Nos. 1517/1(1-7), 1517/2(1-19), 1597(4-3), 1590(4-16), 1592(4-16), 1594(4-14) in village Chhattarpur, Teh. Mahrauli, New Delhi

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
New Delhi.

Date: 19-9-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, H BLOCK, VIKAS BHAVAN, I P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 19th September 1981

Ref. No. IAC|Acq.1|SR-III|1-81|2148.—Whereas I. R. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

2706 XVI Block 'P' Naiwala Scheme, situated at Bank Street, Karol Bagh, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at New Delhi in Jan. 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more that fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought of be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Ramesh Chander Bhatnagar s|o Shri Ram Chander Bhatnagar r|o 2706, Bank Street, Karol Bagh, New Delhi.
- (2) M|s. S. L. Associates (P) Ltd., through its Managing Director Shri Sant Lal Nagpal s|o Late Shri Ramiya Ram Nagpal r|o 32|60, Punjabi Bagh, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 2706|XVI (Plot No. 15|2 & 16|1, Block 'P' Naiwala Scheme) Bank Street, Karol Bagh, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
New Delhi.

Date: 19-9-81.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, H BLOCK, VIKAS BHAVAN, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 19th September 1981

Nυ. IAC Acq. I SR-III 1-81 2135. Whereas Ref R. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

#8|13, situated at WEA, Karol Bagh, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at New Delhi in Jan. 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrumetn of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

- (1) Shri Jaswant Gopal Suri slo Shri Parmanand Suri & Smt. Madhu Ghai wlo Lt. Col. Raj Kumar Ghai rlo 18|13, WEA, Karol Bagh, New Delhi. (Transferor)
- (2) Shri S. Joginder Singh Gandhi sio Shri Ganesha Singh of 27-B|8, New Rohtak Road, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 18|13, WEA, Karol Bagh, New Delhi. Municipal No. 10021-22 with 21 storeyed building.

> R. B. L. AGGARWAL, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax Acquisition Range-I, New Delhi.

Date: 19-9-81.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIGNER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1,
H BLOCK, VIKAS BHAVAN, I. P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 19th September 1981

Ref. No. IAC|Acq.I|SR-III|1-81|2138.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL,

being the competent authority under section 269B of the Income Tax, Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

C-9, situated at

Jangpura Extension, New Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in Jan. 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of manufer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the tansferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfeed for the 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- S|Shri N. K. Malhotra, K. L. Malhotra, Smt. Sarla Seth, Mrs. Pran Vohra and others r|o D-259, Jänakpuri, New Delhi.
- (2) Shri Yog Raj and Smt. Kiran rio 47, Masjid Road, Jangpura, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. C-9, Jangpura Extension, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
New Delhi.

Date: 19-9-81.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Gurinder Prakash Trehan rlo 13, South Patel Nagar, New Delhi and others.

(Transferor) (2) M|s. Multani Properties & Investments Company (P) Ltd., Regd. Office 36-H, Connaught Circus, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I, H BLOCK, VIKAS BHAVAN, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 19th September 1981

Ref. No. IAC|Acq.I|SR-III|1-81|437|2163.—Whereas 1, R. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, baving a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. 36-H, situated at

Connaught Circus, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at New Delhi in Jan. 1981,

for an apparent consideration which is less than the fall market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H-36|5-8, H-36, 66-68, 102-103, 77, 37 & 37|1 Block No. H, Connaught Circus, New Delhi built on plot No. 3-A in Block No. H, Connaught Circus, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely;—
22—286G1/81

Date: 19-9-81.

(1) Shri Nafe Singh s/o Datta Ram R/o VPO Sirpur, Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Harnam Singh and others Sons of Shri Thakur Singh R/o Village Holambi Kalan, Delhi.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 'H' BLOCK VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 14th September 1981

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-IL/81-82/1-81/4162,—Whereas, I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Agri. land situated at Village Holambi Kalan, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 1908) in the office of the Registering Officer on January 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri, land 9 Bigha 16 Biswas, K. No. 42 Village Holambi Kalan, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
H, Block, Vikas Bhavan I. P. Estate,
New Delhi.

Date: 14-9-1981

FORM LT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISANT COMMISSIONER OF INCOMÉ-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
'H' BLOCK VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 14th September 1981

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/81-82/1-81/7299,---Whereas, I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

H. No. 3088 situated at Mohallah Dassan, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer on January 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Rajeshwar Nath R/o C-44 South Extension, Part-II, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Murlidhar Chowdhury HUF through its Karta & others R/o M/s. Jiwantam Bachhraj & Co. P.O. Dibrugarh, Assam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. 3088, Mohallah Dassan, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
H, Block, Vikas Bhavan I. P. Estate,
New Delhi.

Date: 14-9-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, 'H' BLOCK VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 14th September 1981

Rel. No. IAC/Acq.II/SR-II/81-82/1-81/7301,—Whereas, I. VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

H. No. 3088 situated at Mohallah Dassan, Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908 1908) in the office of the Registering Officer on January 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee by the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Rameshwar Nath R/o A-21 Niti Bagh, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Murlidhar Chowdhury
HUF through its Karta & others
R/o M/s. Jiwanram Bachhraj & Co.
P.O. Dibrugarh, Assam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. 3088, Mohallah Dassan, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II,
H, Block, Vikas Bhavan I. P. Estate,
New Delhi.

Date: 14-9-1981

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 'H' BLOCK VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 14th September 1981

Ref. No. JAC/Acq.II/SR-II/81-82/1-81/7300,—Whereas, 1, VIMAL VASISHT.

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

H. No. 3088 situated at Mohallah Dassan, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer on January 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to be leved that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apprent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the eaid Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Gopi Nath R|o 15|4577, Darya Ganj, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Murlidhar Chowdhury HUF through its Karta & others R/o M/s. Jiwanram Bachhraj & Co. P.O. Dibrugarh, Assam

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. 3088, Mohallah Dassan, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
H, Block, Vikas Bhavan I. P. Estate,
New Delhi.

Date: 14-9-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 'H' BLOCK VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 14th September 1981

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-1I/81-82/1-81/7300.—Whereas, I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

H. No. 3088 situated at Mohallah Dassan, Delhi (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer on January 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Onkar Nath R/o 15/4581, Darya Ganj, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Murlidhar Chowdhury HUF through its Karta & others R/o M/s. Jiwanram Bachhraj & Co. P.O. Dibrugarh, Assam

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. 3088, Mohallah Dassan, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. H. Block, Vikas Bhavan I. P. Estate, New Delhi.

Date: 14-9-1981

Soul :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,

'H' BLOCK VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Dolhi, the 14th September 1981

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/81-82/1-81/7353,—Whereas, I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Prop. No. XII/3489 situated at Aryapura, S. Mandi, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

on January 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Sohan Devi w/o Diwan Chand R/o XII/3469 Aryapura, S. Mandi, Delhi.

(Transferor)

(2) Raj Dulari d/o Om Parkash Jain & Ravinder Kr. Jain Both R/o 4552 Deputy Ganj, Sadar Bazar, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Prop. No. XII/3489 Aryapura, Subzimandi, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-II,
H, Block, Vikas Bhavan I. P. Estate,
New Delhi.

Datc: 14-9-1981

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Shri Satya Pal Khanna s/o Sohan Lal Khanna R|o B-167 Phase-I, Ashok Vihar, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Mohan I al s/o Chhatta Ram R/o H. No. 3058, Mohindra Park, Delhi.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,

'H' BLOCK VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 14th September 1981

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/81-82/1-81/4151,---Whereas, I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Plot No. 134-E situated at Village Shakoorpur, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) bas been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer on January 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been trully stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No .134-E, Village Shakoorpur, Delhi,

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
H, Block, Vikas Bhavan I. P. Estate,
New Delhi.

Date: 14-9-1981

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, 'H' BLOCK VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 14th September 1981

Ref. No. IAC/Acq.JI/SR-II/81/7332.—Whereas, I, VIMAL VASISHT.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Shop No. 1742 situated at Kt. Mehr Parwar Kucha Dakhni Rai, Darya Ganj, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer on January 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (b) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

23-286GI/81

- Shri Bakhat Ram 9/0 Nathu Ram & others R/0 H. No. 1739 Kt. Mehr Parwar Kucha Dakhni Darya Ganj, New Delhi.
 - (Transferor)
- (2) Kamla Devi w/o Jagan Nath R/o 3004 Kucha Neel Kanth, Darya Ganj, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 1742, Katra Mehr Parwar Kucha Dakhni Rai Darya Ganj, New Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
H, Block, Vikas Bhavan I. P. Fstate,
New Delhi.

Date: 14-9-1981

(1) (Smt. Tikan Bai w/o Karam Chand R/o 7/133, Ramesh Nagar, New Delhi,

(Transferor)

(2) Smt. V mal Bhatnagar w/o S. P. Bhatnagar, R/o 7/133, Ramesh Nagar, New Delhi

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 'H' BLOCK VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, th. 14th September 1981

Ref. No. IAC|Acq II|SR-II|81-82|7345—Whereas, I, VIMAI VASISHT, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 25,000/- and bearing Qr. No 7/133, situated at Ramesh Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule anuexed hereto) has been transfered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908 in the office of the Registering Officer at on January 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, corespect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth for Act, 1957 (27 of 1957):

Now therefore in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XYA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Or No. 7/133, Ramesh Nagar, New Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
H, Block, Vikas Bhavan I. P. Estate,
New Delhi,

Date : 14-9-1981

FORM ITNS----

- Brig. Kishav Aggrawal s/o Bhure Mal R/o 2023 Khagi Bowli, Delhi.
- (Transferor)
- (2) Shri Radha Kishan s/o Durga Parshad & others Ro 265 Gali Patash, Teliwara, Delhi.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-II, 'H' BLOCK VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 14th September 1981

Ref. No. IAC/Acq.11/SR-11/81-82/1-81/7291,—Whereas, I, VIMAL VASISHT, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Mol. No. 2006 & 2007 situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Kucha Chelan, Khari Bauli, Delhi on January 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as atoresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Mol. 2006 & 2007 Kucha Chelan, Khari Baowli, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
H, Block, Vikas Bhavan I. P. Estate,
New Delhi.

Date: 14-9-1981

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 7th September 1981

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-I/81-82/1-81/7310.—Whereas, I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. H. No. 1947,

situated at Kınari Bazar, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at January, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Shri Jøgdish,
 - 2. Varindai Mathur Sahai,
 - Kirpal Sahai, Sons of Wazır Sahai, i/o Katra Khushalıai, Kinari Bazar, Delhi.

(Transferors)

(2) Smt. Munni Devi Maheshwari & others, sons of Ram Gopal Maheshwari, 1/o 1947, Kt. Khushalltai, Kinari Bazar, Delhi. Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoves able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

THE SCHEDULE H. No. 1947, Katra Khushalrai, Kinari Bazar, Delhi.

SMT. VIMTL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-II,
I.P. Estate, New Delhi.

Dated: 7-9-1981

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 7th September 1981

Ref. No. IAC/Acq. II/SR- /81-82/7329.—Whereas I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Prop. No. 4226, situated at Jogiwara, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Delhi in January 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee tor the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to following persons namely:—

(1) M/s. Luiga Das Sanjay Kumar, No. 5864, Jogiwara, Nai Sarak, Delhi & others. (Transferor)

(2) Smt. Ram Pyarı w/o L. Nank Chand & others 1/o 4226, Chhatta Gosain Makhan Lal, Nai Saiak, Delhi

(Transferee)

Object.on-, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Prop. No. 4226, Chhatta Gosain Makhan Lal, Jogiwara, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
I.P. Estate, New Delhi.

Dated: 7 9 1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Smt. Harbai d/o Ram Rachhpal, w/o Arjan Dass, r/o A2/24, Safdarjang, New Delhi.

(2) Shri Mirza Ishfaq Beg, s/o Uldulla, (Transferor)

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISTTION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 7th September 1981

Rel. No. 1AC/Acq. 11/SR-1/81-82/1-81/7343.—Whereas I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]—and bearing No.

Prop. No. 1560,

situated at Gali Kotana. Suiwalan Jama Masjid, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in January, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following p isons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Prop. No. 1560 Gali Kotana, Suiwalan, Jama Masjid,

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
I.P. Estate, New Delhi.

Dated; 7-9-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, NFW DELHI

New Delhi, the 7th September 1981

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-I/81-82/1-81/7283.—Whereas I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing

Municipal No. 4633, situated at Ansari Road, Darya Ganj, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Delhi in January, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in fespect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- M/s. S. Chand & Company Ltd., Ram Nagar, New Delhi through their Director, Shii Rojendra Kumai Gupta.
- (2) Dhan Raj Atora 5/0 Bhag Raj Atota, 1/0 2 65, Punjabi Bagh, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Municipal No. 4633, measuring about 833 sq. ft. at Ansari Road, Darya Ganj, New Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
I.P. Estate, New Delhi.

Dated: 7-9-1981

Seal ;

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMP-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, NFW DFLHI

New Delhi, the 7th September 1981

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-I/81-82/1-81/7284.—Whereas I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

H. No. 1958, Ward No. XI,

situated at Kucha Chelan, Gali Rajan, Darya Ganj, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in January, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 2500 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Pwarka Nath s/o Sita Ram, 1/o 1958, Kucha Chelan, Darya wanj Delhi.

(Transferor)

(2) Shu Mohd Saecd s/o Mohd Ibrahim, 1/o 1958, Kucha Chelan, Daiya Ganj, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 4.5 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULB

H. No. 1958, Ward No IX, Kucha Chelan, Gali Rajan, Darya Ganj, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
I.P. Estate, New Delhi.

Dated: 7-9:1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-. A€T. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II,

New P 1hi th 7th Senember 1981

Ref. No INC 'Acc IT'SR-I/81-82/7293. -Whereas I, VIMAL 'ASISHT.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

*SSB H-3/12 cituated at Model Town, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed-hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in January, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therfor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);
- or therefore, in pursuance of Section 269C, of the sure the school of the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

24-286GI/81

 Shri Prem Nath Grover, Smt. Chapder Wati & Smt. Ram Piari, r/o H ³/12, Model Town, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Om Piakash Bhasin Tilak Raj, Jagdish Lal Bhasin, 1/0 C-1-D/III, Model Town, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that .Chapter

THE SCHEDULE

S.S.B. No. H-3/12, Model Town, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
I.P. Estate, New Delhi.

Dated: 7-9-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 7th September 1981

Ref. No. IAC/Acq IJ/SR-I/81-82/1-81.—Whereas I. VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 's iid Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

G.B. Qr. No. 12/6 (D.S.),

situated at Ramesh Nagar, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi January, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Sundri Bai d/o Badal Dass, r/o 12/6, Ramesh Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Parkash Chand s/o Moti Ram, r/o 6/28, Old Rajindei Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

G.B. Qt. No. 12/6(DS) Ramesh Nagar, New Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
I.P. Estate, New Delhi.

Dated: 7-9-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 14th September 1981

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-1/81-82/1-81 /7317.—Whereas I, VIMAL VASISHT,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]—and bearing No. Plot No. 3,

situated at Ashoka Park Extn. Village Bassai Darapur, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in January, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sh. Harphool Singh s/o Bachan Singh, r/o 2/128 Harijan Basti, New Rohtak Road, Dew Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Vidyapati Sansthan, 29, Ashoka Park Extn., New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 3 Ashoka Park Extn. Village Bassai Darapur, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
I.P. Estate, New Delhi.

Dated: 14-9-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Arjun Dass & others, sons of Shankar Dass, r/o 4578 Mahabir Bazar, Cloth Market, Fatehpuri, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Kamal Kumar s/o Ram Kumar, r/o 2248, Hingabang, Tilak Bazar, Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 7th September 1981

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-I/81-82/7327.—Whereas I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Prop. No. 494 & 495,

situated at Kt. Andrun Lal, Khari Boali, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in January, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor, by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to bestween the particulars not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weaith-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used rerein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Prop. No. 494 & 495, Kt. Anandrunlal, Khari Boali, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
I.P. Estate, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the asid Act, to the following persons, namely:—

Dated: 7-9-1981

FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 7th September 1981

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-I/81-82/1-81/7312.—Whereas I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000; and bearing No.

H. No. C-3/19, situated at Rana Pratap Bagh, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in January, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the faoresaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Jagadish Lal s/o Kesar Mal Mehta r/o C-3/19, Rana Pratap Bagh, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Sat Pal s/o Kesar Mal, r/o H. No. C-3/19, Rana Pratap Bagh, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building No. C-3/19, Rana Pratap Bagh, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
I.P. Estate, New Delhi.

Dated: 7-9-1981

FORM LT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 7th September 1981

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-I/81-82/1-81/7333.—Whereas I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that

the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

G.B. Or. No .47/4,

situated at East Patel Nagar, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhu in January, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. I aj Wanti w/o Bhagwan Dass lessee Qr. No. 47/4, East Patel Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Bahadar Chand s/o Dogar Mal., r/o 47/4 East Patel Nagar, New Delhi & others. Qr. No. 47/4, East Patel Nagar,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

G.B. Qr. No. 47/4, East Patel Nagar, New Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
I.P. Estate, New Delhi.

Dated: 7-9-1981

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Smt. Daya Devi w/o Gobind Ram Gulati, r/o C-1 Arya Samaj Road, Adarsh Nagar, Delhi & others.

(Transferor)

(2) Smt. Kusam Khanna w/o Parkash Khama, 1/o H. No. 3951-52, Naya Bazar, Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

ACQUISITION RANGE-II,

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

NEW DELHI

SIONER OF INCOME-TAX,

New Delhi, the 7th September 1981

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-I/81-82/1-81/7311.—Whereas I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable, property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

H. No. 111/19, situated at Village Azadpur, Delhi (and more fully described in the scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on January, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);
- Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. 111/19, Kewal Park Colony, Village Azadpur, Delhi State.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Dated: 7-9-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II. NEW DELHI

New Delhi, the 7th September 1981

IAC | Acq II | SR-1 | 81-82 | 1-81 .-- Whoreas VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/and bearing

G.B.P. No. 112, situated at Hakikat Nagar, Mall Road, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Delhi on January, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of sch apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

(1) Shri Satish Kumar, s/o Shri Amrit Lal, r/o Shop No. A/12, Hathi Khana, Delĥi,

(Transferor)

(2) Smt. Meena Poswal w o Major A. C. Poswal, 1/o No. 112, Hakikat Nagar, Delbi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

G.B.P. No. 112, Hakikat Nagar, Mall Road, Delhi.

SMT. VIMAL VASISH" Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, I.P. Estate, Now Delhi.

Dated: 7-9-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 7th September 1981

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-II/81-82.—Whereas I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act,'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing House No. 113 situated at

Nirankari Colony, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on January, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :----

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) if Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
25—286GI/81

 Smt. Devki d/o Karam Chand, r/o Nirankari Colony, Delhi through GA Ramesh Chander Behl, s/o Krishan Lal Bchal.

(Transferor)

(2) Smt. Motia Devi w/o Barkat Ram, r/o Barrack No. 29 Hudson Lines, K/Camp. Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. 113, Nirankari Colony, Delhi K. No. 163.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II,
I.P. Estate, New Delhi.

Date: 7-9-1981

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I

'H' BLOCK VIKAS BHAVAN
I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 7th September 1981

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-JII/1-81/7344.—Whereas I, VIMAL VASISHT.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Prop. No. 275 situated at Chitla Gate, Ch. Bazar, Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer on January 1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Phool Wati w/o Bhagwan Dass & Others R/o 811, Gali Dore Wali, Paharganj, N. Delhi,
- (2) Shri Mahender Pal s/o Dharmpal R/o 533/20 A, Gali Jain Mandir Gandhi Nagar, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Prop. No. 275, Chitle Gate, Chawri Bazar, Delhi.

VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I. New Delhi

Date: 7-9-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961).

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II

'H' BLOCK VIKAS BHAVAN I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 14th September 1981

Ref. No. IRC/Acq.II/SR-I/81-82/1-81/7304.—Whereas I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

H. No. 1170-71 situated at Gali Jamanwali, Haveli Hissamuddin Haider, Balimaran, Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering

Officer at New Delhi on January 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Kifayatulnisa alins Kifayatıan w/o Nawab Mohd. Shafi r/o 960 Haveli Hissamuddin Haider Ballimaran, Delhi & others.

(Transferor)

(2) Shri Mohd. Uunus s/o Mohd. Ayub r/o 1842 Kt. Shaikh Chand Lal Kuan, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. 1170-71/VI Gali Jamanwali, Haveli Hissamuddin Haider Ballimaran, Delhi.

VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi

Date: 14-9-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER, OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II 'H' BLOCK VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 12th August 1981 Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/1-81.—Whereas I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

H. No. 3828, situated at Ward No. III Gall Maqbool Press Wali, Mori Gate, Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on January 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sualeh Begum W/o Rehman Ilahi Sahib R/o 2241 Gali Qasim Jaan, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Baldev Raj Raheja S/o Sant Ram Raheja, G-15, Kirti Nagar, New Delhi & Smt. Amarjit Kaur w/o Jaswant Singh R/o 3876 Mori Gate, Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a), by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. 3828 Ward No. III Gali Maqbool Press Wali, Mori Gate, Delhi.

VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-II, New Delhi

Date: 12-8-1981

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II

New Delhi, the 14th September 1981

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/81-82/1-81/7314.—Whereas I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/-and bearing

No. Prop. No. 2546 situated at Mohalla Tirha Behram Khan, Ward No. XI, Darya Ganj, Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on January 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the asid Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Sheikh Mumtazul Arfin S/o L. Shamsul Arfin R/o X/2128, Ahata Kale Sahib, Delhi & others.

 (Transferor)
- (2) Smt. Chamoli Devi w/o Bhagat Pd. R/o 3005, Kucha Neelkanth, Faiz Bazar, Darya Ganj, Delhi. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period, expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Ozzetts.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Prop. No. 2546 Mahalla Tiraha Behram Khan, Ward No. XI, Darya Ganj, Delbi.

VIMAL VASISHT
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date: 14-9-1981

Scal:

FORM ITNS----

(1) Shri Arjun Dass & others R/o 4578 Mahabir Baznar, Cloth Mkt. Fatehpuri, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Parkash Chand Gupta s/o Phool Chand R/o 1711/1 Kanya Lal Bagla Building, Queens Road, Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II

New Delhi, the 14th September 1981

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/81-82/1-81/7328.—Whereas I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Prop No. 497 & 499 situated at Kt. Lal, Kharl Boali, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on January 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid

property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Prop. No. 497 & 499, Katıa Lal, Khari Boali, Delhi.

VIMAL VASISHT

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 14-9-1981

Soal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Sudama Lal and Heera Lal sons of Nanoo Mal R/o 354 Mohalla Jatwara Faij Bazar, Darya Gani, Delhi.

(1) Smt. Chand Rani D/o Gobind Ram Kapoor R/o 3034 Kaziwara, Darya Ganj, Delhi.

(Transferee)

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II

New Delhi, the 14th September 1981

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/81-82/1-81/7342.—Whereas I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Inc. me-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

No. Prop. No. X/1041-A(1), situated at Phatak Muftiwalan, Darya Ganj, Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on January 1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writin to the undersined—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Prop No. X/1041·A(1), Phatak Muftiwalan, Darya Ganj, . Delhi.

VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date: 14-9-1981

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Madan I.al Khosla s/o Diwan Chand R/o K-79, Kirti Nagar, New Delhi. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Lakhmi Ram s/o Ishwar Dass R/o K-79, Kiiti Nagar, New Delhi. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I

New Delhi, the 14th September 1981

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/1-81/7346.—Whereas I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding D.S.H. on plot No. K 79 situated at Kirti Nagar, Vill Bassai Darapur Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

in January 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any inome arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- •(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

D.S.H on plot No. K-79, Kitti Nagar Vill. Bassai Darapur Delhi.

VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date: 14-9-1981

(1) Smt. Raj Rani family Trust of 16-B/4, Asaf Ali Rond, New Delhi through their trustees.

(Transferor)

(2) Smt. Usha Rani w/o Shri K. C. Jain R/o 113, Darya Ganj, New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I

Now Delhi, the 14th September 1981

Ref. No. IAC/Acq.II/SR.I/1-81/7348.—Whereas I, VIMAL VASISHT.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

H. No. 4778, situated at 23 Darya Ganl, Delhl, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at in January 1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazettee.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. 4778, 23-Darya Gan, New Delhi.

VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New-Delhi

Date: 14-9-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II

New Delhi, the 14th September 1981

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/81-82/1-81/7354.—Whereas I,

VIMAL VASISHT, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Prop. No. 280/2 situated at Kucha Sanjogi Ram, Naya Bans, Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at in January 1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- Shri Shiv Shankar Dayal s/o Babu Ram R/o 280 Kucha Sanjogi Ram, Naya Bans, Delhi.
- (2) Shri Jai Parkash Gupta s/o Tara Haveli Haider Quli, Ch. Ch. Delhi. (Transferor)

(Transferce)

Objections, if any, to the acquiistion of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Prop. No. 280/2 Kucha Sanjogi Ram, Naya Bans, Delhi,

VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date: 14-9-1981

scal.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II

New Delhi, the 4th July 1981

Rcf. No. IAC/Acq-II/SR-II/1-81/4086.—Whereas I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Agr. land situated at Vill. Nangli Poona, Delhi, (and more fully described in the Schedule tennexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at in January 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the mability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Lakhi Ram son of Shri Abhev Ram Vill. Nungli Poona, Delhi. (Transferor)
- (2) M/s Arihant Enterprises, 2689, Sadar Thana Road, Delhi through its partner Shri Ashok Jain, (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 7 bighas and 4 biswas out of Khasra Nos. 15/20, 15/21 and 19/1, situated in the area of Vill. Nangli Poona, Delhi.

VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date: 4-7-1981

Scal:

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II

New Delhi, the 4th July 1981

Ref No. IAC/Acq-II/SR-II/1-81/4102.—Whereas I, VIMAL VASISHT, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 12 Jeewani Block situated at Ganga Ram Vatika,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer in January 1981,

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Kanwar Lal Gupta s/o Shri Dharam Singh r/o 19-A, Kirti Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Ved Mittar Bhalla s/o Shri Hans Raj Bhalla r/o J-11, Ganga Ram Vatika, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 12 measuring 265 sq. yd. situated at Jeewani Block, Ganga Ram Vatika, New Delhi.

VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date: 4-7-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II

New Delhi, the 4th July 1981

Rei. No. IAC, Acq-II/SR.II 1-81/4103.—Whereas I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Agr. land situated at Vill. Dichaon Kalan, Delhi, (and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer in January 1981,

for an apparent consideration which is less than the air market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property at aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the isue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the tollowing persons, namely:—

 S/Shii Prem Jot Ram Sohan Lal Raghu Nath sons of Shri Khem Chand, r/o VPO: Shahpur Jat, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Rajinder Singh Lamba s/o Shri Kahan Singh Laba r/o D-1/18D, Rajouri Garden, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 13 bighas 2 biswas of vill. Dichaon Kalan, Delhi.

VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date: 4-7-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA .

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE II H BLOCK VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Dellis, 4th July 1981

Ref. No. IAC/Acq.-II/SR-II/1-81/4104.—Whereas,, I VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 209B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heremafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agr. land situated at Vill. Dichaon Kalan, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at on January 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely —

(1) S/Shri Prem, Jot Ram, Sohan Lal and Sh. Raghu Nath sons of Shi Khem Chand, all r/o VPO: Shahpur Jat, N. Delhi.

(Transferor)

[PART III—SEC. 1

(2) Smt. Satbjit Kaur Lamba w/o Sh. Rajinder Singh Lamba R/o D-1/18D, Rajiouri Garden, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 10 bighas I biswa of Vill. Dichaon Kalan, Delhi.

VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-11,
H-Block, Vikus Bhavan,
I.P. Estate, New Delhi.

Date : 4-7-81

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER, OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE II H BLOCK VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE, NEW DEI HT

New Delhi, the 8th July 1981

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-II/1-18/4107. Whereas, I, VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said' Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/2 and bearing No.

No. R/Shop No. 2, situated at Inderpuri, N. Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at on January 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Incian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) off section 269D of the said Act to the following persons namely:—

- (1) Shri Atma Ram 5/0 Sh. Kirpal Ram R/0 4766, Partap Street, 23, Darya Ganj, Delhi. (Transferor)
- (2) Shii J. K. Goel s/o Sh. R. P. Goel r/o FA-128, Inderpuri, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land No. R/shop No. 2, measuring 131.66 sq. yd. situated at Inderpuri, N. Delhi.

VIMAL VASISHT
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
H-Block, Vikas Bhavan,
I.P. Estate, New Delhi

Date: 8-7-81

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II H BLOCK VIKAS BHAVAN, I.P. FSTATE, NEW DELIII

New Delhi, 4th July 1981

Ref. No. $I\Lambda C/Acq-II/SR-II/1-81/4110$ —Whereas, I, VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agr. land situated at Vill, Dichan Kalan, Delhu (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on January 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (1) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) S/Shii Prem, Jot Ram, Sohan Lal and Sh. Raghu Nath sons of Shii Khem Chand, all r/o VPO: Shahpur Jat, N. Delhi.

(Transferor)

(2) Shi Rajinder Singh Lamba s/o Sh. Kahan Singh Lamba r/o D-1/18D, Rajouri Garden, N. Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 18 bighas 2 biswas and one tube well, situated in the area of vill. Dichan Kalan, Delhi.

VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
H-Block, Vikas Bhayan,
I.P. Estate, New Delhi

Date: 4-7-81

Scal '

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE II H BLOCK VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, 4th July 1981

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-II/1-81/4111 —Whereas, I, VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

No. Ar. land situated at Vill, Dichaon Kalan, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on January 1981

on lanuary 1981
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely '----

27—286GI/81

- (1) S/Shri Prem, Jot Ram, Sohan Lal and Sh. Raghu Nath sons of Shi Khem Chand, all r/o VPO: Shahpur Jat, N -Delhi.
 - (Transferor)
- (2) Smt. Amarjit Kaur Lamba w/o Sh. Harbhajan Singh Lamba 1/o C-81, Naraina Vihar, N. Delhi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 15 bighas 3 biswas of Vill. Dichaon Kalan, Delhi.

VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
H-Block, Vikas Bhavan,
I.P. Estate, New Delhi

Date: 4-7-81

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE II H BLOCK VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 8th July 1981

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-II/1-81/4112.—Wherens, I, VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Agr. land situated at Vill. Dichaon, Kalan, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on January 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration an dthat the consideration for such tarnsfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely:—

(1) S/Shri Prem, Jot Ram, Sohan Lal and Sh. Raghu Nath sons of Shri Khem Chand, all r/o VPO: Shahpur Jat, N. Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Harbhajan Singh Lamba s/o Sh. Kahan Singh Lamba 1/o H. No. C-81, Naraina Vihar, N. Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 16 bighas 17 biswas of vill. Dichaon Kalan, Delhi.

VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
H-Block, Vikas Bhavan,
I.P. Estate, New Delhi,

Date: 8-7-81 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER, OF INCOME-TAX.

ÁCQUISITION RANGE II H BLOCK VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 14th September 1981

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-II/81-82/1-81/4143.—Whereas, I, VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. G.B. Q. No. 11/26 situated at Subhash Nagar, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on January 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the eblect of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the andresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Sham Lal s/o Khushi Ram of No. 11/26, Subhash Nagar, New Delhi. (Transferor)
- (2) Shri Prem Singh s/o Nihal Singh R/o J-13/55 Rajouri Garden, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons wit' in a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in this Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

G.B.Q. No. 11/26, Subhash Nagar, New Delhi.

VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
H-Block, Vikas Bhavan,
I.P. Estate, New Delhi.

Date: 14-9-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE II H BLOCK VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 14th September 1981

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-II/81-82/1-81/4168.—Whereas, I. VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. Plot No. C/D3, situated at Hari Nagar, Clock Tower, in Block-G, VII. Tihar, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on January 1981

for pn apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely:—

 Shri Indra Ahuja D/o Bhim Sain w/o Rajindar Pal Ahuja R/o H. No. R-811, New Rajinder Nagar, New Delbi.

(Transferor)

(2) Shri B. C. Katoch s/o Laxman Singh Katoch R/o C/168-D, Hari Nagar, New Delhi.__

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. C/D/3, Hari Nagar, Clock Tower, in Block-C, Vill. Tihar, Delhi State, Delhi.

VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
H-Block, Vikas Bhavan,
I.P. Estate, New Delhi.

Date: 14-9-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA .

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II H BLOCK VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 14th September 1981

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-II/81-82/1-81/4176.—Whereas, I, VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tux Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000/and bearing No,

No. H. No. VA/11-12, situated at Varinder Nagar, New Delhi

puram (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on January 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the afiresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than litteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said insrtument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Agya Kaur W/o Bishan Dass Kukreja R/o I-85, Nanakpura, Moti Bagh II, New Delhi. (Transferor)
- (2) Shri Ram Kishan s/o Sh. Piare Lal R/o VA/II & 12 Varinder Nagar, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. VA/11-12, Varinder Nagar, New Delhi.

VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
H-Block, Vikas Bhayan,
I.P. Estate, New Delhi.

Date: 14-9-1981

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Smt. Krishan Kumari w/o Hira Nand Arora & others R/o 3415 Gali Malian, Delhi. (Transferor)

(2) h. Sukhdev Chand Mehta p/o M/s Paramount Paints & Metal Works 3421, Gali Bajrang Bali, Bazar Sita Ram, Delhi.

(Transferce)

GOVERNMENT OF ENDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II
H BLOCK VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE, NEW DELHI
New Delhi, the 14th September 1981

Ref. No. IAC/Acq. I SR-III/I-81/4165.—Whereas, I, VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agri. Land situated at K. No. 490/1 of Vill. Burari, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on January 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land K. No. 490/1, Vill. Burari, Delhi.

VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
H-Block, Vikas Bhavan,
I.P. Estate, New Delhi.

Date: 14-9-1981

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE II H BLOCK VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE, NEW DELHI New Delhi, the 8th July 1981

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-II/1-81/4126.—Whereas, I, VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Agr. land situated at Vill. Bakauli, Delhi State Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on January 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) Shri Ami Chand s/o Sh. Heta, Caste Gadria, Village & P.O. Bakauli, Delhi State Delhi. (Transferor)
- (2) Sh. Shei Jung Bahri, Sh. Inder Lal Bahri and others all r/o 5/6, Nagar, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 5 bighas and 10 biswas vide Kh. No. 208, situated in the area of Village Bakauli, Delhi State, Delhi.

> VIMAL VASISHT Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax Acquisition Range-II. H-Block, Vikas Bhavan, I.P. Estate, New Delhe

Date: 8-7-81

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 'H' BLOCK VIKAS BHAVAN, I P ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 7th September 1981

Ref No JAC/Acq II/SR-II/81-82/1 81/4124 -- Whereas, I, VIMAL CASISTH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Agr. I and situated at Vill. Boprola, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

on January 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of trusfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesa d property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, manely:—

(1) Shri Dayan Nand s/o Shri Ami Chand R/o Vill Boprola, Delhi

(Transferor).

(2) Shri Aditya Vikram Mehra k/o Shri A. K Mehra R/o 35 Paschimi Marg; Visant Vihar, New Delhi

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the and property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. land, 158 Bighas (1/8th share) Vill. Boprola, Delhi

SMT VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date: 7-9-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 'H' BLOCK VIKAS BHAVAN, 1.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 7th September 1981

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/81-82/1-81/4089.—Whercas, I VIMAL VASISTH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Ra. 25,000/-and bearing

Agr. Land situated at Vill. Palan, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer on January 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sntt. Vimia Chawla w/o Shri S. L. Chawla R/o J-64,N.D.S.E. Part I. New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Soma Rani
w/o Shri Sat Pal Gulati &
Smt. Raj Rani
w/o Shri Krishan Lal
Both R/o 74 Raja Garden,
New Delhi,

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land mg. 4 bighas 16 biswas of Vill. Palan, New Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date: 7-9-1981

Sçal ;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (1) Smt. Vimal Devi w/o Mukand Lal others R/o Vill. Jhangola, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Gulzari Lal s/o Shri Rati Ram R/o Akhirpur Majra, Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 'H' BLOCK VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 7th September 1981

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/81-82/1-81/4109.—Whereas, I, VIMAL VASISTH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the

immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Agri. Land situated at Vill. Jhangola, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer on January 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same-meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. Land 4 Bighas 16 Blswas. Vill. Jhangola, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date: 7-9-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 'H' BLOCK VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 7th September 1981

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/81-82/1-81/4152.—Whereas, I, VIMAL VASISTH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-rand bearing

AAgri Land situated at Vill. Qadipur, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

on January 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Rajinder Singh s/o Shri Narain Singh R/o Vill. Qadipur, Delhi State, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Kedar Nath Khanna s/o Shri Sardari Lal Khanna R/o 22-R/1, Original Road, Karol Bagh, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. Land. 24 Bighas, Vill. Qadipur, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date: 7-9-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Sahib Singh s/o Shri Kishan Lal R/o VPO Bakauli, Delhi,

(Transferor)

(2) Smt. Tilka Rani w/o Shri Nathuram R/o E-73, Tagore Garden, New Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, 'H' BLOCK VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 7th September 1981

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/81-82/1-81/4147.—Whereas, I, VIMAL VASISTH

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Agri. land situated at Vill. Bakauli, Delhi

(and morefully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the offict of the Registering Officer at

on January 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesuit exceeds the apparent consideration therefor by more than ifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. Land 1 Bigha 6 Biswas Vill. Bakauli, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date 7-9-1981 **Seal**:

 Mrs. Surjit Kaur w/o A/1/314 Paschim Vlhar, New Delhl.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

701 1101, 1201 (42 01 1201)

(2) Shri Surinder Singh s/o Shri Kishan Singh R/o J-9754, Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 'H' BLOCK VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 7th September 1981

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/81-82/1-81/3129.—Whtreas, I, VIMAL VASISTH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Agr. land situated at Vill. Pirngarahi, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at on January 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifte n per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. Land Vill. Peera Grahi, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority,
Inspecting Assistant
Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date: 7-9-1981

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, 'H' BLOCK VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 7th September 1981

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/81-82/1-81/4153.—Whereas, I, VIMAL VASISTH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Agri. Land situated at Vill. Bakhtawarpur, Delhi State (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on January 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Mahinder Singh s/o Shri Jage R/o Vill. Bakhtawarpur, Delhi State. (Transferor)
- (2) Shri Sher Singh s/o Shri Rati Ram R/o Vill. Bakhtawarpur, Delhi State.
 (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land 2 Bighas 8 Biswas Vill. Bakhtawarpur, Delhi State, Delhi.

SMT, VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date: 7-9-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 'H' BLOCK VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 7th September 1981

Ref No. IAC/Acq.H/SR-II/81-82/4164(A).—Whereas, I, VIMAL VASISTH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Agri, Land situated at Vill. Bewana, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer on January 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid excæd the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said insrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Ram Chander s/o Shri Teeka Ram' R/o Vill. Bewana, Delhi.

(Transferor)

(2) S/Shrı Raghbir Singh, Jit Ram s/o Shrı Megha R/o Vill. Rewana, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land 13 Bighas 6 Biswas, Vill. Bewana, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date: 7-9-1981

PORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 'H' BLOCK VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 7th September #981

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/81-82/1-81/4180.—Whereas, I, VIMAL VASISTH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs: 25,000/- and bearing

Agri. land situated at Vill. Holambi Khurd, Dethi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at on Jan. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice; uinder subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Jagjit Singh s/o Shri Ram Saroop r/o. Vill. Holambi Khurd, Delbir.

(Transferor)

(2) Smt. Santosh Garg w/o Shri S. K. Garg r/o B/2 Roop Nagar, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

AAgri. Land 10 Bighas 8 Biswas, Khasra No. 29/20 Vill. Holambi Khurd, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date: 7-9-1981

ical :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Shri Dev Raj s/o Shri Nand Lal R/o 1159, Rani Bagh, . Shakur Basti, Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Susheela Devi w/o Shri B. R. Abhilashi R/o J-17, DDA Flats, Naraina, Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 'H' BLOCK VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 7th September 1981

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/81-82/1-81/4169.—Whereas, I. VIMAL VASISTH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

Agri. land situated at Vill. Ghewra, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at on January 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of the such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Agri, land Vill. Ghewra, Delhi. 3 Bighas 8 Biswas.

SMT, VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date: 7-9-1981

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
29—286GI/81

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMEN'T OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI New Delhi, the 14th September 1981

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/81-82/1-80/593.—Whereas, I, VIMAL VASHIST,

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agri. land situated at Vill. Narela, Delhi State, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering office at on Jan. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Bihari Lal, Hazari Lal sons of Sh. Thana & others R/o Vill. Safiabad Tehsil Sonepat.

 (Transferor)
- (2) Shri Joginder Singh, Varinder Singh sons of Shri Risal Singh & others R/o Vill. Narela, Delhi.

 (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land 41 Bighas 7 Biswas Vill. Narela, Delhi State.

SMT. VIMAL VASISHT,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Dated : 7-9-81

Scal ;

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Sh. Dhani Ram s/o Khubi & others R/o Vill. Nawada, Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Parkash Sethi & Subhash Sethi sons of Sham Dass Sethi & Priti Danga W/o Sat Narain R/O Tilak Nagur, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI New Delhi, the 7th September 1981

Ref. No. IAC/Acq.i1/SR-II/81-82/1-81/4145.—Whereas, I, VIMAL VASHIST,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agri. land situated at K. No. Jp. 850, Vill. Nawada

Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registering Act, 1908 (16. of 1908) in the office of the Registering Officer office at on Jan. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to be inve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (t) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land K. No. jp. 850, Vill. Nawada, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afor: said property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 14-9-81

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 7th September, 1981

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/81-82/1-81/4141.—Whereas, I. VIMA LVASHIST.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agri. land situated at Vill. Qadipur, Delhi State (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at officer at on Jan. 1981

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent considerations therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Rajinder Singh s/o Narain Singh r/o Vill. Qadipur, Delhi State, Delhi
- (2) Sh. Kedar Nath Khanna s/o Sh. Sardari Lal r/o 22-B/1, Original Road, Karol Bagh, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this rotice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. laud 24 Bighas Vill. Qadipur, Delhi,

SMT. VIMAL VASISHT,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Dated: 7-9-81

Seal ;

(Transferor)

Khurd, Delhi.

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(Transferee)

(2) M/s Toshee Industries, 8/2 Roop Nagar, Delhi &

Jagjit Singh s/o Ram Saroop R/o Vill. Helambi

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 7th September 1981

IAC/Acy.II/SR-II/81-82/1-81/4172.—Whereas, Ref. No. I, VIMA LVASHIST,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Agri. land situated at Vill. Holambi Khurd, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on Jan. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cept of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the libility of the transferor to pay tax under the said Act, in. respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land Vill. Holambi Khurd, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Dated: 7-9-81 Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 14th September 1981

Ref No. IAC/Acq.II/SR-II/81-82/1-81/4181.---Whereas, I, VIMAL VASHIST,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Agri. land situated at Kh. No. 490/1 Vill. Burari, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on Jan. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afo said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sont. Kıran Bala w/o Prem Kumar through C. L. Kapoor s/o Ganesh Dass R/o 238, Bhai Parma Nand Colony, Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Sukhdev Chand Mehta p/o M/s Paramount Paints & Mehta Works 3421 Gali Bajrang Bali, Bawar Sita Ram Delhl.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land Kh. No. 490/1 Vill. Surair, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Dated: 7-9-81

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX: ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI New Delhi, the 14th September 1981

Ref. No. 1AC/Acq.H/SR-H/81-82/1-81/4134.—Whereas, VIMAL VASHIST

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agri. land situated at Vill. Helambi, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on Jan. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cont of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Jagiit Singh s/o Ram Saroop Singh R/o Vill. Holambi Khurad, Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Kiran Minda w/o Nirmal Minda R/o A-15 Ashok Vihar, Phase I, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULF

A gri. land Vill. Holambi, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Dated: 14-9-81

FORM NO. I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 14th September 1981

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/81-82/1-81/4135.—Whereas, I, VIMAL VASHIST,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

No. Agri. land situated at Vill. Alipur, Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on Jan. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid excerts the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

- Sh. Sacha Nand s/o Maya Ram R/o 4712 Patel Nagar, New Delhi. (Transferor)
- (2) Sh. Parash Chand Goel s/o Ghasi Ram Goyal R/o 17/16, Shakti Nagai, Delhi. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned >

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHFDULE

Agri. land Kh. No. 957 Alipur, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Dated: 14-9-81

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 14th September 1981

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/81-82/1-81/4201.—Whereas, I, VIMAL VASHIST, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Agri. Iand situated at Vill. Holambi Kalan, Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registering Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at on Jan. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
30—286GI/81

(1) Sh. Kamla w/o Om Parkash R/o H. No. 6, 5, Sarai Peepal Thalan, Delhi.

(2) Sh. Master Sameer Anand s/o Sh. Dina Nath R/o F-108, Ashok Vihar, Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable propery, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri, land Vill. Holambi Kalan, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Dated: 14-9-81

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II. NEW DELHI

New Delhi, the 14th September 1981

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/81-82/1-81/4125.—Whereas, I, VIMAL VASHIST,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agri. land situated at Vill. Baprela, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on Jan. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the 'parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Daya Nand s/o Ami Chand R/o Vill. Baprola, Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Nischint Mehra w/o A: K. Mehra R/o 35 Paschimi Marg, Visant Viliar, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable, property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The trans and cap serious died herein as are didded in Charlet ANN of the said Act, shall have the same meaning a given in that

THE SCHEDULE

Agri. land Vill. Baprola, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delni/New Delhi,

Seal:

Dated: 14-9-81.

NOTIFE II DE GOTON 2691(1) OF THE INCOME-1 1. NC1, 1961 (43 of 1961)

COVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGF-II, NEW DELHI

New Delti, the 14th September 1981

Ref. No . IAC/Acq U/SR-II/81-82/1-81/4150 —Whereas, I, VIMAL VASHIST,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Agri. land satuated at Vill Neimada, Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on Jan. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or when ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Sh Bhartu s/o Jikha & Om Sarup s/o Chandgi R/o Vill. Newada, Delhi.

(Transferor)

(2) Sh Bhann Kaur w/o Darshan Lal s/o Swaran Kumar w/o Lambet Ram R/o F-13 Uttam Nagar, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable, property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land Vill. Nawada, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II, Delhi/New Delhi.

Dated: 14-9-81

(1) Shri Om Parkash s/o Ram Lal & others R/o 238 Bhai Parma Nand Colony, Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Baldev Chand Mehta p/o M/s Nulac Paints Paints & Chemicals, 6460, Katra Baryan, Fatehpuri.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I

New Delhi, the 14th September 1981

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-III/1-81/4182.—Whereas I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

No. Agri. land situated at K. No. 490/1 Vill. Burari, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on January 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
 - (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land. K. No. 490/1, Vill. Burari Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Acquisition Range-I, New Delb

Date: 14-9-1981

(1) Shri Partap Singh s/o Khacheru R/o VPO Ban-kauli, Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shii Kamaljit Singh & Baljit Singh sons of Jiwan Singh R/o BA-75 Fagore Garden, Delhi. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

(a) by any of the arcresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 39 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

ACQUISITION RANGE-I

the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

New Delhi, the 14th September 1981

(b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/81-82/1-81/4575.—Whereas I, VIMAL VASISHT

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

being the Competent Authority under Section 269B of the ncome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Agri. land situated at K. No. 225 Vill. Bankauli, Delhi, (and more fully described in the Scheduled annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act; 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at

on January 1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agri. land. 3 Bighas 6 Bisway K. No. 225 Vill. Bankauli, Road, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 14-9-1981

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX. 'H' BLOCK VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE,

ACOUISITION RANGE-I

New Delhi, the 14th September 1981

Ref. No. IAC/Acq II/SR-II/81-82/1-81/4113.—Whereas I, VIMAL VASISHT.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No Agri land situated at Vill. Tikri Kalan, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on January 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fan market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Sertion 269D of the said Act, to the following persons namely:-

(1) Shri Ram Mehar & Shri Bhagwan R/o Vill. Tikri Kalan Delhi through AG Kapil Devi Sharma R/o 45 W.A. Punjabi Bagh, Delhi,

(2) Shri Rama Sharma & others R. o 45 West Avenue, Punjabi Bagh, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :- -

- (a), by any of the aferesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days (om the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. Land. Vill. Tikri Kalan, Delhi State.

SMT. VIMAL VASISHT Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, New Della

Date: 14-9-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II

'H' BLOCK VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 14th September 1981

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/81-82/4125.—Whereas I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immov-

able property having a fair market value exceeding. Rs. 25,000/- and bearing.

No. Agri. land situated at Vill. Beprola, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at on January 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) faciliting the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, theretore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—21—266GI/81

- (1) Shri Daya Nand s/o Ami Chand R/o Vill. Baprola, Delhi.
 - (Transferor)
- (2) Shri Chander s/o Nahnu R/o Vill. Balyana, Distt. Rohtak. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land 158 Bighas 2 Biswas Vill. Beprola, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi

Date: 14-9-1981

NOTICE UNDER SECTION 169D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II

New Delhi, the 14th September 1981

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/81-82/4127.—Whereas I. VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agri. land situated at Daya Nand s/o Ami Chand R/o Vill. Baprola, Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at on January 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri Daya Nand s/o Ami Chand R/o Vill. Bapiola
- (2) Shri Manjit Singh s/o Inder Singh R/o Tchri Distt.
 Tehri Gharwal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land, Vill. Baprola, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I, New Delhi

Date: 14-9-1981

Seal ;

Tehri Garhwal.

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMITAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Shri Daya Nand s/o Ami Chand R/o Vill. Baprola, Delhi.

(Transferor)
(2) Shri Inder Singh s'o Devi Sahai R/o Tehri Distt.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I

New Delhi, the 14th September 1981

Ref. No. TAC/Acq.II/SR-II/81-82/4121.—Whereas I, WIMAL VASISHT, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

No. Agri. land situated at Vill. Baprola, Delhi, (and more fully described in the Schedule unnexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at on January 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair mbarket value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the concideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

31—286GI/81

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land. Vill. Baprola, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, New Delhi

Date: 14-9-1981

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACOUISITION RANGE-II

New Delhi, the 4th July 1981

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-II/1-81/4085.—Whereas I, VIMAL VASISH'T,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Agr. land situated at Village Palam, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on January 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Smt. Vimla Chawla w/o Sh. S. L. Chawla, r/o J-64, South Extension Part-I, New Delhi.
- (Transferor)
 (2) Smt. Veena Gulati w/o Sh. Baldev Raj Gulati and Smt. Swaran Lata w/o Sh. Subhash Chamder Gulati both r/o 74, Raja Garden, New Delhi.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 4 bigha 16 biswas Khasra No. 79/6, Village Palam, New Delhi.

VIMAL VASIDAT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date: 4-7-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Shri Jagjit Singh s/o Ram Saroop r/o Vill. Holambi Khurd. Delhi.

(Transferoi)

(2) Shri Ashok Minda s/o Shadi Lal r/o A-15 Ashok Vihar, Phase I, Delhi.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II

New Delhi, the 7th Sep. 1981

Ref. No. IAC/Acq I'SR-III/1-81/4166.—Whereas I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Agri. land situated at Vill. Holamhi Khurad, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1998) in the Office of the Registering Officer at on January 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri, land 11 Bighas 9 Biswas, Vill. Holambi Khurd, Delhi.

VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date: 4-9-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Ram Phal, Vasudev and Siri Kishan ss/o Shri. Tika all r/o VPO, Nangli Poona, Delhi. (Transferor)

(2) Shri Sushil Kumar Jain & Ashok Kumar Jain 55/0 Shri Trilok Nath Jain both r/o 106 Vir Nagar, Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-MISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II

New Delhi, the 4th July 1981

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/1-81/4084.—Whereas I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No.

No. Agr. land situated at Vill. Nangli Poona, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on January 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesæd property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between t' parties has not beent truely stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Inome-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 1 bigha 17 biswas part of Kh. No. 14/25 of Vill. Nangli Poona, Delhi.

VIMAL VASISHT
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date: 4-7-1981

Seel:

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER, OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-II H BLOCK VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 7th September 1981

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-III/1-81/4163.—Whereas I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said-Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agri. land situated at Khesakalu, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on January 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more that fifteen per cent of such apparent consideration and that the obsideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly, stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Bhan Singh & others sons of Parbhu, Vill. Khurad, Delhi.

(2) Shri Master Rohit Jain (M) s/o Hira Lal Jain R/o C-412, Model Town, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land 4 Bighas 16 Biswas Vill, Khesakalan, Delhi.

VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

Date: 7-9-1981